{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 18 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 355
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,336.45
निफ्टी	-	23,217.60
सोना	-	1,62,254
चांदी	-	2,45,000
डॉलर	-	95.92

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

रूस से तेल खरीदने पर 100 प्रतिशत टैरिफ पर भारत की अमेरिका को दो टूक

भारत समझौता नहीं करेगा, अपने हिसाब से खरीदेगा तेल

नई दिल्ली। अमेरिकी संसद ने एक संशोधन बिल पास किया जिसमें रूस से तेल और गैस खरीद करने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का रास्ता साफ हो गया। इस बिल के पास होने से भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगने का खतरा मंडराने लगा है। कांग्रेस इस मसले पर केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। तो वहीं अब सरकार की ओर से कहा गया कि इस बिल के पास होने पर सरकार ने संज्ञान लिया है, लेकिन वह समझौता नहीं करेगी। भारत अपने हिसाब से तेल खरीदेगा।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस संबंध में कहा कि भारत ने अमेरिकी कांग्रेस में रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिनियम पारित किए जाने का संज्ञान लिया है।विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोंच प्राथमिकता बताते हुए साफ किया कि 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा जरूरतों से किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिर्फ एक स्रोत पर निर्भर नहीं रहेंगे

भारत सरकार की ओर से कहा गया कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अलग-अलग स्रोतों से खरीद जारी रखेगा। यानी भारत किसी एक देश या स्रोत पर निर्भर रहने की जगह अलग-अलग स्रोतों से सप्लाई की नीति पर आगे बढ़ेगा। मंत्रालय ने कहा कि भारत का फैसला बदलते अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों के आधार पर होगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि ऊर्जा आयात से जुड़े फैसले बदलते मार्केट हालात को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे। अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित असर को लेकर भारत और अमेरिका के बीच हाल के महीनों में कई उ'चस्तरीय बातचीत हुई है। भारत ने बताया कि यह मुद्दा अलग-अलग अमेरिकी अधिकारियों के साथ उ'च स्तर पर उठाया गया है।

द्विपक्षीय रिश्तों पर असर नहीं पड़ेगा

भारत ने अमेरिका को सिर्फ द्विपक्षीय रिश्तों पर पडने् वाले असर की बात नहीं बताई, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार पर संभावित प्रभाव को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। यानी अमेरिका की नई प्रतिबंध व्यवस्था को वह महज भारत और अमेरिका द्वीपक्षीय मामले के तौर पर नहीं देख रहा है। अमेरिका की ओर से संभावित 100 फीसदी टैरिफ को देखते हुए भारत ने अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का संकेत दिए हैं। सरकार ने कहा है कि वह अपने व्यापार और आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सभी उपाय करने को लेकर दृढ़ है। भारत सरकार अब भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर आगे की रणनीति पर काम करेगी। बयान के मुताबिक, अमेरिकी कानून से पैदा होने वाले संभावित प्रभावों से निपटने के लिए सरकार व्यापार और उद्योग जगत के साथ करीबी समन्वय करेगी।

स्वामित्व अधिकार योजना में फ्री रजिस्ट्री बांटने के अभियान का शुभारंभ कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बोले

जो प्रयास पीएम मोदी ने किया, उसे सीएम मोहन ने जमीन पर उतारा

इंदौर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को इंदौर में स्वामित्व अधिकार योजना में फ्री रजिस्ट्री बांटने के अभियान की शुरुआत की। प्रदेशभर में सबसे पहले आगर-मालवा के बड़ौद निवासी सीताराम को रजिस्ट्री दी गई। इसके बाद रायसेन के माखन सिंह गुर्जर को ये मालिकाना हक मिला। इस मौके पर नितिन नवीन ने कहा कि ये केवल संपत्ति की रक्षा का विषय नहीं है, आज बड़ी आबादी को आत्मसम्मान से जीने का हक मिला है। जो प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, उसे मध्य प्रदेश में सीएम डॉ. मोहन यादव ने जमीन पर उतारा है।

वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दिवाली-दशहरा, होली सारे त्योहार मनाए जाएंगे। मध्य प्रदेश सरकार ने ग्रामीण इलाकों में 50 लाख संपत्तियों का निष्पादन करते हुए फ्री रजिस्ट्री देने की शुरुआत कर दी है। आज से पटवारियों के माध्यम से घर-घर जाकर फ्री रजिस्ट्री का काम शुरू किया जा रहा है, जो 17 अक्टूबर तक चलेगा। इससे पहले नितिन नवीन एयरपोर्ट से करीब 5 किलोमीटर का रोड शो करते हुए गांधी मैदान पहुंचे।

स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क नहीं ले रही सरकार

स्वामित्व योजना के तहत गांवों की आबादी भूमि का ड्रोन सर्वे कर वहां रहने वाले लोगों के संपत्ति संबंधी अधिकारों का रिकॉर्ड तैयार किया गया है। आज सरकार ने इसी रिकॉर्ड में दर्ज पात्र संपत्तियों की पंजीकृत डीड बांटने की प्रक्रिया शुरू की है। खास बात यह है कि हितग्राहियों से स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क नहीं लिया जा रहा है। सरकार ने इसका खर्च खुद उठाने का फैसला किया है। प्रदेश में अब तक 68.11 लाख अधिकार अभिलेख तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें 48.×2 लाख निजी संपत्तियां शामिल हैं।

खास खबर

दारा सिंह की रिहाई की याचिका खारिज

नई दिल्ली। ग्राहम स्टेन्स ट्रिपल मर्डर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रविंद्र पाल उर्फ दारा सिंह दारा सिंह को दो हफ्ते का वक्त दिया है। दारा सिंह को यह वक्त ओडिशा सरकार के समयपूर्व रिहाई की याचिका खारिज करने के फैसले को चुनौती देने के लिए दिया गया है। दारा सिंह को ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टेन्स और उनके दो नाबालिग बेटों की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। इससे पहले ओडिशा सरकार ने जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच को बताया कि अपराध की गंभीरता समेत मामले के सभी तथ्यों और हालात पर विचार करने के बाद दारा सिंह की समय से पहले रिहाई की अर्जी को उसने खारिज कर दिया है। अदालत ने इस मामले की सुनवाई तीन हफ्ते बाद के लिए तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले हुई सुनवाई में दारा सिंह की सजा में छूट के अनुरोध वाली याचिका पर फैसला नहीं लेने को लेकर ओडिशा सरकार को फटकार लगाई थी।

चार मजदूरों को रौंदा, दो की मौत, दो गंभीर

गुरुग्राम। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ग्रिल लगाने का काम कर रहे चार मजदूर एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गए। इस घटना में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 2-30 बजे न्यू पालम विहार स्थित श्री राम चौक के पास हुआ। मजदूर एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा ग्रिल स्थापित कर रहे थे, तभी एक अनियंत्रित कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो मजदूरों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायल मजदूरों को तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है।

फरार माओवादी नेता असीम मंडल गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। कोलकाता पुलिस एसटीएफ ने सीपीआई (माओवादी) के एक बड़े नेता को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान असीम मंडल उर्फ आकाश के तौर पर हुई है। वह सीपीआई (माओवादी) की सेंट्रल कमेटी का सदस्य बताया गया है। वह पश्चिम बंगाल स्टेट कमेटी का सचिव भी बताया गया है। पुलिस ने उसे पूर्व मेदिनीपुर के पटाशपुर के लालाट इलाके से पकड़ा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस गिरफ्तारी पर पुलिस की

यूपीआई चार्ज पर नीति आयोग के वाइस चेयरमैन बोले

40 पैसे देने से मर नहीं जाओगे!

नई दिल्ली। देशभर में अब यूपीआई को लेकर एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जिसका 'ज्दातर लोग विरोध कर रहे हैं। यह बदलाव 15 अक्टूबरसे लागू होने जा रहा है। अब 2,000 रुपये से 'यादा के कुछ पर्सन टू मर्चेंट यूपीआई पेमेंट पर 0.4 फीसदी एमडीआर लगाया जाएगा। इसके लागू होने के बाद सीधे तौर पर व्यापारियों पर ज्यादा असर पडने् वाला है। इन सब के बीच अब नीति आयोग के वाइस चेयरमैन अशोक कुमार लाहिड़ी के बयान के बाद बवाल मचा हुआ है।

अशोक कुमार लाहिड़ी ने यूपीआई पर लगने वाले चार्ज का बचाव करते हुए कहा कि सरकार हर चीज पर हमेशा सब्सिडी नहीं दे सकती है। उन्होंने इसे अपनी व्यक्तिगत राय बताया और साफ किया कि यह नीति आयोग का आधिकारिक रुख नहीं है। उनके मुताबिक कारोबारियों को डिजिटल पेमेंट सिस्टम की लागत में मामूली योगदान देना चाहिए। हर सेवा को सरकारी सब्सिडी के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। उन्होंने यह तक कह दिया कि 40 पैसे देने से मर नहीं जाओगे। अशोक कुमार लाहिड़ी ने टैक्स और सरकार के खर्च को लेकर भी अपनी बात रखी। लाहिड़ी ने चाणक्य का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार को भी उसी तरह संसाधन जुटाने चाहिए, जैसे फूल को नुकसान पहुंचाए बिना मधुमक्खी धीरे-धीरे उसका शहद लेती है। उनका तर्क था कि व्यवस्था को लंबे समय तक चलाने के लिए कारोबार को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है।

मणिपुर के राहत कैंपों में 25 संदिग्ध मौतें कैसे हुई?

नई दिल्ली। मणिपुर के राहत शिविरों में विस्थापित लोगों की संदिग्ध मौतों और यौन उत्पीड़न की शिकायतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार से जवाब मांगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मणिपुर के मुख्य सचिव को राहत शिविरों में हुई 25 संदिग्ध/अस्वाभाविक मौतों की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। इसमें पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मौत के कारण और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से सख्त सवाल किए। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि मुख्य सचिव को अदालत को आदेश पारित करने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए और यह बताया जाए कि अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। अदालत ने राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की सुरक्षा, सम्मान, चिकित्सा सुविधाओं और रोजमर्रा की जरूरतों को सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

640 मौतें, सिर्फ 20 पोस्टमार्टम

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखी गई जस्टिस गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट में आठ जिलों के राहत शिविरों में कुल 640 मौतों का उल्लेख किया गया। अदालत ने विशेष रूप से इस बात पर सवाल उठाया कि संदिग्ध मौतों से जुड़े मामलों में पोस्टमार्टम की कार्रवाई सीमित रही। रिपोर्ट के अनुसार 20 मामलों में पोस्टमार्टम कराया गया था, जबकि आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी भी अदालत के सामने रखी गई। कई मामलों में परिवारों को 20 हजार से 30 हजार रुपए तक मुआवजा दिए जाने पर भी कोर्ट ने सवाल उठाए।

तत्काल कार्रवाई के निर्देश

अदालत ने मणिपुर लीगल सर्विसेज अथॉरिटी को भी तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सभी अस्वाभाविक मौतों के मामलों में एफआईआर दर्ज कराने, मौत के कारणों का उचित निर्धारण करने और पहले से दर्ज मामलों की जांच तेजी से पूरी करने को कहा गया है।

3,020 मामलों की जांच जारी

सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि आठ जिलों में 42 विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए गए हैं। कुल 3,020 मामलों की जांच चल रही है। इनमें 302 मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, जबकि 1,583 मामलों में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई है। 1,135 मामलों की जांच अभी जारी है और 33 मामलों में ट्रायल शुरू हो चुका है। पीड़ितों की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि गुवाहाटी की विशेष अदालत में मामलों की सुनवाई सप्ताह में केवल दो दिन हो रही है।

केरल के पूर्व डीजीपी थाचनकरी को जुर्माने के साथ 4 साल की सजा

कोट्टायम। केरल के पूर्व डीजीपी टॉमिन जे. थाचनकरी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में अदालत ने चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोट्टायम विजिलेंस कोर्ट के जज केवी राजनिश ने गुरुवार को उन्हें भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत दोषी ठहराते हुए 30.84 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने उन्हें तिरुवनंतपुरम की पूजापुरा सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया है। उन्हें फैसले के खिलाफ केरल हाईकोर्ट में अपील करने का अधिकार है।

जानकारी के मुताबिक, केरल में डीजीपी रैंक के किसी अधिकारी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में सजा सुनाए जाने का यह पहला मामला है। इस प्रकरण की जांच एर्नाकुलम स्थित विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो (व्हीएसीबी) की स्पेशल सेल ने की थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2003 से 2007 के बीच थाचनकरी की ज्ञात आय की तुलना में उनकी संपत्ति 135.80 फीसदी अधिक पाई गई थी। जांच में इस अवधि के दौरान करीब 64.70 लाख रुपए का ऐसा खर्च सामने आया, जिसका उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से मिलान नहीं हो सका। इसी आधार पर उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया था।

संसद के विशेष सत्र की अटकलें तेज, परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक फिर चर्चा में

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के औपचारिक सत्रावसान में देरी के बीच एक बार फिर विशेष सत्र बुलाए जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों को आगे बढ़ाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

परिसीमन का मुद्दा लोकसभा और विधानसभा सीटों के पुनर्निर्धारण से जुड़ा है। प्रस्तावित बदलावों का आधार जनसंख्या और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन होगा। दक्षिण भारतीय राज्यों की ओर से पहले ही यह चिंता जताई जाती रही है कि परिसीमन के बाद संसद में राज्यों के प्रतिनिधित्व का संतुलन प्रभावित हो सकता है। वहीं, केंद्र सरकार का पक्ष रहा है कि सीटों के संभावित पुनर्गठन में सभी क्षेत्रों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। महिला आरक्षण कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। इसके लागू होने की प्रक्रिया जनगणना और परिसीमन से जुड़ी हुई है। इसी वजह से दोनों मुद्दे राजनीतिक और संवैधानिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े माने जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार के सामने इन विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक समर्थन जुटाने की चुनौती भी है। संविधान संशोधन विधेयकों के लिए दोनों सदनों में विशेष बहुमत की जरूरत होती है।

राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए इंदौर प्रशासन ने मांगे अतिरिक्त 4 लाख

इंदौर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में 19 सितंबर को होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर नया विवाद खड़ा हुआ है। कार्यक्रम के लिए सरकारी मैदान की अस्थायी लीज के रूप में कांग्रेस पहले ही 10.08 लाख जमा करा चुकी है, लेकिन अब इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने पार्टी से करीब 4 लाख रुपये और जमा करने की मांग की है।

आईडीए ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे को बताया कि हालांकि जमीन 17 से 19 सितंबर तक आवंटित थी, लेकिन निरीक्षण में सामने आया कि पार्टी 14 सितंबर से ही तय हिस्से का इस्तेमाल कर रही है। इसके एवज में तीन दिन के अतिरिक्त शुल्क के तौर पर 4.03 लाख रुपये मांगे गए हैं। इसके पहले कांग्रेस ने रीजनल पार्क के सामने 12,000 वर्ग मीटर मैदान के लिए 10.08 लाख रुपये जमा किए थे। यह मामला तब तूल पकड़ा जब बीजेपी के राज्य प्रवक्ता राकेश सिंह यादव ने शिकायत की कि तय समय से पहले जमीन का इस्तेमाल परमिट की शर्तों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने साफ किया कि यह सरकारी राजस्व वसूली का मामला है। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता चौकसे ने इस अतिरिक्त मांग को बीजेपी नेताओं के दबाव का नतीजा बताया और प्रशासन पर सत्ताधारी पार्टी के इशारे पर काम करने का गंभीर आरोप लगाया। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी, इस हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने खारिज किया था। इसके बाद तारीख बदलकर रीजनल पार्क के सामने की जमीन ली गई थी। अतिरिक्त राशि की मांग के बाद इस राजनीतिक आयोजन को लेकर सरगर्मी और तेज हो गई है।

कुछ ना कहना

आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ का मानहानि नोटिस

दिशा सालियान के पिता बोले- 7 दिन में माफी मांगें, उनके बयानों से जांच पर सवाल खड़े हुए

मुंबई। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एनसीपी(एसपी) नेता अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। बार एंड बेंच के मुताबिक, नोटिस में दोनों नेताओं से उनके बयानों को वापस लेने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 500 करोड़ का हर्जाना देने की मांग की गई है। दोनों को इसके लिए 7 दिन का समय दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने जांच में उनका नाम आने पर कहा था कि ये राजनीति से प्रेरित है। वहीं, अनिल देशमुख ने कहा था कि आदित्य को बदनाम किया जा रहा है। दिशा के पिता ने कहा कि इन बयानों से निष्पक्ष जांच की मांग को गलत तरीके से पेश किया गया। 28 साल की दिशा एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। उनकी 8 जून 2020 को मुंबई की एक बिल्डिंग से गिरने के कारण मौत हुई थी। दिशा की मौत के 6 दिन बाद 14 जून एक्टर सुशांत सिंह की भी मौत हो गई थी।

विनोद उपाध्याय / 17 सितम्बर, 2026

दिव्यांग सैनिकों के लाभ पर सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिव्यांग सैनिकों को उनके उचित लाभों से वंचित करने के मामले में केंद्र और रक्षा मंत्रालय को कड़ी फटकार लगा दी है। शीर्ष अदालत ने रक्षा मंत्रालय की 2015 की रिपोर्ट का हवाला देकर नाराजगी जाहिर की जिसमें स्वयं स्वीकार किया गया था कि कई दिव्यांग सैनिकों को तकनीकी कारणों से उनके लाभ नहीं मिल पा रहे हैं।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार न्यायपालिका के सभी स्तरों पर, ट्रिब्यूनल से लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक, इन सैनिकों के खिलाफ मुकदमे लड़ रही है। पीठ ने यह भी ध्यान दिलाया कि अधिकांश मामलों में केंद्र सरकार ने बहुत देर से अपीलें दायर की थीं, जिससे न्याय में अनावश्यक देरी हुई।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने नाराजगी जाहिर की कि रक्षा मंत्री की रिपोर्ट में विकलांग सैनिकों के विकलांगता और पेंशन लाभ से जुड़े लंबित मामलों में अपीलें तुरंत वापस लेने की सिफारिश की थी, लेकिन सिफारिश को ठीक से लागू नहीं किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार द्वारा दायर 270 से अधिक अपीलों को खारिज कर इस बात पर जोर दिया कि रक्षा मंत्रालय की समिति द्वारा इसतरह के मुकदमों को वापस लेने की सिफारिश स्वीकार करने के बावजूद अपीलें दायर की जा रही थीं। शीर्ष अदालत ने बताया कि केंद्र सरकार की अधिकांश अपीलें समय-सीमा के उल्लंघन के कारण पहले ही खारिज हो चुकी हैं या खारिज होने की कगार पर हैं। इस कानूनी लड़ाई की दुखद बात यह है कि कई सिविल अपीलें और स्पेशल लीव याचिकाएं इसी आधार पर खारिज हो चुकी हैं।

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर विवाद, सुप्रीम कोर्ट बोला-हिंदी को लेकर सोच बदलनी होगी

तमिलनाडु में हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी, ऐसा नहीं चलेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से। पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले स्कूल हैं। यहां लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है। इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय समिति चलाती है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। रा'य सरकार इन स्कूलों को खोलने का विरोध करती रही है। इसकी मुख्य वजह स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली भाषाएं हैं। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषाएं पढ़ाई जाती हैं। इनमें हिंदी भी शामिल है। वहीं, तमिलनाडु में दो भाषा की नीति है। यहां तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। रा'य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की भाषा व्यवस्था उसकी नीति से अलग है।

नगर पालिका बालाघाट ने किया सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

सेवा का संकल्प और आशीर्वाद के दीपों के साथ मनाया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को नगर पालिका परिषद बालाघाट ने सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ करते हुए दिनभर सेवाभावी कार्यक्रम आयोजित किए। सुबह मोती उद्यान में स्वच्छता श्रमदान से शुरु हुआ आयोजन स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, दीनदयाल रसोई में सहभोज और पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को चेक वितरण के साथ आगे बढ़ा। संध्याकाल में प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी, शंकरघाट, अटल उद्यान एवं नगर के विभिन्न वार्डों में आशीर्वाद के दीप जलाकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों में सांसद श्रीमती भारती पारधी, जिला संगठन प्रभारी श्री अभिलाष मिश्रा, पूर्व मंत्री श्री रामकिशोर कावरे, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त मौसम दीदी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री रमेश रंगलानी, श्री अनिल धुवारे, श्री संजय मिश्रा, श्री राकेश सेवईवार एवं श्री रमाकांत ढाके प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्रमदान से दिया स्वच्छता का संदेश, स्वास्थ्य शिविर में जांच और उपचार

अभियान की शुरुआत प्रातः 7:30 बजे मोती उद्यान एवं मोती तालाब की पार पर स्वच्छता श्रमदान से हुई। जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने सफाई कर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा नगर के सौंदर्य एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का संदेश दिया। नगर पालिका सभागार में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने नागरिकों की शुगर, रक्तचाप सहित स्वास्थ्य संबंधी जांच की। चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। सांसद श्रीमती भारती पारधी एवं नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने दोनों कार्यक्रमों में सहभागिता कर नागरिकों को स्वच्छता अपनाने और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए प्रेरित किया।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ-सांसद भारती पारधी

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर जनसेवा के कार्यों में सहभागिता उनके सेवा संकल्प को आगे बढ़ाने का सार्थक माध्यम है। स्वच्छता, स्वास्थ्य, आवास और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि पात्र नागरिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और समाज का अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्यधारा से जुड़े।

दीनदयाल रसोई में नागरिकों के साथ किया सहभोज

दीनदयाल रसोई में सांसद, नगर पालिका अध्यक्ष, सभापतियों, पार्षदों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने नागरिकों के साथ बैठकर भोजन किया। इस दौरान आत्मीयता और सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए प्रधानमंत्री की दीर्घायु की कामना की गई। नगर पालिका द्वारा संचालित यह रसोई जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं बाहर से आने वाले नागरिकों को सुलभ भोजन उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को चेक वितरण, व्यवसाय विस्तार के लिए किया प्रेरित

दोपहर 4:30 बजे नगर पालिका सभागार में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को ऋण सहायता के चेक वितरित किए गए। समय पर ऋण अदायगी कर योजना के अगले चरण का लाभ प्राप्त करने वाले पथ विक्रेताओं का उत्साहवर्धन किया गया। हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि योजना से मिली सहायता उनके छोटे व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मददगार बनी है। अतिथियों ने उन्हें समयबद्ध ऋण अदायगी, व्यवसाय विस्तार और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री मधुकरराव कुकड़े सहित जनप्रतिनिधि, योजना एवं नियोजन शाखा के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

पीएम आवास कॉलोनी में अपने घर की खुशियों के साथ जले दीप

संध्याकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत विकसित एएचपी आवास कॉलोनी, बुड़ी में लाभार्थी परिवारों के बीच 'आशीर्वाद दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपने घर का सपना साकार होने की खुशी में परिवारों ने दीप जलाकर प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। लाभार्थियों ने कहा कि अपने घर ने उनके परिवार को सुरक्षा, सम्मान और भविष्य के प्रति विश्वास दिया है। सभी ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना करते हुए उनके निरंतर देशसेवा करते रहने की कामना की।

शंकरघाट में रंगोली और दीपों से सजा परिसर

सिद्धपीठ शंकरघाट में डे-एनयूएलएम शाखा से जुड़े महिला स्वसहायता समूहों ने आकर्षक रंगोली सजाई। संध्याकाल में प्रवेश द्वार से मंदिर परिसर तक आशीर्वाद के दीप प्रज्वलित किए गए। महिलाओं ने विशेष पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। समूह की महिलाओं ने बताया कि स्वरोजगार और समूह गतिविधियों से उन्हें आर्थिक संबल मिला है तथा वे परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। अटल उद्यान एवं नगर के विभिन्न वार्डों में भी नागरिकों ने दीप जलाकर प्रधानमंत्री की दीर्घायु की कामना की।

महिलाओं की आत्मनिर्भरता से सशक्त होता है परिवार-मौसम दीदी

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त मौसम दीदी ने अपने संदेश में कहा, महिलाओं की आत्मनिर्भरता से पूरे परिवार को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। स्वसहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं अपनी प्रतिभा और परिश्रम से आर्थिक उन्नति कर रही हैं। आवास और स्वरोजगार जैसी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास प्रदान करती हैं। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा और सहयोग की इसी भावना को आगे बढ़ाना हमारा संकल्प होना चाहिए।

जनभागीदारी से आगे बढ़ाएंगे सेवा का संकल्प -नपाध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को हमने नागरिकों के बीच पहुंचकर सेवा करने के अवसर के रूप में मनाया है। स्वच्छता श्रमदान, स्वास्थ्य शिविर, सहभोज, हितग्राहियों को सहायता और आशीर्वाद दीया कार्यक्रम में नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। अपने घर में दीप जलाते परिवारों और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती महिलाओं की खुशी इन आयोजनों को विशेष बनाती है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में श्री मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान हमें और अधिक तत्परता से जनसेवा करने की प्रेरणा देता है। नगर पालिका का प्रयास है कि पात्र नागरिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिले और जनसहयोग से बालाघाट स्वच्छ एवं सुंदर बने।

जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और कार्यकर्ताओं की रही सहभागिता

विभिन्न कार्यक्रमों में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री पप्पू योगेश भिसेन, सभापति श्री समीर जैसवाल, श्री उज्वल आमडारे, श्री वकील वाधवा, श्रीमती संगीता खगेस कावरे, श्रीमती संगीता छोटू थापा, श्रीमती योगिता विनय बोपचे एवं श्री कमलेश पंचे; पार्षद श्री मनीष नेमा, श्री गिरीश पिपलेवार, श्री गजेंद्र भारद्वाज, श्री सुमित, श्री विशाल मंगलानी, श्री यासीन खान, श्री बिट्टू कौशल, श्री गिरीश कावरे, श्री मानक बर्वे एवं श्री राज हरिनखेड़े उपस्थित रहे। श्री चित्रवर्ण शुक्ला, श्री गुड्डु लिल्हारे, श्री जयदेव कटरे सहित बड़ी संख्या में समाजसेवियों, कार्यकर्ताओं, महिला समूहों एवं नागरिकों ने भी सहभागिता की। नपाध्यक्ष ने आयोजनों में सहयोग देने वाले जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों, महिला समूहों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान विश्वकर्मा पूजन समारोह दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सृष्टि के रचयिता एवं निर्माण-कला के आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा का पूजन समारोह गुरुवार, 17 सितंबर को सर्व विश्वकर्मा समाज, बालाघाट के तत्वावधान में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया।आंवलाझरी स्थित सार्वजनिक श्री भगवान विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित इस धार्मिक समारोह में विश्वकर्मा समाज के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहपरिवार शामिल हुए। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भगवान विश्वकर्मा के जयकारों और धार्मिक वातावरण से गुंजायमान रहा।

विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

कार्यक्रम के दौरान विधि-विधान के साथ भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई। आयोजन की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा के महाअभिषेक से हुई। इसके पश्चात सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक हवन एवं आरती का आयोजन किया गया। हवन में समाज के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान विश्वकर्मा से सुख-समृद्धि, शांति एवं परिवार की मंगलकामना की।

छप्पनभोग अर्पित कर की महाआरती

धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में दोपहर 12 बजे से भगवान श्री विश्वकर्मा को छप्पनभोग अर्पित किया गया। विभिन्न प्रकार के पकवानों एवं व्यंजनों से भगवान को भोग लगाया गया। इसके उपरांत दोपहर 1 बजे विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ भगवान विश्वकर्मा की महाआरती की गई।महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर ग्रहण किया महाप्रसाद

महाआरती के पश्चात मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। समाज के लोगों एवं श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में सहयोग किया गया।

निर्माण एवं शिल्पकला के आराध्य हैं भगवान विश्वकर्मा

आयोजकों ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्प, वास्तुकला एवं तकनीकी कौशल का आराध्य देव माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती एवं पूजन समारोह के अवसर पर समाज के लोग अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समाज की खुशहाली की कामना करते हैं। इसी परंपरा के तहत बालाघाट में भी हर वर्ष भगवान विश्वकर्मा पूजन समारोह का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाता है।इस अवसर पर समाज के लोगों ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के प्रति आस्था रखने वाले समाज के सदस्यों के लिए यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकजुटता का भी अवसर है। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने सहपरिवार उपस्थित होकर धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0039/ब-154/2026-27
मौजा नगपुरा., रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरिलाल पिता सालिकराम, जाति कलार, निवासी ग्राम नगपुरा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा नगपुरा, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता सालिकराम पिता भरतलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 01.08.2000 मृत्यु स्थल ग्राम नगपुरा के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 23.09.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 18.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

पैसे नहीं देने को लेकर विवाद

बहू ने सास के साथ की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम नेवर के दर्जी टोला में पैसे देने को लेकर सास-बहू के बीच विवाद का मामला सामने आया है। इस मामले में 64 वर्षीय महिला ने अपनी बहू पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाई । शिकायत के आधार पर मलाजखंड पुलिस ने भागरती बाई पति गूदड़ मेरावी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहतरीन बाई मेरावी घरेलू कार्य करती हैं। उनका बेटा गूदड़सिंह अपने परिवार के साथ अलग रहता है।जबकि मेहतरीन बाई भी अलग निवास करती हैं। दोनों के मकान पास-पास हैं। शिकायत के मुताबिक 16 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे मेहतरीन बाई अपने घर के सामने आंगन में बैठकर खाना खा रही थीं। इसी दौरान उनकी बहू भागरती बाई वहां पहुंची और इस बात को लेकर विवाद करने लगी कि वह अपने बेटे को पैसे देती हैं लेकिन उसे पैसे नहीं देतीं। आरोप है कि विवाद के दौरान भागरती बाई ने अपनी सास के साथ गाली-गलौज की।मेहतरीन बाई द्वारा गाली देने से मना करने पर विवाद बढ़ गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भागरती बाई ने उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की और धक्का दे दिया।जिससे वह जमीन पर गिर गईं। महिला के अनुसार मारपीट में उनके बाएं पैर के घुटने और दाहिने हाथ में चोटें आईं तथा अन्य स्थानों पर भी चोट लगी।झगड़े की आवाज सुनकर मेहतरीन बाई का बेटा गूदड़सिंह मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव किया। इसके बाद भागरती बाई ने दोबारा पैसे नहीं देने पर जान से खत्म करने की धमकी दी।घटना के बाद मेहतरीन बाई ने मलाजखंड थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए बिरसा के शासकीय अस्पताल भेजे। उसका मेडिकल मुलाहिजा कराये। पुलिस ने मेंहतरीन भाई द्वारा की गई रिपोर्ट पर आरोपी भागरती बाई के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधी धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0041/ड-154/2026-27
मौजा नगपुरा., रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरिलाल पिता सालिकराम, जाति कलार, निवासी ग्राम नगपुरा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा नगपुरा, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता अमृता पति सालिकराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 01.01.2001 मृत्यु स्थल ग्राम नगपुरा के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 23.09.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 18.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मोरवाही पं. क्र. 645

वार्षिक आमसभा की सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मोरवाही पं. क्र.645 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक-26.09.2026 दिन शनिवार को, दिन मे दोपहर 1:00 बजे स्थान कार्यालय भवन में आयोजित की गई है। यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिए गणपूर्ति नही होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटा बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमे गणपूर्ति आवश्यक नही होगी। अतः इस बैठक मे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

कार्तिक बिसेन — संस्था प्रबंधक
हर्षित भलावी — प्रशासक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित रजेगांव पं. क्र. 292

वार्षिक आमसभा की सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित रजेगांव पं. क्र.292 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक-29.09.2026 दिन मंगलवार को, दिन मे दोपहर 1:00 बजे स्थान कार्यालय भवन में आयोजित की गई है। यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिए गणपूर्ति नही होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटा बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमे गणपूर्ति आवश्यक नही होगी। अतः इस बैठक मे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

एम.यू. लिल्हारे — संस्था प्रबंधक
हर्षित भलावी — प्रशासक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बड़गांव पं. क्र. 424

वार्षिक आमसभा की सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बड़गांव पं. क्र.424 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक-29.09.2026 दिन मंगलवार को, दिन मे दोपहर 1:00 बजे स्थान कार्यालय भवन में आयोजित की गई है। यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिए गणपूर्ति नही होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटा बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमे गणपूर्ति आवश्यक नही होगी। अतः इस बैठक मे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

रविन्द्र गेड़ाम — संस्था प्रबंधक
हर्षित भलावी — प्रशासक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित किन्ही पं. क्र. 665

वार्षिक आमसभा की सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित किन्ही पं. क्र.665 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक-24.09.2026 दिन गुरुवार को, दिन मे दोपहर 1:00 बजे स्थान कार्यालय भवन में आयोजित की गई है। यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिए गणपूर्ति नही होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटा बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमे गणपूर्ति आवश्यक नही होगी। अतः इस बैठक मे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

रमेशचंद लांजेवार — संस्था प्रबंधक
हर्षित भलावी — प्रशासक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित वारा पं. क्र. 525

वार्षिक आमसभा की सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित वारा पं. क्र.525 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक-23.09.2026 दिन बुधवार को, दिन मे दोपहर 1:00 बजे स्थान कार्यालय भवन में आयोजित की गई है। यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिए गणपूर्ति नही होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटा बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमे गणपूर्ति आवश्यक नही होगी। अतः इस बैठक मे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

रमेशचंद लांजेवार — संस्था प्रबंधक
हर्षित भलावी — प्रशासक

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित किरनापुर पं. क्र. 08

वार्षिक आमसभा की सूचना

आपको सूचित किया जाता है कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित किरनापुर पं. क्र.08 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक-22.09.2026 दिन मंगलवार को, दिन मे दोपहर 1:00 बजे स्थान कार्यालय भवन में आयोजित की गई है। यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिए गणपूर्ति नही होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटा बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमे गणपूर्ति आवश्यक नही होगी। अतः इस बैठक मे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

रमेशचंद लांजेवार — संस्था प्रबंधक
हर्षित भलावी — प्रशासक

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

दस्तावेज गुम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं चैनलाल पिता श्री बुद्धसाव बावनकर ग्राम सुरवाही, तहसील व जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं।

यह कि मैं गत 15 सितम्बर 2026 को व्यक्तिगत कार्य से मोटर सायकल से अपने साथ घरेलु, भूमि के दस्तावेज लेकर अपने गांव से बालाघाट शहर आया था और काम निपटाकर वापस अपने गांव आ रहा था, कि अचानक मेरी मोटर सायकल से जिसमें मेरे घरेलू भूमि के दस्तावेज रखे थे जो थैला कही गुम हो गया है उक्त दस्तावेजों में(1) मौजा ग्राम सुरवाही की 3 ऋण पुस्तिका जो कि 2 मेरे स्वयं की एवं एक मेरी स्व. पत्नि तरासन बाई के नाम से थी। (2) मेरी स्व. पत्नि तरासन बाई के नाम से खरीदी हुई जमीन की 9 रजिस्ट्रियां जो मौजा सुरवाही की थी एवं(3) मेरी स्व. पत्नि तरासन बाई द्वारा मृत्यु के पूर्व ग्राम सुरवाही की भूमि से संबंधित वसीयतनामा आवेदक यानी मेरे नाम से लेख था।

उक्त सभी दस्तावेज कहीं गुम हो गये हैं जिस किसी व्यक्ति को मिले हो या इसके बारे में कोई जानकारी हो तो वे कृप्या मेरे नीचे लिखे पते पर संपर्क करें। सूचना देने वाले व्यक्ति को सम्मानजनक नगद राशि प्रदान की जायेगी।

वास्ते सूचनार्थ
चैनलाल पिता बुध्दुसाव बावनकर
ग्राम सुरवाही तह. जिला बालाघाट
मों.न. 8462838581, 9303620951

न्यूज गैलरी

जहर खाने वाली महिला ने छठवें दिन तोड़ा दम

मानसिक बीमारी से परेशान थी 70 वर्षीय महिला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक का सेवन करने के पश्चात उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराई गई महिला की छठवें दिन उपचार के दौरान मौत हो गई ।बताया गया कि मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रही एक 70 वर्षीय महिला ने घर में अकेले रहते हुए खेत में डालने वाली जहरीली कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। करीब छह दिन तक चले उपचार के बाद गुरुवार को जिला अस्पताल में महिला ने दम तोड़ दिया ।मामला वारासिवनी थाना क्षेत्र के नारवंजपार गांव का बताया गया है।

खेत गए थे परिवार के सदस्य,अकेली महिला में गटका जहर

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिशुलाबाई पति ब्रजलाल उईके (70) मानसिक बीमारी से परेशान थीं।12 सितंबर को परिवार के सभी सदस्य खेत गए हुए थे ।जबकी महिला घर पर अकेली थीं। इसी दौरान उन्होंने घर में रखी खेत में डालने वाली जहरीली कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया ।कुछ देर बाद इसकी जानकारी परिजनों को हुई तो वे तत्काल शिशुलाबाई को उपचार के लिए वारासिवनी अस्पताल लेकर पहुंचे। प्रारंभिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां भर्ती कर उपचार किया जा रहा था। गुरुवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

महिला की उपचार के दौरान हुई मौत पर ड्यूटी डॉक्टर से मिली तहरीर के बाद जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने महिला का शव बरामद किया। परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने शून्य पर मर्ग कायम कर परिजनों के बयान दर्ज किए हैं ।मामले की अग्रिम जांच के लिए डायरी संबंधित थाना पहुचाई गई है।

छावनी में तब्दील हुआ जिला न्यायालय परिसर

किरनापुर थाने का घेराव कर उपद्रव करने वाले 24 आरोपियों को न्यायालय में किया गया पेश, 24 आरोपियो में, 17 को भेजा जेल, 7 पुलिस रिमांड पर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर में गर्भवती महिला के साथ कथित मारपीट के विरोध में 15 सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान थाना परिसर में तोड़फोड़ और पुलिसकर्मियों पर पथराव के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने प्रारंभिक पड़ताल और प्राप्त वीडियो फुटेज के आधार पर 24 उपद्रवियों को चिन्हित किया है। गुरुवार को सभी 24 आरोपियो को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला सत्र न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने इनमें से 17 आरोपियो को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया, जबकि 7 आरोपितों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

वायरल वीडियो के आधार पर हो रही शिनाख्त, 200 के पार जा सकता है आंकड़ा

पुलिस के अनुसार अभी तक सामने आए वीडियो के आधार पर 24 लोगों की पहचान की गई है। वहीं इंटरनेट मीडिया सहित अन्य प्लेटफार्म पर वायरल हो रहे वीडियो की भी जांच की जा रही है। इनके माध्यम से प्रदर्शन के दौरान थाना परिसर में घुसकर तोड़फोड़, पथराव और अन्य हिंसक गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ आरोपितों की संख्या बढ़ सकती है और 200 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी अलग-अलग चरणों में होने की संभावना है।

गुरुवार को न्यायालय परिसर में किरनापुर उपद्रव मामले के आरोपियो को पेश किए जाने के दौरान काफी हलचल रही। पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पूरा परिसर छावनी में तब्दील कर दिया गया था। जहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने आरोपियो को चारों तरफ से सुरक्षा घेरे में रखा। आरोपियो को बारी-बारी से चार-चार की संख्या में न्यायालय में पेश किया गया इस दौरान सीएसपी मयंक तिवारी, किरनापुर थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी, रूपझर थाना प्रभारी कामेश धूमकेती सहित अन्य पुलिस अधिकारी और जवान मौजूद रहे। पुलिस ने फिलहाल आरोपियो के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं।

गर्भवती महिला से कथित मारपीट के विरोध में भड़का था आक्रोश

ज्ञात हो कि मामले की शुरुआत पिछले महीने क्षेत्र में हुई चोरी के संदेह से हुई थी। पुलिस ने 2 सितंबर को कैलाश चौधरी और उनकी पत्नी सावित्री चौधरी को पूछताछ के लिए घर से हिरासत में लिया था। कैलाश चौधरी ने आरोप लगाया था कि पुरुष पुलिसकर्मियों ने उनकी दो माह की गर्भवती पत्नी सावित्री के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की।

मरार माली समाज ने किया था थाने का घेराव

उधर मामले को लेकर मरार माली समाज ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद एसपी द्वारा चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर एसआईटी गठित की गई थी। लेकिन इस मामले में इंसाफ न मिलने की बात कहते हुए समाज की ओर से निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर 15 सितंबर को किरनापुर में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो गई और थाने में तोड़फोड़ की गई थी।

प्रदर्शन के बाद थाना परिसर में घुसी भीड़

किरनापुर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरार माली समाज के लोग प्रदर्शन में पहुंचे थे। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय बाद स्थिति बिगड़ गई और भीड़ का एक हिस्सा थाना परिसर में प्रवेश कर गया। इसके बाद थाने में तोड़फोड़ और पथराव की स्थिति निर्मित हो गई।

भीड़ को तीतर बितर करने पुलिस ने भांजी थी लाठियां, छोड़ें थे आंसू गैस के गोले

घटनाक्रम के अनुसार कुछ लोग थाना भवन पर भी चढ़ गए और परिसर में रखे गमलों सहित अन्य सामग्री को नुकसान पहुंचाया गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और हल्का बल प्रयोग किया। पथराव में एसडीओपी सहित 17 से अधिक पुलिसकर्मियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

वायरल वीडियो बने पुलिस की जांच का आधार

पुलिस अब पूरे घटनाक्रम के वीडियो फुटेज खंगाल रही है। थाना परिसर और आसपास लगे कैमरों के अलावा इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो भी जांच में शामिल किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जिन लोगों की पहचान हो रही है, उनके खिलाफ मामले की भूमिका के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर में

24 उपद्रवी पुलिस ने प्रारंभिक रूप से चिन्हित किए।

17 आरोपियो को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

पूछताछ के लिए 7 आरोपी पुलिस रिमांड पर

200 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी की जताई जा रही संभावना

17 से ज्यादा पुलिसकर्मी पथराव में घायल।

04 पुलिसकर्मी पहले ही निलंबित किए जा चुके हैं।

मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है।

वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज से अन्य उपद्रवियों की पहचान जारी।

पुलिस ने फिलहाल 24 आरोपियो के नाम सार्वजनिक नहीं किए।

आदिवासी संस्कृति को कटघरे में खड़ा करने पर गोंड समाज महासभा का फूटा आक्रोश

बैहर-बिरसा की घटना को लेकर एसपी के नाम एएसपी को सौंपा ज्ञापन, बाहरी इन्फ्लुएंसरों और यूट्यूबरों पर मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर-बिरसा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत के मामले के बीच बाहरी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों और यूट्यूबरों द्वारा आदिवासी समाज की संस्कृति, रहन-सहन और रीति-रिवाजों को लेकर की गई कथित टिप्पणियों का विरोध अब तेज होता जा रहा है। 17 सितंबर को गोंड समाज महासभा मध्यप्रदेश की जिला स्तरीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्य अंबेडकर चौक स्थित गार्डन में एकत्रित हुए और पूरे मामले पर नाराजगी जताई। समाज ने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों द्वारा आदिवासी समाज की परंपराओं को बच्चों की मौत से जोड़कर पेश किया जा रहा है, जिससे पूरे समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक छवि प्रभावित हो रही है। बैठक और विरोध के बाद गोंड समाज महासभा के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से समाज ने बैहर क्षेत्र में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आगमन के दौरान सामने आई घटना सहित बाहरी इन्फ्लुएंसरों और यूट्यूबरों की कथित गतिविधियों की जांच कराने की मांग की। समाज का कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की आपत्तिजनक या कानून-विरोधी गतिविधि सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। गोंड समाज महासभा के पदाधिकारी सत्येंद्र इनवाती ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति और सभ्यता को बच्चों की मौत का कारण बताना गंभीर विषय है। उनका कहना था कि किसी समाज की परंपराओं और जीवनशैली को बिना जमीनी वास्तविकता समझे बीमारी अथवा मौत जैसे संवेदनशील मामले से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बाहरी लोग बालाघाट आकर आदिवासी समाज के संबंध में ऐसी बातें सामने रख रहे हैं, जिनसे समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि बैहर-बिरसा क्षेत्र में

बच्चों की मौत का मामला बेहद संवेदनशील है और इसकी वास्तविक वजहों की जांच शासन-प्रशासन तथा संबंधित विशेषज्ञों द्वारा की जानी चाहिए। लेकिन इस गंभीर घटना के बीच आदिवासी समाज की रीति-नीति, संस्कृति और रहन-सहन को ही सवालों के घेरे में खड़ा करना समाज स्वीकार नहीं करेगा। उनका कहना था कि बीमारी, कुपोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े विषयों पर तथ्यात्मक चर्चा होनी चाहिए, न कि किसी समुदाय की पूरी संस्कृति को जिम्मेदार ठहराने वाली टिप्पणियां की जानी चाहिए। ज्ञापन में अभिजीत दीपके के बालाघाट आगमन के दौरान घटित घटनाक्रम की भी जांच की मांग की गई। समाज के अनुसार, प्रभावित परिवारों से मिलने आए किसी भी व्यक्ति के साथ यदि अभद्रता, रास्ता रोकने, पीछा करने अथवा अन्य प्रकार का व्यवहार हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। पदाधिकारियों ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में कौन-कौन लोग शामिल थे और उनकी भूमिका क्या थी, यह जांच के बाद स्पष्ट होना चाहिए। गोंड समाज महासभा ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि सोशल मीडिया के माध्यम से आदिवासी समाज की संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की भी जांच की जाए। समाज का कहना है कि सोशल मीडिया पर कही गई बातों का व्यापक असर होता है और यदि किसी समुदाय की पहचान तथा परंपराओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है तो इससे सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए ऐसे मामलों को हल्के में लेने के बजाय तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जानी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम के बाद बाहरी इन्फ्लुएंसरों और यूट्यूबरों को लेकर जिले में अलग-अलग सामाजिक संगठनों की नाराजगी सामने आने लगी है। समाज के पदाधिकारियों का आरोप है कि बाहरी सोशल मीडिया क्रिएटरों के रवैये से न केवल स्थानीय स्तर पर विवाद की स्थिति बनी, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति और पहचान को लेकर भी गलत संदेश गया। इसी को लेकर अब समाज के संगठन खुलकर सामने आ रहे हैं और पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गोंड समाज महासभा के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि समाज किसी भी वास्तविक समस्या की जांच या सवाल पूछे जाने के खिलाफ नहीं है, लेकिन सवाल पूछने और किसी पूरे समाज को कटघरे में खड़ा करने के बीच अंतर होना चाहिए। उनका कहना था कि आदिवासी अंचल की समस्याओं को समझने के लिए वहां के लोगों की परिस्थितियों, स्वास्थ्य सुविधाओं, रोजगार, पोषण और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को भी देखा जाना चाहिए। समाज ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ज्ञापन में उठाए गए सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जांच में यदि किसी व्यक्ति की भूमिका कानून के विपरीत पाई जाती है तो उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए। पदाधिकारियों ने कहा कि समाज अपनी संस्कृति और सम्मान को लेकर सजग है और भविष्य में भी आदिवासी समाज को गलत तरीके से प्रस्तुत किए जाने के मामलों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करता रहेगा। 17 सितंबर को हुए इस प्रदर्शन और ज्ञापन के दौरान गोंड समाज महासभा मध्यप्रदेश की जिला स्तरीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी और समाज के अन्य सदस्य मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपे जाने के बाद अब समाज की नजर पुलिस प्रशासन की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी है।

एक ओर जन्मदिन के दीप, दूसरी ओर मासूम बच्चों की मौत का मातम

बैगा बच्चों की मौत पर कांग्रेस ने हनुमान चौक में जलाए मोमबत्ती के दीप, आप ने काली पुतली चौक पर दी श्रद्धांजलि, भाजपा के जश्न पर उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर-बिरसा क्षेत्र में 35 से अधिक मासूम बैगा आदिवासी बच्चों की असमय मौत का मामला लगातार संवेदनशील होता जा रहा है। एक ओर जहां 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने इन बच्चों की मौत पर शोक जताते हुए शाम 7 बजे हनुमान चौक पर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि एक ही समय में कहीं जन्मदिन की खुशियां मनाई जा रही थीं तो बैगा परिवार अपने मासूम बच्चों को खोने के दर्द से गुजर रहे थे। इसी पीड़ा को सामने रखते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मृत बच्चों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि बालाघाट के बैहर-बिरसा क्षेत्र में मासूम आदिवासी बच्चों की मौत ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भी विभिन्न घटनाओं में लोगों की मौत हुई है, ऐसे समय में सरकार और सत्तारूढ़ दल से संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है। पंजवानी ने कहा कि कांग्रेस इस कठिन समय में प्रभावित आदिवासी परिवारों के साथ खड़ी है और उनके दुख-दर्द में सहभागी है। उन्होंने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को लेकर भी सवाल उठाए। पंजवानी ने कहा कि जब जिले के बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत से परिवार शोक में हैं, तब उसी दिन बड़े स्तर पर उत्सव और दीप प्रज्वलन के कार्यक्रम आयोजित करना संवेदनशीलता के लिहाज से सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मोमबत्ती श्रद्धांजलि कार्यक्रम किसी राजनीतिक उत्सव का जवाब नहीं, बल्कि बच्चों की मौत से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने का प्रयास है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बैगा परिवारों के घरों में इस समय उत्सव नहीं बल्कि मातम है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके दर्द को केवल आंकड़ों में नहीं देखा जा सकता। पार्टी ने कहा कि बच्चों की मौत के कारणों की गंभीरता से जांच, प्रभावित परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी है।

आप ने काली पुतली चौक पर दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस के कार्यक्रम के बाद आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने भी काली पुतली चौक पर बैगा आदिवासी बच्चों की मौत को लेकर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। आप पदाधिकारियों ने मोमबत्ती जलाकर मृत बच्चों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। आप नेता शिव जसवाल ने कहा कि एक तरफ भाजपा प्रधानमंत्री का जन्मदिन दीप जलाकर मना रही है, वहीं दूसरी ओर बैगा आदिवासी परिवार अपने बच्चों की मौत के सदमे में हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सरकार और सत्तारूढ़ दल को संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। जसवाल ने कहा कि बच्चों की मौत का मामला बेहद गंभीर है और इस पर राजनीतिक आयोजन से ज्यादा जरूरी प्रभावित परिवारों की पीड़ा और उनकी समस्याओं पर ध्यान देना है। दोनों कार्यक्रमों में वक्ताओं ने बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत को लेकर शासन-प्रशासन से गंभीरता से काम करने की मांग उठाई। श्रद्धांजलि कार्यक्रमों के माध्यम से राजनीतिक दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि प्रभावित बैगा परिवारों के साथ संवेदना और उनके बच्चों की मौत के कारणों पर जवाबदेही का सवाल अभी भी कायम है।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन जिलाध्यक्ष शिवशंकर तिवारी द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि गुरुवार 17 सितम्बर को दोपहर मोतीगार्डन में पेंशनर्स संघ की बैठक रखी गई।इस बैठक में निर्णय लिया गया कि इसी माह 29 तारीख को जिला अनुपपुर में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन में संगठन के 7-8 पदाधिकारी सम्मिलित होने अनुपपुर जाएगे इसके साथ ही दिनांक 25 सितंबर को केन्द्रीय पेंशनर्स कर्मचारियों के आव्हान पर धरना प्रदर्शन हेतु समर्थन एवं कलेक्टर महोदय बालाघाट को ज्ञापन सौपेगें ।बैठक में ये भी तय हुआ कि जिले में अन्य पेंशनर्स संगठनों से चर्चा कर भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में एक दूसरे का सहयोग किये जाने हेतु चर्चा की जाएगी ।साथ ही संगठन में वार्षिक/आजीवन सदस्यता हेतु प्रयास किया जाएगा ।अंत में उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा संघ हित में निरंतर एकजुट होकर शासन के समक्ष अपनी मांगो से समय-समय पर उचित माध्यमों द्वारा अवगत कराए जाने का संकल्प लिया जाकर बैठक समाप्त की गई ।इस बैठक में योगेन्द्र सिंह तोमर प्रांतीय उपाध्यक्ष, पी.डी. मेश्राम जिला संरक्षक, डी.पी. तिवारी जिला सचिव, डी.के. शिवने जिला कोषाध्यक्ष, के.बी. सोनी, एस.पी. नगपुरे, डी.आर. खोब्रागड़े, एस.पी. खरे, जी.आर. पिछोड़े, डी.पी. भगत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनोज रावल, हरीराम पटले एवं अन्य साथी उपस्थित रहे।

पंचमुखी हनुमान मंदिर मे सुंदरकांड पाठ हुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के पंचमुखी हनुमान मंदिर में गुरुवार 17 सितंबर को धार्मिक एवं भक्तिमय आयोजन के तहत संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। शाम 4 बजे आयोजित इस सुंदरकांड पाठ में श्रद्धालु भक्तो ने संगीत के माध्यम से भगवान श्रीराम और हनुमानजी की आराधना की ।आयोजन में राहुल बिसेन, अंचल पटले एवं करन शरणागत द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई आयोजन के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण किया गया ।आयोजन समिति की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं का सुंदरकांड पाठ में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने पर आभार जताया गया।

आस-पास की खबरें

प्राथमिक सहकारी समिति खमरिया की वार्षिक आमसभा संपन्न, कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम खमरिया स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (बी पैक्स) खमरिया के समक्ष कार्यालय प्रांगण में वार्षिक आमसभा का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आमसभा समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समिति के सदस्य जनप्रतिनिधियों एवं किसानों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। सभा में समिति के संस्था प्रबंधक आनंदराव बोरकर के द्वारा वार्षिक आमसभा के एजेंडों को पढ़कर सुनाया। इस बैठक द्वारा आगामी वर्ष 2027-28 के लिए तैयार वित्तपत्रकों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया और वित्तीय वर्ष 2025-2026 के वित्तीय पत्रक का इसे स्वीकृत किया गया। आगामी सहकारी वर्ष के लिए तैयार किये गये अनुमानित बजट की स्वीकृति, वार्षिक आयोजन के दौरान हुई हानि के कारणों का परीक्षण किया गया। साथ ही संस्था के लेखाओं की संपरीक्षा के लिए अंकेक्षक की नियुक्ति पर निर्णय सहित निर्वाचन कराये जाने संबंधी विषय पर विस्तृत चर्चा उपविधियों के अनुसार लाये गये अन्य आवश्यक विषयों की सहमति से विचार-विमर्श किया गया। वहीं संस्था प्रबंधक आर. एल. बोरकर, प्रशासक अतुल राय ने आमसभा को सफल बनाने के लिए सदस्यों एवं कृषकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रबंधक आनंदराव बोरकर, प्रशासक अतुल राय एवं कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम जीटोला में देवी जागरण आज

बालाघाट। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के ग्राम जमोटोला में श्री शिव शक्ति सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति में गत दिवस प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित कर भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। ... के दिन 18 सितंबर की रात 8 बजे से देवी जागरण किया गया है। श्री शिव शक्ति सार्वजनिक गणेशोत्सव के पदाधिकारी, जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि गत 14 सितंबर को भगवान श्रीगणेश की स्थापना के साथ गणेशोत्सव का पर्व मनाया जा रहा है, जिसमें विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर की रात 8 बजे से देवी जागरण किया गया है, जिसमें देवी जागरण ग्रुप बालाघाट के कलाकारों के द्वारा सुमधुर भजनों से जागरण की प्रस्तुती दी जायेगी। कार्यक्रम समाजसेवी अनुराग बघुलेहा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। इस अवसर पर अधिक संख्या में पहुंचने की अपील जनपद सदस्य एवं समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

धूमधाम के साथ मनाई गई भगवान विश्वकर्मा की जयंती

निकाली गई बाईक रैली, नगर का किया भ्रमण, मजदूरों व ठेकेदारों के हित में लिये निर्णय

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत बम्हनी के बालाघाट रोड स्थित लॉन में 17 सितंबर को राष्ट्रीय कॉन्ट्रेक्टर लेबर यूनियन लालबर्रा के तत्वाधान में भगवान विश्वकर्मा की जयंती अत्यंत धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ यूनियन के पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान विश्वकर्मा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण किया। जिसके बाद डीजे की धुनों के साथ भव्य बाइक रैली निकाली गई। यह रैली बम्हनी से प्रारंभ होकर बकोड़ा, लालबर्रा, अमोली, धनेगांव सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों व नगर के प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। जिसके बाद मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर निर्माण एवं कार्य में उपयोग होने वाले औजारों जैसे मिक्सर मशीन, फावड़ा, करनी सहित अन्य लोहे की सामग्री जिसका उपयोग कर मकान बनाने सहित अन्य काम करते हैं। उनकी पूजा करने से उन्नति एवं तरक्की होती है। इसलिए सभी को काम में उपयोग होने वाली सामग्री की पूजा पाठ इस दिन करना चाहिए। यूनियन के पदाधिकारियों ने कार्यस्थल की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों और ठेकेदारों को अनेक जोखिमों का सामना करना पड़ता है। किसी अप्रिय घटना के घटने पर पीड़ित को आर्थिक सहयोग नहीं मिल पाता था। इसी ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया कि अब यदि कार्यस्थल पर कोई हादसा होता है, तो राष्ट्रीय कॉन्ट्रेक्टर लेबर यूनियन की ओर से पीड़ित को हर संभव आर्थिक मदद की जायेगी। साथ ही मजदूरों या ठेकेदारों के साथ होने वाले किसी भी अन्याय के खिलाफ यूनियन एकजुट होकर लड़ाई लड़ेगी और न्याय दिलायेगी। आगे यह भी कहा कि आज विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पूरे क्षेत्र से बड़ी संख्या में बिल्डिंग वर्क में मकान एवं अन्य काम करने वाले ठेकेदार, मिस्त्री, मजदूर लोग उपस्थित हुए और रैली निकालकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है, सभी का आभार व्यक्त करते हैं। इसी तरह संगठित होकर संगठन के हित में काम करने की बात कही गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय कॉन्ट्रेक्टर लेबर यूनियन लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यूनियन मजदूरों को न्याय और अधिकार दिलाने के लिए संकल्पित - विजय

राष्ट्रीय कॉन्ट्रेक्टर लेबर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय पटले ने बताया कि यूनियन का गठन बम्हनी से हुआ था, लेकिन आज यह संगठन मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, बिहार सहित पूरे देश के राज्यों में फैल रहा है। यह यूनियन मजदूरों, ठेकेदारों, दुकानदारों और अन्य कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए बनाई गई है। किसी भी मजदूर या ठेकेदार के साथ अन्याय होने या उनके रुपये अटकने पर यूनियन अपनी ताकत के माध्यम से उनका हक दिलाने का कार्य करती है। आगे बताया कि भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर निर्माण एवं कार्य में उपयोग होने वाले औजारों जैसे मिक्सर मशीन, फावड़ा, करनी सहित अन्य लोहे की सामग्री की पूजा की गई है और पूजा करने से उन्नति एवं तरक्की होती है। लालबर्रा में धूमधाम से भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई और यहां इसी वादियों से अपील है कि "कुटुंब" पर और अधिक से अधिक संख्या में यूनियन से जुड़ें।

एकजुटता से ही समस्याओं का होगा समाधान - अनीस

कार्यक्रम में उपस्थित अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र में राष्ट्रीय कॉन्ट्रेक्टर लेबर यूनियन का गठन एक सराहनीय कदम है और इस संगठन के द्वारा आज धूमधाम से भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई, सभी को जयंती की ढेरों शुभकामनाएं देता हूं। आगे यह भी बताया कि इस संगठन के माध्यम से क्षेत्र के मजदूरों, मिस्त्रियों और ठेकेदारों को एक मंच मिलेगा, जहां वे अपनी समस्याओं को खुलकर उठा सकेंगे। एकजुटता से कार्य करने पर सभी को निश्चित रूप से अधिक लाभ मिलेगा और उनकी समस्या का भी समाधान होगा।

राष्ट्रीय पोषण माह पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

मोटे अनाजों और पोषण मटका की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, पोषण संबंधी सामुदायिक संकल्प पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित ... में राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर महिला एवं बाल विकास परियोजना लालबर्रा द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा राजस्व विभाग के त्रि-विभागीय समन्वय से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पोषण जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाना रहा। यह कार्यक्रम जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, जनपद सदस्य कुलकरण ठाकरे के प्रमुख आतिथ्य एवं महिला व बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू तिवारी की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें उपस्थित अतिथियों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण किया। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन के मुख्य उद्देश्य 'हमारी सामुदायिक संकल्प' का संदेश देकर समाज को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वास्थ्यवर्धक पोषण आहार, पारंपरिक "पोषण मटका" और मोटे अनाज (श्री अन्न) से बने आकर्षक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसके अतिरिक्त श्री अन्न (मोटे अनाज) से बने पारंपरिक एवं पौष्टिक व्यंजनों की भव्य प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं कार्यक्रम का समापन पोषण संकल्प के साथ किया गया।

स्तनपान और मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर विशेष चर्चा

कार्यशाला को संबोधित करते हुए परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू तिवारी ने क्षेत्र में शिशु स्तनपान की दर में आ रही गिरावट पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से स्तनपान में आ रही कमी के व्यावहारिक कारणों की जानकारी ली तथा इसके समाधान हेतु कड़ी निगरानी और व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम के दौरान पर्यवेक्षकों द्वारा मानव जीवन में पोषण और स्वास्थ्य के अंतर संबंध पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार जीवन के हर पड़ाव और उम्र में सही पोषण अनिवार्य है। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रावधानों, उसके लाभों और आवेदन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की और महिलाओं को स्तनपान एवं मातृ-शिशु के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने प्रेरित किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने दिया सामुदायिक सहयोग का संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि संतुलित आहार ही स्वस्थ समाज की नींव है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर प्रत्येक परिवार को सही पोषण, स्वच्छता और संतुलित आहार के प्रति जागरूक करें, ताकि कुपोषण को जड़ से खत्म किया जा सके। वहीं जनपद सदस्य कुलकरण ठाकरे ने भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षकों से कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिसका बेहतर क्रियान्वयन कर यह सुनिश्चित करें कि हितग्राहियों को लाभ मिले और माताओं को जागरूक करें कि बच्चों की किस तरह से देख-रेख करें ताकि कुपोषण के कारण बच्चों में कमजोरी आ रही है वह दूर हो सके और उन्हें सही पोषण उपलब्ध करायें। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी स्टाफ, समस्त पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, राजस्व व स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन व हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पोषण संकल्प के साथ किया गया।

मांझापुर में सेवा सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा संपन्न

किसानों को इफको प्रबंधक ने तरल खाद और तहसील सुपरवाइजर ने फसल बीमा पर दी जानकारी

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर स्थित प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (बी पैक्स) की वार्षिक आमसभा का आयोजन धूमधाम से किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संस्था के संचालक व समाजसेवी इकलाकुल हक़ को को मनोनीत अध्यक्ष चुना गया। जिसके बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष इकलाकुल हक़ की अध्यक्षता में वार्षिक आमसभा प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा भगवान श्रीगणेश, माँ लक्ष्मी एवं माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर समिति के प्रबंधक प्रल्हाद सोनवाने के द्वारा वार्षिक आमसभा के एजेंडे व समिति की कार्यप्रणाली का वाचन किया गया। जिस पर उपस्थित कृषकों ने सर्वसम्मति से अपनी सहमति जताते हुए प्रस्ताव पारित किये। साथ ही किसानों को सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक राकेश शुक्ला ने किसानों को विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व तरल (नैनो) खाद के उपयोग और उनके लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं तहसील सुपरवाइजर शिलेन्द्र बिजेवार ने किसानों को फसल बीमा योजना, प्रीमियम दरों एवं क्लेम प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए आवश्यक जानकारियां किसानों को प्रदान की और उक्त योजना का लाभ कैसे लेना है उसके बारे में बताया गया। वहीं आमसभा को पूर्व मंडी उपाध्यक्ष नैतलाल ठाकरे, वरिष्ठ कृषक नेता व सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर चौधनलाल पारधी, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष भोजलाल पटले, समाजसेवी मनोज बिसेन, रमाकांत पटेल (कावली), डॉ. धर्मेन्द्र, पूर्व सरपंच व सरपंच प्रतिनिधि (बेहाई) दिलीप टेम्भरे तथा उपसरपंच घनश्याम चौधरी ने भी संबोधित किया और किसानों के हित में समिति के कार्यों की सराहना की। चर्चा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (बी पैक्स) मांझापुर के समिति प्रबंधक प्रल्हाद सोनवाने ने बताया कि वार्षिक आमसभा में समिति के वित्तीय लेखा-जोखा सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही यह भी बताया कि संस्था के अंतर्गत आने वाले लगभग 365 किसानों पर करीब 50 लाख की राशि बकाया है। आमसभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समिति के सुचारू संचालन हेतु बकायादार किसानों से राशि वसूली की सख्त कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर समिति कार्यक्षेत्र के ग्राम मांझापुर, गर्रा, कावली, बेहाई एवं धुर्वा के बड़ी संख्या में कृषक एवं ग्रामीणजन सहित समिति के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रटेगांव में राजा शंकरशाह, रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आज

पद्मेश न्यूज़। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के रानी दुर्गावती चौक में राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह बलिदान दिवस के अवसर पर 18 सितंबर को राजाशाह एवं रघुनाथ शाह बड़ादेव बलिदान दिवस समारोह एवं एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 18 सितंबर को रटेगांव के रानी दुर्गावती चौक में राजा शंकरशाह एवं रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया जायेगा। इस अवसर पर एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 10,001 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 6500 रुपये, तृतीय पुरस्कार 3500 रुपये, प्रवेश शुल्क 401 रुपये निर्धारित किया गया है। इस खेल आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल भावना से जोड़ना और अमर शहीदों के बलिदान को याद करना है। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सरपंच (ग्राम पंचायत रटेगांव) बालकृष्ण बिसेन, विशेष अतिथि के रूप में वर्तमान सरपंच श्रीमती चंदा बिसेन के अलावा उपसरपंच कुलदीप मर्सकोले, देवसिंह मर्सकोले, जैतसिंह उइके, झनक सलामे, श्रीचंद परतेती, नरेन्द्र मर्सकोले, मोहनसिंह वाड़िवा, शिवाजी पाते, चन्दन सलामे, धनराज वाल्के, और अनंतलाल वाल्के की उपस्थिति रहेगी। इस बलिदान दिवस एवं एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिलेभर के कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील लेखराम मर्सकोले, कुंदन मर्सकोले, रामसिंह मर्सकोले, शिवप्रसाद मर्सकोले, रामसिंह उइके, मनीराम भलावी, बाबूलाल पाते, राजकुमार धन्दे, रविन्द्र धुर्वे, अनुपचंद उइके, तेजराम धुर्वे, मुकेश मड़ावी, रतिराम कोरचे, सुरेश मर्सकोले, मुन्ना मड़ावी, रमेश महो, श्यामलाल धुमाम, हरसिंह पाते, उर्मिला पाते, उमेद पाते, बलराम तेकाम, मोहनलाल तेकाम, फागुलाल तेकाम, देवजी पाते, अमर पाते, कमचंद उइके, रवि मर्सकोले, रामचंद इनवाती, श्रीचंद इनवाती, सुरेन्द्र भलावी, उमेद भलावी, सुखराम भलावी, दशरथ मर्सकोले, ज्ञानसिंह धुर्वे, शिवप्रसाद सलामे, मुरेश उइके, सुखचरण उइके, रंजित मर्सकोले, तिलकचंद मर्सकोले, तिलकाजी मर्सकोले, हरसिंह मर्सकोले सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

प्रो. प्रसन्न अवधिया
Mobile- 9425-19665
अवधिया ज्वेलर्स
उत्तम क्वालिटी के 22 कैरेट, 20 कैरेट सोने के जेवर के लिए प्रसिद्ध
पता- बस स्टेंड बर्तन मार्केट लालबर्रा

UMESH

आस-पास की खबरें

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग पहुंचा बैगा बच्चों की मौतों का मामला-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख के द्वारा विकासखंड बिरसा में आदिवासी बैगा बच्चों की रहस्यमयी मौतों की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली में 5 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई गई है। साथ ही घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए विक्रम देशमुख के द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली में भी सितंबर माह में आदिवासी बच्चों की मौतों को लेकर याचिका दर्ज कराई गई है। जिस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने घटना का संज्ञान लेकर डायरी क्रमांक 20725 दर्ज किया है। विक्रम देशमुख द्वारा अधिसूचित क्षेत्र के विकासखंड बिरसा में जून के अंतिम सप्ताह से लेकर सितंबर माह तक हुई

आदिवासी बैगा बच्चों की मौतों की उच्चस्तरीय जांच, उचित मुआवजा, मौतों की जिम्मेदारी का निर्धारण करने, कुपोषण की जांच, खसरे के टीकाकरण की जांच, मलेरिया रोकथाम को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। विक्रम देशमुख के द्वारा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो को प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने का निवेदन किया गया है।

व्हाट्सएप ग्रुप में भेजी पीडीएफ खोलते ही खाली हुए बैंक खाते

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर साइबर ठगी,तीन.चार लोगों से हजारों रुपये की राशि पार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी ।

खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम किन्ही एवं खैरलांजी में सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर ठगी का मामला सामने आया है। 15 सितंबर को ग्रामीणों के व्हाट्सएप ग्रुप में अज्ञात मोबाइल नंबर से प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित बताई जा रही एक पीडीएफ भेजी गई। ग्रामीण आवास योजना से संबंधित जानकारी समझकर जैसे ही कुछ लोगों ने पीडीएफ को खोलने का प्रयास किया। उनके मोबाइल में संदिग्ध प्रक्रिया शुरू हो गई और ओटीपी आने के बाद बैंक खातों से हजारों रुपये की राशि निकल गई। इस घटना में तीन से चार मोबाइल धारकों को आर्थिक नुकसान होने की जानकारी सामने आई है।

पीडीएफखोलते ही हुई संदिग्ध गतिविधि

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम किन्ही के ग्रामीण व्हाट्सएप ग्रुप में अज्ञात नंबर से प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम से एक पीडीएफ कंटेंट भेजा गया था। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित सूची या जानकारी होने की संभावना के चलते ग्रुप में जुड़े कुछ युवकों ने उक्त पीडीएफ को देखने के लिए टच किया। बताया जा रहा है कि इसके बाद एक फ र्म अथवा लिंक खुला और मोबाइल में संदिग्ध गतिविधि होने लगी। कुछ ही समय बाद संबंधित मोबाइल नंबर पर ओटीपी आया और ओटीपी की प्रक्रिया के बाद उनके बैंक खातों से राशि कट गई। पीड़ितों को घटना का पता उन्हें बैंक खाते से राशि कटने के बाद चला। इसके बाद उन्होंने मामले की जानकारी खैरलांजी पुलिस को दी तथा ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत के लिए शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी संपर्क करने का प्रयास किया। हालांकि पीड़ितों का कहना है कि समय अधिक बीत जाने के कारण उनकी शिकायत दर्ज नहीं हो सकी।

किसी से 4700 तो किसी के खाते से 25 हजार रुपये निकले

साइबर ठगी की इस घटना में विक्की बिसेन के खाते से करीब 4700 रुपए, आदर्श माहुले के खाते से करीब 22 हजार रुपए तथा पंकज लिल्हारे के खाते से करीब 25 हजार रुपए की राशि निकलने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा अन्य लोगों के साथ भी हजारों रुपए की ऑनलाइन ठगी होने की बात कही जा रही है। पीड़ितों ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा ठगी गई राशि वापस दिलाने की मांग की है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यम लोगों की दैनिक जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। व्हाट्सएप सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रोजाना विभिन्न प्रकार की सूचना , दस्तावेज और लिंक साझा किए जाते हैं। साइबर अपराधी इसी का फ ायदा उठाकर सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं, पुरस्कार, नौकरी अथवा अन्य आकर्षक जानकारियों के नाम पर संदिग्ध लिंक और फाइलें भेजकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। जिसमें मेहनत मजदूरी अथवा नौकरी से जमा की गई राशि अचानक खाते से निकल जाने के बाद परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर तकनीक के माध्यम से संदिग्ध मोबाइल नंबर और बैंक खातों की जांच करने तथा आरोपियों तक पहुंचने की मांग की है। साथ ही ग्रामीणों ने लोगों से अपील की है कि व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया ग्रुप में आने वाली किसी भी अज्ञात पीडीएफ लिंक अथवा फॉर्म को बिना सत्यापन के ना खोलें और किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी, एटीएम डेबिट कार्ड विवरण या अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा ना करें। साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल संबंधित बैंक को सूचित करने के साथ साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करना महत्वपूर्ण है।

व्हाट्सएप पर ग्रुप में पीडीएफ खोलते ही खाता हुआ नील-विक्की बिसेन

विक्की बिसेन ने दूरभाष पर बताया कि 15 सितंबर को मेरा मोबाइल नंबर हैक हो गया था वह ऐसा हुआ कि व्हाट्सएप पर ग्राम के ग्रुप में एक पीडीएफ आई हुई थी। जिसे खोलने के लिए टच किया गया तो मुझे ओटीपी आया और पैसा कट गया मेरा करीब 4700 कट गया यह जो पीडीएफ थी उसमें प्रधानमंत्री आवास लिखा हुआ था हमको लगा गांव के आवास स्वीकृत की सूची है तो उसे खोल के देखा गया था। पर वह तो एक फॉर्म खुला था फिर हम वापस बैक हो गए इस समय ओटीपी आया और पैसा कट गया। यह घटना करीब चार दिन से अधिक लोगों के साथ हुई है जिसमें आदर्श माहुले के 22 हजार रूपये, पंकज लिल्हारे के 25 हजार रूपये और अन्य व्यक्तियों की राशि शामिल है। हमने इसकी शिकायत करें पर समय अधिक होने से नहीं ली गई इसमें हमने फोन किया था 1930 पर शिकायत नहीं हुई हम चाहते हैं कार्यवाही होना चाहिए।

भेंडारा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मनाया माटी के गणेश सिद्ध गणेश अभियान २०२६ कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेंडारा में माटी के गणेश सिद्ध गणेश २०२६ अभियान के अंतर्गत अनेक विद्यार्थियों के द्वारा मिट्टी के गणेश की अनेक प्रतिमाओं का निर्माण किया गया। इस अभियान का उद्देश्य

बच्चों में सृजन कौशल,कलात्मकता एवं रचनात्मकता के गुणों का विकास करना है। इस कलात्मक रचना से बच्चों ने यह सिद्ध कर दिया कि उनमें कौशल एवं रचनात्मकता भरी हुई है जो आज इस मूर्ति कला से प्रदर्शित हुआ। इस दौरान संपूर्ण शाला परिवार उनकी कला को देखकर के आश्चर्य चकित रह गए। हम सभी शिक्षक साथियों का उद्देश्य बच्चों में नए नए सृजन कौशल और कलात्मक रचना का विकास करना है। मिट्टी के गणेश पूर्णत: इको फ्रेंडली होते हैं। जो पर्यावरण के लिए पूर्णत: सुरक्षित एवं अनुकूल है। इससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति सुरक्षा करने की भावना का भी विकास हुआ है। संस्था के सांस्कृतिक प्रभारी अमित भँवरे,विजय कुमार गुप्ता, श्रीमती रश्मि तुरकर,सहयोगी शिक्षकों श्रीमती विभूति सहारे,भोलाराम मस्करे ,गणेश डहारे, शंकर लाल उपवंशी,लोकराम जैतवार,अनिल कावड़े, आशीष, दिलीप, नंदकिशोर आड़े, विनोद,जितेंद्र बसोड़,रूप दयाल गोखले एवं अन्य सभी शिक्षकों की सहायता से बच्चों को मार्गदर्शन दिया गया। इससे वह इस कार्य को करने में सफ़ल रहे। संस्था के प्राचार्य रविकांत नगपूरे के द्वारा इन सभी बच्चों को पारितोषिक प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। उनके उज्जवल भविष्य की कामना सभी शिक्षकों के द्वारा की गई।

श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार विकास मंच ने मनाया विश्वकर्मा पूजन दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा स्थित आदिवासी भवन के सामने प्रस्तावित भगवान श्री विश्वकर्मा सभा स्थल पर श्री विश्वकर्मा पूजन दिवस का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार विकास मंच के तत्वावधान में किया गया। यह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला मार्गदर्शक जुगराम विश्वकर्मा, प्रमुख अतिथि चेतन सोनवाने ,विशिष्ट अतिथि देवकरण बागडे, श्यामकिशोर मेश्राम, प्रवीण सोनवाने, सुखलाल बावने, भेजन सोनवाने, आकाश सोनवाने, सुरेंद्र विश्वकर्मा एवं कैलाश सोनवाने सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री विश्वकर्मा की विधिवत पूजा अर्चना एवं आरती के साथ किया गया। इसके पश्चात समाज के वरिष्ठजनों एवं सामाजिक बंधुओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने, शिक्षा के महत्व, सामाजिक एकजुटता तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला मार्गदर्शक जुगराम विश्वकर्मा ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस केवल पूजा अर्चना तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में जागरूकता लाने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार शिक्षा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अपने ब च्चों को बेहतर शिक्षा के साथ उ च्च शिक्षा दिलाने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर संरक्षक महेश बावने, कमल मेश्राम, जियालाल बिलौने, अध्यक्ष चेतन सोनवाने, भजनलाल सोनवाने, सुखलाल बावने, नंदकिशोर मेश्राम, दिलीप बागडे, राजू मेश्राम, योगेश विश्वकर्मा, श्यामराव मेश्राम, तेजराम बिलौने सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वारासिवनी रेलवे स्टेशन के क्वार्टर में चोरी की वारदात

रेल्वे कर्मचारी के घर से सामान और चांदी की चैन ले गए अज्ञात चोर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित शासकीय रेलवे क्वार्टर में अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना १६ सितंबर की दोपहर की बताई जा रही है। चोरी की जानकारी उस समय हुई जब क्वार्टर में निवासरत रेलवे कर्मचारी शाम को ड्यूटी से वापस अपने घर पहुंचा। इसके बाद कर्मचारी ने तत्काल घटना की सूचना स्टेशन मास्टर, आरपीएफ तथा डायल ११२ को दी और वारासिवनी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

सीमेंट खिड़की तोड़कर चोरो ने की वारदात

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे के टीएम ४ इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत दुर्गेश वाड़वे वर्तमान में गेटकीपर के रूप में सावंगी के बीके ३६ एवं नवोदय के बीके ३० में ड्यूटी कर रहे हैं। प्रतिदिन की तरह १६ सितंबर को भी वह सुबह करीब ७ बजे अपने शासकीय क्वार्टर क्रमांक टी /८/१ से ड्यूटी के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरो ने रेलवे क्वार्टर को निशाना बनाया। बताया गया कि चोरो ने क्वार्टर के बाहर रखी ईंट की मदद से सीमेंट से बनी जाली को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद घर के अंदर रखे सामान की तलाश की गई। चोरो के द्वारा घर से होम थिएटर, प्रेस, पर्स सहित चांदी की दो चैन चोरी किए जाने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद अज्ञात चोर मौके से फरार हो गया। शाम करीब ६.३० बजे जब दुर्गेश वाड़वे ड्यूटी से वापस अपने क्वार्टर पहुंचे तो उन्हें बाजू की खिड़की टूटी हुई दिखाई दी। इससे उन्हें घर में चोरी होने का संदेह हुआ। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्टेशन मास्टर एवं आरपीएफको दी। सूचना के बाद डायल ११२ को भी जानकारी दी गई जिसके पश्चात पुलिस मौके पर पहुंची और क्वार्टर का ताला खुलवाकर अंदर जांच की गई। जांच के दौरान घर में सामान अस्त व्यस्त मिला और चोरी की घटना सामने आई। इसके बाद पीड़ित कर्मचारी ने वारासिवनी थाने पहुंचकर अज्ञात चोरो के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने चोरी गए सामान की बरामदगी तथा अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

गेटकीपर का काम करता हूं ड्यूटी पर चला गया था तब चोरी हुई-दुर्गेश वाडवे

रेल्वे कर्मचारी दुर्गेश वाड़वे ने बताया की सांवगी एवं नवोदय में गेटकीपर का काम करता हूं । सुबह ७ बजे मैं अपनी ड्यूटी पर चला गया था हमारे रूम पार्टनर भी चले गए थे। २.३० बजे उन्होंने मुझे जानकारी दी कि कोई व्यक्ति शराब पीकर सामने सोया हुआ है और वह चले गए । फिर शाम को जब ६.३० बजे मैं घर आया तो देखा कि खिड़की टूटी हुई है जो यहां एक पड़े ईट से तोड़ी गई होगी और यहीं से वह अंदर प्रवेश कर मेरा होम थिएटर आयरन प्रेस चांदी की दो चेन और पर्स चोरी कर लेजा लिया। जिसमें ८०० थे इसमें १०००० रुपए का सामान और चांदी की चैन की कीमत मुझे पता नहीं है। वह चोरी हो गया है इस संबंध में तत्काल स्टेशन मास्टर आरपीएफ को सूचना दिया आरपीएफ से कोई जवाब नही मिलने पर डायल ११२ बुलाया और फिर उनके साथ घर का ताला खोल इस मामले में शिकायत भी थाने में की है । परंतु मुझे कोई रिसीविंग नहीं दी गई और ना ही एफआईआर लिखी गई है, आज पुलिस वाले आने वाले थे तो वह भी नहीं आए हैं हम चाहते हैं कि एफआईआर हो और हमें आश्वासन मिले की रेलवे परिसर सुरक्षित है। पूर्व में भी ऐसी घटना हो गई है हमारे घर के सामने और पीछे का लाइट बंद रहता है । यहां गंदगी और झाडियां बहुत है इसकी शिकायत कई बार की गई है पर आज तक कोई निराकरण नहीं हुआ है।

श्री विश्वकर्मा मंदिर में मनाई गई भगवान विश्वकर्मा की जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । नगर के वार्ड नंबर ५ बगीचे के पीछे स्थित मनोकामना पूर्ति भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में मंदिर समिति के तत्वाधान में १७ सितंबर को सृष्टि के रचयिता भगवान श्री विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई। जिसमें भगवान विश्वकर्मा का विधि विधान से पूजन अर्चन कर अभिषेक किया गया। तत्पश्चात हवन पूजन कर महाआरती की गई जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद ग्रहण किया। वहीं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने प्रसादी ग्रहण कर सृष्टि के रचयिता श्री विश्वकर्मा का आशीर्वाद ग्रहण किया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल मंदिर में पहुंचे जहां उनके द्वारा सामाजिक लोगों से मुलाकात कर भगवान विश्वकर्मा का पूजन अर्चन कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया वहीं क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना की गई। समिति सदस्यों ने बताया कि पूर्वजों के समय से विश्वकर्मा जयंती कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जा रहा है और इस वर्ष भी किया गया है। जिसमें मंदिर में भगवान श्री विश्वकर्मा का अभिषेक कर विधि विधान से पूजन अर्चन कर हवन कर प्रसादी का वितरण किया गया। भगवान विश्वकर्मा ने जिस प्रकार सृष्टि की रचना की थी उस प्रकार सभी परिवार अपने भविष्य के रचनाकार बेहतर जीवन की कल्पना को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रयासरत रहे। इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारी सदस्य सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

न्याय की भाषा अब जनभाषा बनेगी

हिंदी दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से शुरू की गई 'जन सूचना सेवा' को न्याय व्यवस्था को आम नागरिक के और करीब लाने वाला ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य निर्णय माना जाना चाहिए। न्यायपालिका के महत्वपूर्ण फैसले अक्सर कानूनी शब्दावली और जटिल भाषा में होते हैं। ऐसे में सामान्य व्यक्ति के लिए यह समझना कठिन हो जाता है कि अदालत ने वास्तव में क्या फैसला दिया, उसका उसके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा और आगे उसे क्या करना होगा। सुप्रीम कोर्ट की नई पहल इस दूरी को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 'जन सूचना सेवा' के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट के चुने हुए महत्वपूर्ण आदेशों और फैसलों का सरल एवं सहज हिंदी में सार उपलब्ध कराया जाएगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि न्यायालय की भाषा और आम आदमी की समझ के बीच जो अंतर है, उसे कम किया जा सकेगा। कई बार अदालत का फैसला किसी व्यक्ति के अधिकार, संपत्ति, रोजगार, शिक्षा, परिवार या किसी अन्य महत्वपूर्ण विषय से जुड़ा होता है, लेकिन कानूनी भाषा की जटिलता के कारण संबोंधित व्यक्ति स्वयं यह नहीं समझ पाता कि निर्णय का वास्तविक अर्थ क्या है। नई व्यवस्था में केवल लिखित जानकारी तक सीमित रहने के बजाय हिंदी में ऑडियो और वीडियो बुलेटिन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। करीब 15 से 30 मिनट के इन बुलेटिन के माध्यम से महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी सामान्य बोलचाल की भाषा में समझाई जाएगी। यह पहल उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकती है, जो अधिक पढ़े-लिखे नहीं हैं या जिन्हें कानूनी भाषा समझने में कठिनाई होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में न्याय की जानकारी केवल पढ़े-लिखे वर्ग तक सीमित न रहकर प्रत्येक नागरिक तक पहुंचना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है। अदालत का फैसला केवल कागज पर लिखा हुआ आदेश नहीं होता। उसके पीछे किसी व्यक्ति के अधिकार, वर्षों की कानूनी लड़ाई और परिवार की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। इसलिए फैसला आने के बाद उसका अर्थ समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अब सरल हिंदी में फैसले का सार मिलने से सामान्य नागरिक यह जान सकेगा कि अदालत ने क्या कहा है और उस निर्णय का व्यावहारिक अर्थ क्या है। इससे लोगों में कानूनी जागरूकता बढ़ेगी और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा। देश में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो कानूनी मामलों में भाषा की कठिनाई के कारण पूरी तरह दूसरों पर निर्भर रहते हैं। अदालतों की प्रक्रिया और कानूनी शब्दावली समझना सामान्य व्यक्ति के लिए आसान नहीं होता। कई बार लोग अपने मामले की सामान्य जानकारी के लिए भी वकीलों और अन्य कानूनी विशेषज्ञों पर निर्भर होते हैं। मुकदमों में पहले से ही आर्थिक और मानसिक दबाव झेल रहे लोगों को छोटी-छोटी बातों की जानकारी के लिए भी भारी खर्च करना पड़ सकता है। यह कहना उचित होगा कि 'जन सूचना सेवा' लोगों की इस निर्भरता को कम करने की दिशा में एक उपयोगी प्रयास है। हालांकि कानूनी सलाह की आवश्यकता अपने स्थान पर बनी रहेगी, लेकिन फैसले का सामान्य अर्थ समझने के लिए नागरिक को हर बार किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इस पहल का महत्व निरक्षर और कम पढ़े-लिखे लोगों के संदर्भ में और बढ़ जाता है। लिखित फैसला पढ़ना उनके लिए कठिन हो सकता है, लेकिन यदि उसी निर्णय की जानकारी सरल हिंदी में सुनने और देखने के माध्यम से मिले तो वे भी न्यायालय के निर्णय को समझने की स्थिति में आ सकते हैं। ऑडियो और वीडियो माध्यम इस दृष्टि से बहुत प्रभावी साबित हो सकते हैं।

यूपीआई (मोबाइल से भुगतान) पर फीस का फूटा बम?

यूपीआई पर 2,000 रूपए की सीमा के बाद क्यों मचा राजनीतिक घमासान? - सरकार का तर्क,विपक्ष का आरोप और आम जनता की जेब पर संभावित असर?

वैश्विक स्तरपर आज भारत में यूपीआई (मोबाइल से भुगतान) केवल भुगतान का माध्यम नहीं,बल्कि आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।चाय की दुकान से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक,सब्जी वाले से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक मोबाइल से कुछ सेकंड में भुगतान करना सामान्य बात हो गई है। ऐसे समय में केंद्र सरकार की 14 सितंबर 2026 की केंद्रीय वित्त मंत्रालय की नई अधिसूचना ने यूपीआई के भविष्य को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 2,000 रूपए तक के यूपीआई भुगतान और रूपे डेबिट कार्ड भुगतान पर बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रदातासीधे या अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क नहीं लगा सकते। लेकिन 2,000 रूपए से अधिक के कुछ व्यापारी भुगतान के लिए भविष्य में मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर लगाए जाने की कानूनी संभावना अब खुल गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि पहले समझिए, असल में सरकार ने किया क्या है?इसे बहुत आसान उदाहरण से समझिए। मान लीजिए आपने किसी दुकानदार को 2000 रूपए यूपीआई से दिए। इसपर अभी कोई शुल्क नहीं लगाया जा सकता। लेकिन यदि आपने किसी व्यापारी को 5,000 रूपए का भुगतान किया तो नई अधिसूचना यह नहीं कहती कि आज से आपसे 25 रूपए शुल्क लिया जाएगा। ऐसा कोई 0.5 प्रतिशत शुल्क अभी तय नहीं किया गया है।असल बदलाव यह है कि पहले यूपीआई पर शुल्क लगाने की मनाही का दायरा व्यापक था, जबकि नई व्यवस्था में 2,000 रूपए तक के भुगतान को स्पष्ट रूप से शुल्क-मुक्त सुरक्षा दी गई है।इससे 2,000 से ऊपर के मर्चेंट ट्रांसक्शयंस पर भविष्य में एमडीआर निर्धारित करने का रास्ता खुला है। अभी दर क्या होगी, कब से होगी और किन कारोबारों पर होगी,यह अलग प्रक्रिया में सटीकता से तय होना है। साथियों बात अगर हम एमडीआर आखिर होता क्या है? इसको समझने की करें तो मर्चेंट डिस्काउंट रेट को आसान भाषा में दुकानदार से लिया जाने वाला डिजिटल भुगतान का सेवा-शुल्क समझिए।उदाहरण के लिए,मान लीजिए किसी भविष्य की व्यवस्था में किसी व्यापारी के 10,000 रूपए के डिजिटल भुगतान पर 0.5 प्रतिशत एमडीआर तय होता है। तब शुल्क 50 रूपए होगा।इसका मतलब यह नहीं कि ग्राहक के यूपीआई ऐप से सरकार सीधे 50 रूपए काट लेगी। शुल्क भुगतान व्यवस्था में शामिल संबोंधित पक्षों के बीच लागू होगा।यहीं से विवाद पैदा होता है।सरकार कहती है कि ग्राहक से सीधे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा,लेकिन विपक्ष का सवाल है कि यदि दुकानदार को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए खर्च करना पड़ेगा तो वह खर्च अंततः कैसे निकलेगा? दुकानदार चाहे तो अपने कारोबार की लागत में इसे शामिल कर सकता है और वस्तु या सेवा की कीमत बढ़ा सकता है।अर्थात ग्राहक को अलग से यूपीआई शुल्क दिखाई न दे, लेकिन यदि व्यापारी ने लागत कीमत में जोड़ दी तो अप्रत्यक्ष रूप से उसका बोझ ग्राहक तक पहुंच सकता है।यह विपक्ष की मुख्य चिंता है,हालांकि यह अभी संभावित प्रभाव है,कोई सटीकता से लागू उपभोक्ता शुल्क नहीं। साथियों बात अगर हम फिर राजनीतिक घमासान क्यों शुरू हुआ? इसको समझने की करें तो,यही सबसे बड़ा सवाल है? मुख्य पक्षी पार्टी के युवा नेता ने आरोप लगाया है कि सरकार ने चुपचाप यूपीआई पर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया है। उनका तर्क है कि 2,000 से अधिक के व्यापारी यूपीआई भुगतान संख्या में कम हो सकते हैं, लेकिन कुल लेन-देन मूल्य में उनका हिस्सा बहुत बड़ा है। इसलिए यदि भविष्य में इन पर एमडीआर लगाया गया तो उसका आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण हो सकता है।उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि दुकानदार पर लगने वाला खर्च आखिरकार ग्राहक तक पहुंच सकता है।उन्होंने इससे आगे बढ़कर अमेरिकी भुगतान कंपनियों के दबाव का आरोप भी लगाया है।उनका दावा है कि अमेरिका की कुछ भुगतान कंपनियां भारत की जीरो -एमडीआर व्यवस्था का लंबे समय से विरोध करती रही हैं और सरकार अब उसी दिशा में आगे बढ़ रही है।उन्होंने इसे अमेरिकी दबाव के सामने सरकार के झुकने से जोड़कर राजनीतिक हमला किया है।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य समझना जरूरी है, अमेरिकी दबाव वाला आरोप विपक्ष का राजनीतिक आरोप है; इसे सरकार द्वारा स्वीकार किया गया तथ्य नहीं माना जा सकता। साथियों बात अगर हम सरकार का जवाब क्या है? इसको समझने की करें तो सरकार और सत्ताधारी पार्टी की ओर से कहा गया है कि मुख्य विपक्षी पार्टी ने इस मुद्दे को गलत तरीके से पेश किया है।सत्ताधारी पार्टी मीडिया प्रभारी ने विशेष रूप से उस दावे को खारिज किया है कि 2,000 से ऊपर के यूपीआई भुगतान पर तत्काल 0.5 प्रतिशत टैक्स या शुल्क लगा दिया गया है।उनके अनुसार, 5,000 पर 25 और 10,000 पर 50 वसूलने की गणना किसी सरकारी शुल्क-सूची से नहीं,बल्कि काल्पनिक 0.5 प्रतिशत दर मानकर की गई है। अभी ऐसी दर अधिसूचित नहीं हुई है।इसके अलावा पर्सन-टू -पर्सन यानी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को यूपीआई भुगतान को व्यापारी भुगतान से अलग समझना होगा। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार,नया बदलाव मुख्यतः मर्चेंट ट्रांसक्शयंस के संभावित एमडीआर ढांचे से जुड़ा है। कानून में बदलाव को भी सरल भाषा में समझिए इस पूरे मामले की जड़ पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में है। सरल भाषा में कहें तो यह वह कानून है जो देश की भुगतान प्रणालियों को कानूनी और नियामकीय ढांचा देता है।हाल में इसमें बदलाव किया गया ताकि सरकार को यह स्पष्ट करने का अधिकार मिल सके कि किन इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यमों पर शुल्क नहीं लगाया जा सकता और किन परिस्थितियों में शुल्क व्यवस्था बनाई जा सकती है। इसके बाद 14 सितंबर की अधिसूचना में 2,000 तक के यूपीआई और रूपए डेबिट कार्ड भुगतान को स्पष्ट रूप से शुल्क-मुक्त श्रेणी में रखा गया।अर्थात इसे ऐसे समझिए,कानून ने दर तय नहीं की है, बल्कि शुल्क व्यवस्था के लिए कानूनी दरवाजा खोला है; वास्तविक एमडीआर लागू करने के लिए आगे अलग निर्णय और नियम जरूरी होंगे। साथियों बात अगर हम सरकार ऐसा रास्ता क्यों चाहती है? इसको समझने की करें तो सरकार का सबसे बड़ा तर्क है कि यूपीआई अब बहुत विशाल व्यवस्था बन चुका है। इसकी सुरक्षा,सर्वर,तकनीकी क्षमता,साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने की व्यवस्था और लगातार तकनीकी अपग्रेड पर भारी खर्च होता है।यूपीआई की वृद्धि वास्तव में अभूतपूर्व रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार एडवाय 2016-17 में यूपीआई का वार्षिक लेन-देन मूल्य केवल 0.07 लाख करोड़ था,जो एडवाय 2025-26 में बढ़कर लगभग 314 लाख करोड़ रूपए हो गया। इसी अवधि में वार्षिक लेन-देन संख्या 1.78 करोड़ से बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गई। यूपीआई अब 11 देशों में भी परिचालन/स्वीकृति के स्तर तक पहुंच चुका है।इसलिए सरकार का तर्क है कि इतनी विशाल डिजिटल भुगतान व्यवस्था को हमेशा सरकारी प्रोत्साहन के सहारे चलाना लंबे समय में उचित नहीं होगा। एक ऐसा राजस्व मॉडल चाहिए जिससे भुगतान का पूरा इकोसिस्टम अधिक टिकाऊ और आत्मनिर्भर बन सके।लेकिन विपक्ष की चिंता को भी सटीकता से समझना जरूरी है,विपक्ष का सवाल सिर्फ शुल्क की राशि को लेकर नहीं है। असली चिंता यह है कि क्या आज व्यापारी पर लगने वाला खर्च कल वस्तुओं की कीमतों में दिखाई देगा? मान लीजिए किसी व्यापारी को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने पर अतिरिक्त लागत आती है। उसके सामने तीन रास्ते हो सकते हैं,वह खुद लागत उठाए, ग्राहक से अलग शुल्क मांगे या अपनी वस्तु/सेवा की कीमत में लागत जोड़ दे।सरकार यदि ग्राहक से सीधे शुल्क लेने की अनुमति नहीं देती, तब भी तीसरा रास्ता आर्थिक रूप से संभव है। यही कारण है कि विपक्ष कह रहा है कि ग्राहक से शुल्क नहीं लिया जाएगा और ग्राहक पर कोई आर्थिक प्रभाव नहीं पड़ेगा इन दोनों बातों को सटीकता से एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। साथियों बात अगर हम असली तस्वीर क्या है? इसको समझने की करें तो,इस पूरे विवाद को तीन वाक्यों में समझा जा सकता है।पहला,2,000 तक का यूपीआई भुगतान अभी स्पष्ट रूप से शुल्क-मुक्त है।दूसरा 2,000 से ऊपर के मर्चेंट यूपीआई ट्रांसक्शयंस पर अभी कोई निश्चित 0.5 प्रतिशत शुल्क लागू नहीं हुआ है, लेकिन भविष्य में एमडीआर लगाने का कानूनी रास्ता खुला है। तीसरा राजनीतिक विवाद इस संभावित एमडीआर के आर्थिक बोझ को लेकर है कि उसका भार वास्तव में व्यापारी उठाएगा या किसी रूप में अंततः ग्राहक तक पहुंचेगा।यही इस पूरे मामले का केंद्रीय प्रश्न है।

सरकार के सामने चुनौती है कि यूपीआई को दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय रियल- टाइम भुगतान प्रणालियों में से एक बनाए रखते हुए उसका आर्थिक मॉडल भी टिकाऊ बनाया जाए। दूसरी ओर विपक्ष की चिंता है कि कहीं ग्राहक से शुल्क नहीं कहकर अप्रत्यक्ष रूप से महंगाई या वस्तुओं की कीमतों के माध्यम से उसका बोझ जनता तक न पहुंच जाए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल इसे यूपीआई पर शुल्क लग गया कहना जल्दबाजी होगी। अधिक सटीक बात यह है कि सरकार ने 2,000 तक के भुगतान को स्पष्ट रूप सेशुल्क -मुक्त रखते हुए 2,000 से ऊपर के व्यापारी भुगतान पर भविष्य में एमडीआर लागू करने की कानूनी संभावना का रास्ता खोला है। अब असली परीक्षा आगे होने वाले निर्णयों की होगी, एमडीआर की दर कितनी तय होती है,किन व्यापारियों पर लागू होती है और सबसे महत्वपूर्ण,उसका अंतिम आर्थिक बोझ कौन उठाता है। इस विवाद का सबसे महत्वपूर्ण फर्क यही है कि एमडीआर लगाने का रास्ता खुलना और एमडीआर लग जाना दो अलग बातें हैं। अभी 2,000 से ऊपर के यूपीआई मर्चेंट ट्रांसक्शयंस पर कोई 0.5प्रतिशत शुल्क लागू नहीं हुआ है। आगे की नीति ही तय करेगी कि इसका वास्तविक प्रभाव व्यापारी, भुगतान कंपनियों और अंततः उपभोक्ता पर कितना पड़ता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

हूतियों की बढ़ती ताकत से गहराया तेल संकट

-कांतिलाल मांडोत

ईरान-अमेरिका युद्ध ने बढ़ाई दुनिया की चिंता होरमुज से लाल सागर तक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराया खतरा

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध अब केवल दो देशों के बीच सैन्य संघर्ष नहीं रह गया है। इसकी गूंज लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य तक सुनाई दे रही है। यमन के हूती लड़ाकों की बढ़ती सक्रियता ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। सऊदी अरब की तेल पाइपलाइन पर ड्रोन हमला और लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार के निकट रणनीतिक क्षेत्र पर हूतियों की बढ़त ने दुनिया के सामने ऊर्जा सुरक्षा का नया संकट खड़ा कर दिया है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और तेल परिवहन के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं तो आने वाले समय में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। सऊदी अरब ने ड्रोन हमले के बाद अपनी करीब 1200 किलोमीटर लंबी पूर्वी-पश्चिमी तेल पाइपलाइन को एहतियाती कदम के तौर पर अस्थायी रूप से बंद कर दिया। यह पाइपलाइन सऊदी तेल परिवहन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है और इसके बंद होने की खबर ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों की चिंता बढ़ा दी। सऊदी विदेश मंत्रालय ने हमले के लिए इराक से उड़ाए गए कई ड्रोन को जिम्मेदार बताया। हमले में लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई। सऊदी अरब ने तत्काल जवाबी कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया और इराकी सरकार को आवश्यक कदम उठाने का अवसर दिया, लेकिन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के अधिकार को स्पष्ट रखा। इराक सरकार ने भी हूती हमले की निंदा की। जांच में ड्रोन के इराक से उड़ाए जाने की पुष्टि के बाद एक सैन्य कमांडर को हटाया गया। इसके बाद इराक ने एहतियाती कदम उठाते हुए ईरान के साथ शलमचेह सीमा चौकी भी बंद कर दी। इससे स्पष्ट है कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष अब आसपास के देशों की सुरक्षा व्यवस्था और आपसी संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है। जुलाई में अमेरिका और सऊदी अरब की ओर से इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर की गई कार्रवाई ने भी क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाया था। सबसे बड़ी चिंता तेल को लेकर है। पश्चिम एशिया दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इस क्षेत्र में युद्ध की स्थिति बनी रहने से तेल उत्पादन के साथ-साथ उसके परिवहन पर भी खतरा बढ़ जाता है। लाल सागर और होरमुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्गों में किसी भी तरह की बड़ी बाधा का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ सकता है। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, उद्योग, बिजली, खाद्य वस्तुओं और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों पर भी पड़ता है। इसलिए पश्चिम एशिया का युद्ध दुनिया के लिए ऊर्जा संकट के साथ आर्थिक संकट भी पैदा कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद युद्ध समाप्त हो सकता है और इसके साथ तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। उनका कहना है कि ईरान इस संघर्ष को चुनाव तक खींचने का प्रयास कर रहा है। ट्रंप के अनुसार युद्ध समाप्त होने के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ सकती हैं। लेकिन इस दावे का वास्तविक परिणाम क्या होगा, यह समय ही बताएगा। तेल की कीमत केवल राजनीतिक घोषणाओं से तय नहीं होती। आपूर्ति, मांग, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और प्रमुख तेल उत्पादक देशों की स्थिति भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती है। दूसरी ओर ईरान की ओर से भी अमेरिका के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन का बयान इस पूरे संकट के बीच विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया को अमेरिका जैसे किसी क्षेत्रीय पुलिसकर्मी की आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार क्षेत्र की सुरक्षा और यहां के देशों की सीमाओं की रक्षा की जिम्मेदारी इसी क्षेत्र के देशों और उसके प्रमुख खिलाड़ियों की होनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और न ही इस संघर्ष को आगे बढ़ाना चाहता है। नई दिल्ली से आया ईरानी राष्ट्रपति का संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत पश्चिम एशिया के सभी प्रमुख देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखते हुए शांति और स्थिरता का पक्षधर रहा है। भारत के लिए इस संघर्ष का सीधा संबंध उसकी ऊर्जा सुरक्षा से है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में होरमुज जलडमरूमध्य या लाल सागर के रास्ते तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो उसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। महंगा तेल महंगाई बढ़ाने के साथ उद्योग और परिवहन लागत को भी प्रभावित कर सकता है। ईरान का यह संदेश भी ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका शायद यह मान रहा था कि सैन्य दबाव के जरिए ईरान की सरकार को बहुत कम समय में कमजोर किया जा सकता है। लेकिन ईरान का दावा है कि युद्ध के दबाव के बावजूद जनता और सरकार के बीच एकजुटता बनी हुई है। दूसरी तरफ अमेरिका ईरान की सैन्य और क्षेत्रीय क्षमता को सीमित करने के लिए दबाव की नीति को प्रभावी मानता है। यही इस संघर्ष का मूल टकराव है। एक तरफ अमेरिका अपनी रणनीतिक और सुरक्षा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाना चाहता है तो दूसरी तरफ ईरान इसे अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय स्वतंत्रता के खिलाफ हस्तक्षेप के रूप में देखता है। इस संघर्ष में हूतियों की बढ़ती भूमिका पूरे समीकरण को और जटिल बना रही है। यदि हूती लाल सागर और आसपास के समुद्री मार्गों पर अपनी गतिविधियां बढ़ाते हैं तो जहाजों को वैकल्पिक लंबे रास्तों का सहारा लेना पड़ सकता है। इससे माल ढुलाई और बीमा की लागत बढ़ेगी तथा वैश्विक व्यापार पर दबाव आएगा। तेल की आपूर्ति में व्यवधान हुआ तो कीमतों में उछाल की आशंका और मजबूत होगी। अंततः सवाल केवल यह नहीं है कि ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध में कौन भारी पड़ेगा। असली सवाल यह है कि इस संघर्ष की आर्थिक और मानवीय कीमत कौन चुकाएगा। युद्ध लंबा चलने पर आम जनता को महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप का दावा है कि चुनाव के बाद तेल सस्ता हो जाएगा, जबकि ईरान का कहना है कि वह युद्ध नहीं चाहता और क्षेत्रीय देशों को अपनी सुरक्षा स्वयं तय करनी चाहिए। इन दोनों दावों के बीच सच्चाई आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि हूतियों की बढ़ती ताकत, लाल सागर में अस्थिरता और होरमुज का संकट दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी बन चुके हैं। युद्ध का विस्तार किसी के हित में नहीं है। स्थायी समाधान सैन्य टकराव से नहीं बल्कि संवाद, कूटनीति और क्षेत्रीय देशों की भागीदारी से ही संभव है।

भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार-मुक्त भारत तक पसरी चुनौतियां

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सबसे खतरनाक क्षण वह नहीं होता जब कोई व्यक्ति चोरी करता है, बल्कि वह होता है जब समाज चोरी को सामान्य मानने लगता है। जब रिश्वत को 'सुविधा शुल्क', कमीशन को 'व्यवस्था', राजनीतिक पहुंच को 'सिफारिश' और नियम तोड़ने को 'काम निकालने की कला' कहा जाने लगे, तब भ्रष्टाचार केवल कानून की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कार का संकट बन जाता है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सामने आया कथित वीडियो इसी भयावह मानसिकता का प्रतीक बनकर हमारे सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग नगर निगम की आय को आपस में बांटने की शपथ लेते दिखाई दिए। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और वीडियो की परिस्थितियों व प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि उसमें कौन दिखाई दे रहा है और उन्होंने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार अब इतना निर्भीक हो गया है कि उसे छिपाने के बजाय उसके बंटवारे की भी शपथ ली जा सकती है? अगर किसी सार्वजनिक संस्था से जुड़े लोग सार्वजनिक धन को निजी हिस्सेदारी की तरह देखने लगें तो यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार के संदर्भ में 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' का संकल्प सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था। उसके बाद भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनेक संस्थागत और डिजिटल उपायों पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार ने भी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति दोहराई है, लोकपाल को भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए वैधानिक भूमिका प्राप्त है और केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका निगरानी तथा निवारक सतर्कता में महत्वपूर्ण है। फिर भी प्रश्न बचा हुआ है-क्या कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं, यदि भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता बनी रहे? भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने को नहीं होता। उसका सबसे बड़ा शिकार वह सामान्य नागरिक होता है जो लाइन में खड़ा है, टैक्स देता है, नियमों का पालन करता है और बदले में अपनी ही व्यवस्था से न्याय चाहता है। जिस सड़क का निर्माण होना था, वह घटिया बनती है तो नागरिक उसका मूल्य चुकाता है। जिस अस्पताल में दवा उपलब्ध होनी चाहिए, वहां कमी होती है तो गरीब मरीज कीमत चुकाता है। जिस सरकारी कार्यालय में काम समय पर होना चाहिए, वहां रिश्वत मांगी जाती है तो ईमानदार नागरिक की गरिमा पर चोट होती है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के 2025 करप्शन परसेप्संस इंडेक्स में भारत को 39/100 अंक और 182 देशों में 91वां स्थान मिला। इसी संस्था के उपलब्ध ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर आंकड़ों में 39 प्रतिशत सार्वजनिक सेवा उपयोगकर्ताओं ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत देने की बात बताई थी, ये आंकड़े 2020 के एशिया सर्वे से संबंधित हैं, इसलिए इन्हें वर्तमान वर्ष की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं माना जाना चाहिए। आंकड़े हमें चेताते हैं, लेकिन उससे भी अधिक भयावह वह मानसिकता है जिसमें व्यक्ति भ्रष्टाचार का विरोध तब करता है जब वह स्वयं उसका शिकार बनता है। जब कोई काम पैसे देकर जल्दी हो जाता है, तो वही व्यवस्था हमें सुविधाजनक लगने लगती है। यहीं से भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति मिलती है।

भ्रष्टाचार का एक चेहरा आर्थिक है, दूसरा सत्ता-संस्कृति का। राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल व्यक्तिगत सुविधा के लिए होना भी सार्वजनिक नैतिकता को कमजोर करता है। इसका एक दिखाई देने वाला उदाहरण धार्मिक स्थलों पर वीआईपी दर्शन की संस्कृति है। देश के अनेक प्रमुख मंदिरों में सामान्य श्रद्धालु घंटों कतार में खड़ा रहता है, जबकि प्रभावशाली व्यक्ति विशेष व्यवस्था से दर्शन कर लेता है। यह प्रश्न केवल मंदिर-प्रबंधन का नहीं है, यह समानता की लोकतांत्रिक भावना का प्रश्न है। आस्था में व्यक्ति छोटा-बड़ा नहीं होता। यदि सार्वजनिक व्यवस्था में पद, पैसा और पहुंच सामान्य नागरिक के अधिकार से ऊपर खड़े होने लगें तो लोकतंत्र का मूल भाव कमजोर पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि विशेष परिस्थितियों-जैसे सुरक्षा, दिव्यांगता, बुजुर्गों या विशिष्ट आधिकारिक दायित्व को छोड़कर वीआईपी संस्कृति को धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में स्पष्ट मानक बनाए जाएं। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि कुछ लोग हमेशा आगे रहें और बाकी नागरिक हमेशा कतार में।

आज डिजिटल इंडिया ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन बनाया है। इससे पारदर्शिता बढ़ाने और प्रत्यक्ष संपर्क घटाने में मदद मिली है। लेकिन जहां प्रक्रिया अस्पष्ट है, अधिकारी के पास अत्यधिक विवेकाधिकार है या शिकायत का प्रभावी समाधान नहीं है, वहां डिजिटल व्यवस्था के बावजूद भ्रष्टाचार के नए रास्ते निकल सकते हैं। जीएसटी जैसे जटिल कर-प्रशासन में भी पारदर्शिता, स्पष्ट नियम, जोखिम-आधारित जांच और अधिकारी की जवाबदेही अत्यंत जरूरी हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि पूरा विभाग भ्रष्ट है, बल्कि किसी भी बड़े प्रशासनिक तंत्र में व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि ईमानदार अधिकारी सुरक्षित रहे और भ्रष्ट आचरण छिपा न सके। भ्रष्टाचार का इलाज केवल छापे और निलंबन नहीं है। इलाज है-कम विवेकाधिकार, अधिक पारदर्शिता, समयबद्ध सेवा, डिजिटल ट्रैकिंग, स्वतंत्र शिकायत-निवारण और निश्चित जवाबदेही।

आज जरूरत एक नई शपथ की है। ऐसी शपथ जो केवल समारोह में न ली जाए, बल्कि हर दिन प्रशासनिक निर्णय में दिखाई दे-सरकारी पद सुविधा नहीं, जिम्मेदारी है। जनता से मिला अधिकार निजी लाभ का साधन नहीं, लोकसेवा का अवसर है। सार्वजनिक धन पर पहला अधिकार जनता का है। न रिश्वत लेंगे, न दिलाएंगे, न किसी भ्रष्ट व्यक्ति को संरक्षण देंगे। और यदि हमारे सामने भ्रष्टाचार होगा तो मौन रहना भी अपनी जिम्मेदारी से भागना माना जाएगा। राजनेताओं के लिए भी सबसे बड़ी कसौटी चुनाव जीतना नहीं, सार्वजनिक विश्वास को बनाए रखना होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को आरोप सिद्ध होने की प्रतीक्षा के साथ-साथ नैतिक आचरण के स्पष्ट मानक भी विकसित करने होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों को भी यह संदेश देना होगा कि ईमानदारी केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, संस्थागत संस्कृति है। भ्रष्टाचार केवल नेता या अधिकारी पैदा नहीं करते। उसकी जमीन समाज में भी तैयार होती है। जब हम अपने बच्चे को कहते हैं-किसी तरह काम करा लो, जब हम नियम तोड़कर गर्व महसूस करते हैं, जब हम अपने परिचित के लिए नियम बदलवाना चाहते हैं, जब हम रिश्वत देकर अपना काम जल्दी करवाकर खुश होते हैं-तब हम उसी व्यवस्था को मजबूत करते हैं जिसकी शिकायत अगले दिन करते हैं। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई सरकार बनाम जनता की लड़ाई नहीं हो सकती। यह सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल, न्याय व्यवस्था, मीडिया, उद्योग और नागरिक-सभी की साझा जिम्मेदारी है।

लोकपाल ने 2025 में अपना नया संदेश रखा-''इम्पावर सिटिजन्स, एक्सपोज करप्शन'' यानी नागरिकों को सशक्त बनाइए और भ्रष्टाचार को उजागर कीजिए। यह दिशा महत्वपूर्ण है, क्योंकि भ्रष्टाचार तभी कमजोर होगा जब शिकायत करने वाला नागरिक स्वयं को असहाय नहीं, व्यवस्था का सक्रिय भागीदार महसूस करेगा। हम 2047 के विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज सड़कों, बड़े उद्योगों और विशाल अर्थव्यवस्था का नाम नहीं है। विकसित भारत वह होगा जहां नागरिक को अपना वैध काम कराने के लिए किसी की जेब गर्म न करनी पड़े, जहां पद प्रतिष्ठा का नहीं, उत्तरदायित्व का प्रतीक हो, जहां कानून प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के लिए अलग-अलग न हो।

शाहजहांपुर का कथित वीडियो जांच का विषय है, लेकिन उससे उठने वाला सवाल पूरे देश का है। गंगाजल हाथ में लेकर भ्रष्टाचार के बंटवारे की कथित शपथ यदि सच साबित होती है तो यह केवल कुछ व्यक्तियों का नैतिक पतन नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन के लिए एक कठोर चेतावनी होगी। और यदि वीडियो भ्रामक या संपादित पाया जाता है, तब भी ऐसी सामग्री का तेजी से फैलना बताता है कि भ्रष्टाचार को लेकर समाज में अविश्वास कितना गहरा है। संबंधित पार्षदों ने वीडियो को लेकर संपादन और बदनाम करने का आरोप भी लगाया है, इसलिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। अब समय है कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ केवल भाषण न दें, व्यवस्था को ऐसा बनाएं जिसमें भ्रष्टाचार करना कठिन, छिपाना असंभव और ईमानदारी से काम करना सहज हो। क्योंकि राष्ट्र की असली आजादी उस दिन होगी, जब किसी नागरिक को अपना अधिकार पाने के लिए किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। ''भ्रष्टाचार की शपथ नहीं-ईमानदारी का संस्कार चाहिए। सिर्फ 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' नहीं-'न सहूंगा, न सहने दूंगा' का नागरिक संकल्प चाहिए। यही संकल्प विकसित भारत की नैतिक नींव बन सकता है।''।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से गुरुवार को खाद्य तेलों में बाजार सुस्त रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनी जिंसों में चना 6700-6800 रू. क्विंटल पर बना रहा। तुअर बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर में तेजी अटकी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से भावों में नरमी का रूख रहा। तिलहन बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। चने में व्यापार सामान्य ही रहा। चना 6700-6800 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। तुअर में बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में अब तेजी को ब्रेक लगा है। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4700-4800, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडि?यम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100, (160) 3200, (200) 3500, (250) 3800,

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1810, राजकोट तेलिया 2820, सोया साल्वेंट 1370-1375, सोया रिफाइंड 1430-1435, कपास्या 1590, धूलिया 1600, कड़ी 1600,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1775, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1485,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6700-6800, एवरेज 6500-6550, विशाल 6500-6600, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरुवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार में कमोबेश स्थिरता रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 231000, चाँदी (99) 230800, टंच 230000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 148900,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.71 पर बंद हुआ। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों की कमजोर धारणा से रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 96 प्रति डॉलर से नीचे पहुंच गया। यह दो महीने से अधिक समय में पहली बार है जब रुपया इस स्तर से नीचे आया है। घरेलू मुद्रा ने हालांकि, बाद में शुरुआती गिरावट की कुछ भरपाई की और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बाद 10 पैसे की बढ़त के साथ कारोबार करने लगा। विदेशी मुद्रा बाजार के विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ऊंची बनी हुई हैं और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा भी मजबूत है। ऐसे में रुपये में काफी उतार-चढ़ाव रहने के आसार हैं।

शेयर बाजार सपाट पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। आज दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही जहां सेंसेक्स 22 अंक गिर, वहीं निफ्टी में हल्की बढ़त दर्ज की गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के परिणामों के आंकलन से भी घरेलू शेयर बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा । इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 21.86 अंक नीचे आकर 74,314.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 53 अंक बढ़कर 23,270.60 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.92 फीसदी और 0.76 फीसदी की तेजी रही। मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों का प्रदर्शन बेहतर बना रहा क्योंकि निवेशकों ने मजबूत कमाई की संभावना वाली कंपनियों को प्राथमिकता दी, खासकर कैपिटल गुड्स, इंडस्ट्रियल, डिफेंस, पावर और हेल्थकेयर सेक्टर में।सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी बैंक, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.05 फीसदी की तेजी रही। इसके साथ ही टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), एसबीआई लाइफ, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज, बीईएल, इंडिगो और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की सूची में शामिल रहे। जबकि इसके विपरीत ओएनजीसी, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, कोल इंडिया औरनेस्ले इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गयी। फेड की संभावित ब्याज दर बढ़ोतरी और बॉन्ड यील्ड में नरमी से ग्लोबल इक्विटी बाजार को कुछ समय के लिए सहारा मिला। इसके बावजूद, घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। वहीं इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 0.09 फीसदी चढ़कर 74,401.31 पर और निफ्टी 0.15 फीसदी बढ़कर 23,252.20 पर कारोबार कर रहे थे, जो वैश्विक बाजारों में मंदी के विपरीत था। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस और एटरनल सबसे ज्यादा बढ़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.36 फीसदी और निफ्टी स्मालकैप में 0.42 फीसदी की तेजी देखी गई।

भारत प्रमुख बाजार, चिप क्षेत्र वृद्धि के लिए तैयार-इन्फिनियॉन

नई दिल्ली। एजेंसी। जर्मनी की सेमीकंडक्टर कंपनी इन्फिनियॉन टेक्नोलॉजीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत को एक 'बेहद महत्वपूर्ण' बाजार बताया है। उन्होंने कहा कि देश का चिप परिवेश आर्थिक वृद्धि, उद्योग के विस्तार और बढ़ती तकनीकी क्षमताओं के दम पर एक नए तथा रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहा है। 'सेमीकॉन इंडिया 2026' में बोलते हुए हैनेबेक ने कहा कि इन्फिनियॉन का भारत में भरोसा अटूट है, और देश वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। कंपनी 1,200 से अधिक ग्राहकों के साथ काम करती है, और भारत की तेजी से हो रही प्रगति तथा वैश्विक नवाचार में योगदान से प्रभावित है। इन्फिनियॉन 25 साल से अधिक समय से भारत में है। उसने पिछले एक साल में अपने कर्मचारियों की संख्या 28 प्रतिशत बढ़ाकर 2,800 से अधिक कर दी है, जो अहमदाबाद, बेंगलुरु व हैदराबाद में कार्यरत हैं। कंपनी ने अहमदाबाद में अपने वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) का विस्तार किया है, हैदराबाद में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को मजबूत किया है और बेंगलुरु में अत्याधुनिक नया परिसर स्थापित कर रही है। टिकाऊ चिप परिवेश के लिए उद्योग, सरकार व शिक्षा जगत की मजबूत साझेदारी पर हैनेबेक ने जोर दिया। प्रतिभा विकास के लिए, इन्फिनियॉन ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) के साथ साझेदारी में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है।

लोन जमा नहीं होने पर बैंक या एनबीएफसी गाड़ी को जबरदस्ती नहीं उठा सकते

नई दिल्ली। एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लोन डिफॉल्ट होने पर बैंक या एनबीएफसी को गाड़ी वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन वे इसके लिए मनमाना या जबरदस्ती का तरीका नहीं अपना सकते। गाड़ी जब्त करने से पहले तय प्रक्रिया और उचित नोटिस का पालन करना होगा यानी सिर्फ ईएमआई नहीं भरने का मतलब यह नहीं है कि फाइनेंस कंपनी रात में गाड़ी उठाकर ले जाए। बता दें यह मामला यूपी के एक ट्रक मालिक से जुड़ा है। उसने कमर्शियल ट्रक खरीदने के लिए चोलमंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। कुछ समय बाद वह किस्तें नहीं चुका पाया। कंपनी ने नोटिस दिया और ट्रक अपने कब्जे में ले लिया। बाद में ग्राहक ने एकमुश्त रकम जमा की तो उसे ट्रक वापस मिल गया। इसके बाद फिर लोन की किस्तें नहीं चुकाई गईं। ग्राहक के मुताबिक 9 अप्रैल 2023 की रात करीब एक बजे अयोध्या में सामान पहुंचाने के बाद खड़े ट्रक का स्टीयरिंग लॉक चार अज्ञात लोगों ने तोड़ा और ट्रक लेकर चले गए। उसका कहना था कि उसे इस कार्रवाई से पहले नोटिस नहीं दिया गया था। बाद में ट्रक बेच दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि फाइनेंसर के पास लोन की शर्तों के तहत गाड़ी वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन इस अधिकार का मतलब यह नहीं है कि बैंक या फाइनेंस कंपनी बल प्रयोग करके या चोरी-छिपे वाहन कब्जे में ले सकती है। कोर्ट ने साफ किया कि वसूली के लिए कानूनी रास्ता अपनाना होगा। रात में ताला तोड़ना, जबरदस्ती गाड़ी ले जाना या लोगों के जरिए दबाव बनाना सही तरीका नहीं है। कोर्ट ने इस मामले में कंपनी को ग्राहक के अधिकारों के उल्लंघन के लिए मुआवजा देने का आदेश दिया। आरबीआई के पुराने दिशानिर्देशों में भी लोन वसूली के दौरान ग्राहक को अनावश्यक रूप से परेशान करने, गलत समय पर संपर्क करने और बल प्रयोग करने से बचने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई को इन नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके भीतर ऊर्जा और आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं रहेगी। मुश्किल से मुश्किल काम को भी पूरे जोश और फोकस के साथ पूरा करने का जज्बा रहेगा और आपकी मेहनत दूसरों का ध्यान खींचेगी। हालांकि, उत्साह में आकर किसी को ऐसी बात न कह दें जो रिश्तों में कड़वाहट पैदा कर दे। पैसों को लेकर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार करने के बजाय व्यावहारिक नजरिया रखें।

वृषभ- आज आपकी समझदारी, आकर्षण और रचनात्मक सोच आपको दूसरों से अलग पहचान दिलाएगी। दिमाग में आने वाले नए विचार दोस्तों और कार्यक्षेत्र में आपको चर्चा का केंद्र बना सकते हैं। हालांकि अपनी बात को सही साबित करने की जिद से बचें, क्योंकि मन की बेचैनी आपकी नींद भी प्रभावित कर सकती है। ऑफिस में आपके काम करने के तरीके और बातचीत से वरिष्ठ तथा सहकर्मी प्रभावित होंगे।

मिथुन- आज आपका आकर्षण और प्रभाव लोगों को सहज ही अपनी ओर खींचेगा। दोस्तों, बड़े भाई-बहनों और पेशेवर संपर्कों से आपको अच्छा सहयोग मिल सकता है। हालांकि मानसिक तनाव और अनावश्यक खर्च मन को परेशान कर सकते हैं, इसलिए दूसरों के दबाव में आकर कोई बड़ा वादा या आर्थिक प्रतिबद्धता न करें। करियर में आज पर्दे के पीछे रहकर मेहनत करना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

कर्क- आज आपकी बातचीत का अंदाज और समझदारी सामाजिक तथा व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में आपको आगे ले जाएगी। दोस्तों के साथ मिलकर कोई नया काम या योजना शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। करियर में नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आएगी और कार्यस्थल पर आपका प्रभाव बढ़ेगा। छोटी व्यावसायिक यात्रा के भी योग बन सकते हैं। आर्थिक रूप से दिन लाभकारी है।

सिंह- आज आपका ध्यान भविष्य की योजनाओं, करियर और आर्थिक सुरक्षा पर केंद्रित रहेगा। आपकी तेज बुद्धि और प्रभावशाली बातचीत आपको सम्मान दिलाएगी। हालांकि बीच-बीच में आत्मविश्वास की कमी या अकेलेपन का एहसास परेशान कर सकता है। ऐसे समय में खुद पर संदेह करने के बजाय अपनी उपलब्धियों को याद करें।

कन्या- आज आपकी समझदारी, भावनाओं को संभालने की क्षमता और व्यवस्थित तरीके से काम करने की आदत आपको सफलता दिलाएगी। किस्मत भी आपका साथ देती नजर आएगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि जल्दबाजी में किसी को पैसा उधार देने या बिना पढ़े किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने से बचें। वाहन चलाते समय भी सावधानी रखें।

तुला- आज आप अपनी समझदारी और संतुलित व्यवहार से निजी तथा पेशेवर जीवन के बीच अच्छा तालमेल बना पाएंगे। किसी उलझी हुई परिस्थिति को भी शांत दिमाग से संभालने की क्षमता रहेगी। हालांकि कभी-कभी अकेले रहने की इच्छा आपको भीतर से थोड़ा उदास कर सकती है। जीवनसाथी या पार्टनर से बातचीत करते समय अहंकार और जल्दबाजी से बचें।

वृश्चिक- आज आपके भीतर जबरदस्त साहस, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। दोस्तों और सामाजिक संपर्कों का सहयोग मिलने से लंबे समय से अटके काम आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि करीबी व्यक्ति या पार्टनर के साथ बहस को अहंकार की लड़ाई बनने से रोकना होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा और आत्मविश्वास मुश्किल जिम्मेदारियों को भी आसान बना देंगे। विरोधियों पर आपका प्रभाव बना रहेगा।

धनु- आज करियर के मोर्चे पर आपकी चमक देखने को मिलेगी। काम में आपकी उत्पादकता बढ़ेगी और आपकी मेहनत से साख भी मजबूत होगी। साझेदारी और प्रेम संबंधों में सहयोग तथा अपनापन मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि कार्यस्थल पर सहकर्मियों या जूनियर से बातचीत करते समय भाषा और लहजे का ध्यान रखें। अत्यधिक आलोचनात्मक रवैया परेशानी पैदा कर सकता है।

मकर- आज भाग्य, आत्मविश्वास और मानसिक स्पष्टता आपका साथ देंगे। तेज बुद्धि और रचनात्मक सोच के कारण कई काम उम्मीद से बेहतर तरीके से पूरे हो सकते हैं। हालांकि घरेलू मामलों में मंगल के प्रभाव से थोड़ी बहस या तनाव संभव है। अचानक खरीदारी करने या जल्दी पैसा कमाने के लालच पर नियंत्रण रखें।

कुंभ- आज आपका दिमाग गहरी सोच, शोध और भविष्य की रणनीति बनाने में व्यस्त रहेगा। किसी जटिल परिस्थिति को समझने और उसका समाधान खोजने की आपकी क्षमता मजबूत रहेगी। हालांकि आज हर काम को सबके सामने लाने या लाइमलाइट में आने की जरूरत नहीं है। पर्दे के पीछे की गई मेहनत ज्यादा लाभ दे सकती है।

मीन- आज आपका ध्यान साझेदारी, लोगों से संपर्क और मिलकर काम करने पर रहेगा। घर-परिवार का शांत वातावरण आपको भावनात्मक मजबूती देगा और मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास तथा प्रशासनिक क्षमता दोनों मजबूत रहेंगे। बिजनेस प्रेजेंटेशन, मार्केटिंग या किसी नए समझौते के लिए दिन अनुकूल है। आर्थिक रूप से आगे बढ़ने की अच्छी इच्छा रहेगी और पुराने बकाये चुकाने की दिशा में भी प्रगति हो सकती है।

शब्दजाल - 8394

शब्द जाल में निर्वाचित 10 लोकसभा अध्यक्षों के नाम ढूंढिए,नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	र्जी
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जा	म	र	ग	वा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नों	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	व	लि	रा	म	भ	ग	त

गणेश मावलंकर, हुकुम सिंह, नीलम संजीव रेड्डी, बलिराम भगत, रवि राय, पी.ए. संगमा, शिवराज पाटिल, जी. बालयोगी, मनोहर जोशी, सोमनाथ चटर्जी

शब्दजाल - 8393 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7328

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, प्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. आईफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी को सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९७२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें तकता के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, [illegible] की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सारिका की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारुख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7327

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मिथुन में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	05.43 बजे से
तुला	07.58 बजे से
वृश्चिक	10.13 ब.से
धनु	12.29 बजे से
मकर	14.34 बजे से
कुंभ	16.20 बजे से
मीन	17.53 बजे से
मेष	19.24 बजे से
वृष	21.04 बजे से
मिथुन	23.02 बजे से
कर्क	01.15 बजे से
सिंह	03.31 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 261 वां दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास भाद्रपद पक्ष शुक्ल तिथि सप्तमी 13.02 बजे को समाप्त। नक्षत्र ज्येष्ठा 22.45 बजे को समाप्त। योग प्रीति 13.35 बजे को समाप्त। करण वणिज 13.02 बजे तदनन्तर विष्टि 02.14 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 06.9 घण्टे रवि क्रान्ति उत्तर 01' 57' सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872836 जूलियन दिन 2461301.5 कलियुग संवत् 5128 कल्पारंभ संवत् 1972949128 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1448 महीना रबि उस्सानी तारीख 06 विशेष ललिता सप्तमी, दूर्वा अष्टमी, ज्येष्ठ गौरी पूजा।

दिन का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक

रात का चौघड़िया	
रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
काल	07.11 से 08.43 बजे तक
लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.51 से 04.23 बजे तक
रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभाव श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा ही धर्म है

एक बार राजेंद्र प्रसाद ट्रेन के तीसरे दर्जे में बैठ कर कहीं जा रहे थे। गर्मी का महीना था। गाड़ी में भीड़ बहुत थी। ट्रेन एक स्टेशन पर रुकी। संयोग से उसी समय प्लेटफॉर्म के दूसरी ओर भी एक गाड़ी आकर रुकी। उसमें भी बहुत भीड़ थी। राजेंद्र बाबू ने देखा कि दूसरी ट्रेन के एक डिब्बे में लोग पानी के लिए चिल्ला रहे हैं। चूंकि भीड़ बहुत ज्यादा थी इसलिए वे डिब्बे से नीचे उतर नहीं सकते थे। कोई उन पर ध्यान नहीं दे रहा था। तभी राजेंद्र बाबू की नजर एक महिला पर गई जो अपने छोटे बच्चे को गोद में लिए खिड़की से पानी-पानी चिल्ला रही थी। प्यास से बच्चा रो रहा था। उसकी तरफ भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा था। राजेंद्र बाबू से रहा नहीं गया। वह अपने डिब्बे के लोगों को धकियाते हुए किसी तरह नीचे उतरे और दौड़ कर नल से अपने लोटे में पानी भरकर उसे दिया। तब तक उनकी गाड़ी खुल गई। लेकिन दौड़ कर किसी तरह उन्होंने अपनी ट्रेन पकड़ ली। उनकी सीट के बगल वाले व्यक्ति ने कहा, 'आप तो दुबले-पतले कमजोर आदमी हैं। इस तरह जोखिम उठा कर आप को ऐसा काम नहीं करना चाहिए था। यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखना तो सरकार का काम है।' राजेंद्र बाबू बोले, 'भइया, जब हम लोग ही दूसरे की मदद नहीं करेंगे तो सरकार क्या करेगी। उसको क्यों दोष देते हो। वैसे भी प्यासे को पानी पिलाना तो पुण्य का काम है। आप तो हट्टे-कट्टे हो। आपको यह काम सबसे पहले करना चाहिए था।' बातचीत में जब उस व्यक्ति को मालूम हुआ कि यह सज्जन कोई और नहीं राजेंद्र बाबू हैं, तो वह शर्मिंदा हो गया और उसने राजेंद्र बाबू से क्षमा मांगी। राजेंद्र बाबू ने कहा, 'अरे इसमें क्षमा मांगने की क्या बात है। आज से तुम भी प्रण कर लो कि जरूरतमंद की सेवा का कोई अवसर नहीं छोड़ोगे। सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।' उस व्यक्ति ने वैसा ही करने का वचन दिया।

सूडोकु नवताल- 7637

★★★★☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7636 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 8852

बाएँ से दाएँ

1.पैगंबर,खुदाई रहनुमा-4
4.कारगुजारी,करिश्मा-4
7.दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8.पासे फेंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9.गहराई-2
10.राय,वोट-2
12.आलीशान,उदार-3
14.नकारना,इंकार करना-2,3
15.चोरी करना-2,3
17.राशन,खाद्य सामग्री-3
19.गन्ना-2
21.हर रोज,प्रतिदिन-2
23.वाद्य बजाने वाला-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
25.जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26.महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1.हमेशा,हर पल,सदैव-4
2.जनता,लोक-2
3.द्रव पदार्थ-3
4.नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5.और,एवं-2
6.मन भटकाना-4
11.झगड़ा,कहासुनी-4
13.कोमलता-4
14.राजी करना-3
15.सहखिलाड़ी-4
16.चौकीदार,प्रहरी-4
18.कीचड़ -4
20.नगद राशि-3
22.पानी से सराबोर-2
24.थोड़ा,जरा-2

शब्द पहेली -8851 का हल

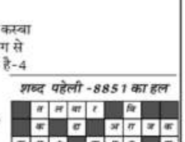

Jagrutidaur.com, Bangalore

'आशीर्वाद का दीया' से जगमगाया लांजी, सेवा संकल्प अभियान का हुआ शुभारंभ

13 हजार दीपों से रोशन हुआ नगर, विधायक राजकुमार कर्राहे ने गणेशी तालाब व सुभाष चौक में किया दीप प्रज्वलित

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा, सहभागिता और जनकल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ गुरुवार 17 सितंबर की शाम लांजी नगर में भव्य रूप से किया गया। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत नगर के विभिन्न प्रमुख स्थलों और सभी वार्डों में लगभग 13 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी और आकर्षक लाइटिंग से नगर का वातावरण उत्सवमय नजर आया। शाम 7 बजे से कोटेश्वर मंदिर परिसर, काली मंदिर परिसर, गायत्री मंदिर परिसर, सुभाष चौक बस स्टैंड, गणेशी तालाब, नगर परिषद कार्यालय परिसर, अमृत बाल उद्यान सहित नगर के सभी वार्डों में दीप प्रज्वलन किया गया। विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों सहित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। दीपों की कतारों से नगर परिषद परिसर सहित प्रमुख स्थान जगमगा उठे। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार कर्राहे, मंडल अध्यक्ष लांजी आलोक चौरसिया, जिला पंचायत विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस, सांसद प्रतिनिधि राकेश रामटेक्कर, मंडल अध्यक्ष बिसोनी देवेश ऐडे सहित नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर मौजूद रहे। नगर परिषद के सभापति, पार्षद किशोर रामटेक्कर, दिनेश कचवाहे, विजय गोस्वामी, शिखा गोस्वामी, कस्तुरा वाकडे, संजय सैय्याम, विभा तिवारी, पूनम आसटकर, प्रेमलता खोब्रागढे, कल्पना डोलस, तेजेश्वरी गोधुले, सौरभ (मोनू) पशीने, मुकेश रणदिवे एवं मनोनीत पार्षद अविनाश रैंच, सुशीला दुग्गड और प्रगति पालिवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा गणमान्य नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं में मोना सिद्धु कौर, श्यामा मुरकुटे, वीणा उपराडे, मीना बिलगौर, मनीषा दुग्गड, विनोद तिडके, प्रमिला तिडके, कांता तिडके, पूरनलाल जैतवार, गीता रामटेकर, सुमन आसटकर, योगेश रामटेक्कर, मधु आसटकर, लक्ष्मण रामटेक्कर, ओमु आसटकर, राजु मोहारे, रोशन आसटकर, टीसी बिहोने और मनोज किरनापुरे सहित नगर प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की।

10 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान सेवा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, शिक्षा, महिला स्वास्थ्य, सामाजिक सरोकार और जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। अभियान में आशीर्वाद का दीया, सेवा चित्र, नमो सेवा, आंगन का मिलन, सेवा की कहानी, सेवा ज्योति कलश यात्रा, वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु-साकार आपके द्वार, सेवा के रंग, 25 साल-25 कहानियां, नेशनल अनबॉक्सिंग, विकसित भारत संकल्प यात्रा सहित विभिन्न गतिविधियां प्रस्तावित हैं। इसके साथ ही रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर, अंगदान संकल्प, पोषण एवं एनीमिया जागरूकता, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, कचरा पृथक्करण एवं कंपोस्टिंग, जल संरक्षण एवं जलस्रोत सफाई, योग, खेल, ग्राम सेवा, शिक्षा सहयोग, साक्षरता एवं जागरूकता, सामाजिक सरोकार एवं सम्मान तथा करियर काउंसलिंग जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। नगर परिषद की ओर से अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों से सहभागिता कर सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपेक्षा की गई है।

भगवान विश्वकर्मा को आराध्य मानकर लोहार समाज ने मनाई जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन लांजी द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर लांजी क्षेत्र के ग्राम पीपलगांव खुर्द में लोहार समाज के लोगों ने एकत्रित होकर सामूहिक रूप से जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम को लेकर समाजजनों में विशेष उत्साह रहा। क्षेत्र के लोहार समाज के लोगों ने अपने प्रतिष्ठान एवं व्यवसाय बंद रखकर सामूहिक रूप से भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा जी के छायाचित्र के समक्ष विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद समाज के पदाधिकारियों एवं उपस्थित सामाजिकजनों ने भगवान विश्वकर्मा के जीवन, उनके महत्व तथा समाज की एकजुटता पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन के अध्यक्ष दिनेश सोनवाने ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा समाज के आराध्य देव हैं। भगवान विश्वकर्मा की जयंती समाज के लिए आस्था और गौरव का पर्व है। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता और सहभागिता से आगामी वर्षों में जयंती कार्यक्रम को और अधिक उत्साह एवं व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सामाजिकजनों ने समाज के विकास, संगठन की मजबूती और आपसी सहयोग को लेकर भी विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता करनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित समाजजनों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर श्री

विश्वकर्मा लोहार समाज संगठन के अध्यक्ष दिनेश सोनवाने, उपाध्यक्ष दिलीप कोसरे, कोषाध्यक्ष मनोज कोसरे, सचिव महेश सोनवाने, मीडिया प्रभारी दीपक विश्वकर्मा, संरक्षक गोविंदराम कोसरे, मार्गदर्शक चैतराम सोनवाने, ब्लॉक प्रभारी छबीलाल विश्वकर्मा, मेहताब कोसरे, कार्यकारी मीडिया प्रभारी रोशन बावने, ब्लॉक प्रभारी किशोर सोनवाने, किशोर सोनवाने (खंडवा), यशवंत जागड़े, रवि कोसरे, ज्ञानीराम मेश्राम, हेमराज सोनवाने, कपूरचंद मुस्कोसरे, महेश कोसरे, संजय पन्द्रे, नरबद सोनवाने, मोहन सोनवाने, शंकर कोसरे, हिरालाल कोसरे, पुरनलाल बांधे, तिलकचंद घटरे, राजेश सोनवाने, सुशील सोनवाने, शोभेलाल सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य एवं सामाजिक महिलाएं उपस्थित रहीं।

500 दीपों से जगमगाया शासकीय महाविद्यालय, विद्यार्थियों ने लिया सेवा का संकल्प

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा, समर्पण और सकारात्मकता के संदेश के साथ गुरुवार को शासकीय महाविद्यालय लांजी में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत हुए इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में 500 दीप प्रज्वलित किए गए। संध्या के समय दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गीतमा कठने ने की। उन्होंने दीप प्रज्वलन के बाद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सेवा, सहयोग, नैतिक जिम्मेदारी और सामाजिक सरोकारों को जीवन का हिस्सा बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सेवा की भावना केवल किसी अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन के व्यवहार में भी उतारना जरूरी है।

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों और समाज के बीच सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देने का प्रयास किया गया। 500 दीपों के सामूहिक प्रज्वलन के दौरान महाविद्यालय परिसर का वातावरण आकर्षक और आध्यात्मिक नजर आया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भी सहभागिता की।

समिति ने संभाली व्यवस्थाएं

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय स्तर पर विशेष समिति का गठन किया गया था। समिति में सुरेंद्र कुमार चिखले, महेन्द्र कुमार तलवरे एवं शेखर दहेमाल सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। दीपों की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल की तैयारी, अनुशासन और अन्य व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से पूरा किया गया। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' संचालित किया जा रहा है। इसके तहत महाविद्यालयों में सामाजिक, रचनात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जानी हैं। लांजी महाविद्यालय में 'आशीर्वाद का दीया' इसी अभियान की शुरुआत के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने अभियान के तहत आगामी गतिविधियों में भी सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

धान में माहू और झुलसा का प्रकोप, कृषि विभाग ने संभाला मोर्चा

जिला स्तरीय संयुक्त दल ने खेतों का किया निरीक्षण, किसानों को जैविक-रासायनिक उपचार और जल निकासी की दी सलाह

पद्मेश न्यूज। लांजी। धान की फसल में माहू और जीवाणु जनित झुलसा के बढ़ते प्रकोप के बीच कृषि विभाग सतर्क हो गया है। प्रभावित क्षेत्रों में फसलों की स्थिति का जायजा लेने के लिए विभागीय अमला लगातार खेतों का निरीक्षण कर किसानों को तत्काल नियंत्रण उपायों की जानकारी दे रहा है। इसी क्रम में 17 सितंबर को उप संचालक कृषि बालाघाट फूलसिंह मालवीय द्वारा गठित जिला स्तरीय संयुक्त दल ने लांजी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर धान, अरहर और उद्यानिकी फसलों की स्थिति का निरीक्षण किया। दल प्रमुख अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी राजेश खोबरागड़े के नेतृत्व में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, कृषि विकास अधिकारी अमित नारनौरे तथा कृषि विस्तार अधिकारी विनय प्रकाश बागड़े और कृष्ण कुमार खरे ने खेतों में पहुंचकर फसलों का जायजा लिया। अधिकारियों ने किसानों से फसलों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कीट एवं रोग के अनुसार आवश्यक उपचार की सलाह दी।

जैविक उपचार पर भी जोर

कृषि विभाग ने किसानों को केवल रासायनिक दवाओं पर निर्भर रहने के बजाय जैविक उपायों को भी अपनाने की सलाह दी है। माहू और अन्य कीटों के नियंत्रण के लिए नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और अग्निअस्त्र जैसे जैविक अर्क के उपयोग की जानकारी दी जा रही है। किसान जैविक दवाओं के लिए कालीमाटी, करेजा, वाघाटोला, मनेरी, नेवरवाही और अंधियाटोला स्थित बीआरसी केंद्रों से संपर्क कर सकते हैं। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे खेतों की नियमित निगरानी करें और कीट अथवा रोग का प्रकोप दिखाई देते ही कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क करें, ताकि समय रहते नियंत्रण के उपाय किए जा सकें।

यूरिया कम डालें, खेतों से पानी निकालें

अधिकारियों ने किसानों को धान में यूरिया का अनावश्यक एवं अधिक प्रयोग नहीं करने तथा खेतों में जलभराव की स्थिति होने पर जल निकासी सुनिश्चित करने की सलाह दी। विभाग ने स्पष्ट किया कि किसी भी दवा का उपयोग कृषि विशेषज्ञों की सलाह के बाद ही किया जाए। दवा खरीदते समय किसान पक्का बिल अवश्य लें।

अरहर की कतारबद्ध खेती का किया निरीक्षण

फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त दल ने लांजी के उन्नतशील किसान योगेश रामटेककर के खेत का भी निरीक्षण किया। यहां करीब एक हेक्टेयर क्षेत्र में कतारबद्ध पद्धति से लगाई गई अरहर की फसल का जायजा लिया गया। फसल में आर्मीवर्म यानी इल्ली का प्रभाव पाया गया। अधिकारियों ने इसके नियंत्रण के लिए जैविक तथा आवश्यकता के अनुसार रासायनिक उपचार की सलाह दी। दल ने कतारबद्ध एवं विविधीकृत खेती को प्रोत्साहित करते हुए किसान के प्रयास की सराहना की। इसके बाद नीमटोला निवासी उन्नतशील किसान गुलाबचंद बढ़ौया के खेतों का निरीक्षण किया गया। वे क्षेत्र में बहुफसलीय एवं फसल विविधीकरण के लिए पहचाने जाते हैं। उनके खेत में बैंगन, भिंडी, सुरन, अरबी, गेंदा और आम सहित विभिन्न फसलों की खेती की जा रही है। कृषि विभाग ने इसे आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने की दिशा में उपयोगी प्रयास बताते हुए अन्य किसानों को भी फसल विविधीकरण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

21 गांवों में पहुंचा कृषि अमला

विभागीय जानकारी के अनुसार 17 सितंबर को कृषि अमले ने बहेला, कटंगी ब, घंसा, मोहारा, कालीमाटी, नंदोरा, घोटी, केरेगांव, अमेड़ा ब, वारी, डोंगरगांव, दिघोरी, सिहारी, आवा-चुरली, भानेगांव, चिखलामाली, मोहझरी, कुम्हारीकला, पाथरगांव, दुलापुर और खरैंगांव सहित 21 गांवों का दौरा किया। विभाग ने बताया कि मैदानी अमले की सीमित संख्या के बावजूद अधिक से अधिक गांवों को प्रतिदिन कवर करने का प्रयास किया जा रहा है। फसल क्षति की वर्तमान स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी लगातार किसानों के बीच पहुंचकर फसल प्रबंधन संबंधी सलाह दे रहे हैं।

लांजी में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई भगवान विश्वकर्मा जयंती

डीके इंडस्ट्रीज में मशीनों और औजारों की पूजा, कर्मचारियों ने लिया प्रसाद

पद्मेश न्यूज। लांजी। शिल्प, वास्तुकला और निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती गुरुवार को लांजी नगर सहित क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। 17 सितंबर को मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर कारखानों, कार्यशालाओं, दुकानों और विभिन्न प्रतिष्ठानों में विशेष तैयारियां की गई थीं। सुबह से ही प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और सजावट के बाद भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नगर के आमगांव मार्ग स्थित खोंगल पेट्रोल पंप के पीछे डीके इंडस्ट्रीज में भी भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विशेष पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कारखाने में स्थापित भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा एवं चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की गई। कर्मचारियों ने भगवान विश्वकर्मा को फूल-माला अर्पित कर सुख-समृद्धि और कार्य में सफलता की कामना की। पंडित पंकज मिश्रा ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न कराई।

मशीनों और औजारों की हुई पूजा

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर डीके इंडस्ट्रीज में कार्य में उपयोग होने वाली मशीनों, उपकरणों और औजारों की भी विधिवत पूजा की गई। कर्मचारियों ने अपने कार्यस्थल और उपकरणों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए भगवान विश्वकर्मा से व्यवसाय में प्रगति और निरंतर सफलता की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद सभी उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

शिल्प और निर्माण के देवता हैं भगवान विश्वकर्मा

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्पकला और वास्तुकला का देवता माना जाता है। उन्हें देवताओं के भवनों, अस्त्र-शस्त्रों और विभिन्न दिव्य रचनाओं का निर्माता बताया गया है। धार्मिक कथाओं में भगवान विश्वकर्मा द्वारा द्वारिका नगरी, इंद्रप्रस्थ, स्वर्ण लंका, पुष्पक विमान, इंद्र का वज्र और भगवान शिव का त्रिशूल आदि के निर्माण का उल्लेख मिलता है। इसी कारण शिल्पकार, कारीगर, लोहार, बढ़ई, इंजीनियर, तकनीकी कर्मचारी, उद्योगों से जुड़े श्रमिक और वास्तुकला से जुड़े लोग भगवान विश्वकर्मा को अपना आराध्य एवं गुरु मानकर उनकी पूजा करते हैं।

मेहनत और हुनर का संदेश देता है पर्व

विश्वकर्मा जयंती केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि मेहनत, हुनर, तकनीक और रचनात्मकता के महत्व का संदेश भी देती है। इस दिन लोग अपने कार्यस्थल, मशीनों और औजारों की पूजा कर बेहतर कार्य और उन्नति की कामना करते हैं। मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना से व्यवसाय में प्रगति, समृद्धि और शुभ फल की प्राप्ति होती है। लांजी नगर में भी विभिन्न स्थानों पर विश्वकर्मा जयंती को लेकर उत्साह देखने को मिला। कारखानों और कार्यशालाओं में दिनभर पूजा-अर्चना का दौर चलता रहा। पर्व के माध्यम से कारीगरों, श्रमिकों और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों में आपसी एकता, समर्पण और अपने कार्य के प्रति सम्मान की भावना भी दिखाई दी।

सावरी खुर्द में ग्राम गौरव सम्मान समारोह कल

मेधावी विद्यार्थी, सैनिक परिवार, सेवानिवृत्त और नवागत कर्मचारी होंगे सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम सावरी खुर्द मिडिल स्कूल चौक में श्री गणेश मित्र मंडल समित द्वारा 19 अगस्त को शाम 7 बजे से ग्राम स्तर पर ग्राम गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम राजकुमार कर्राहे विधायक के मुख्यातिथ्य, झनकार किरनापुरे अभिनंदन लाइफ फाऊंडेशन लांजी के अध्यक्ष, ऋषि पटेल दशरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, विशाल राऊत खोंगल समाजसेवी के विशिष्टातिथ्य, विजय मस्करे पूर्व सरपंच चिचोली, किशोरीलाल पांचे की अध्यक्षता और सोहन उपराडे विधायक प्रतिनिधि, जीवनचंद लिल्हारे पुलिस पटेल, धर्मभूषण बनोठे जनपद प्रतिनिधि, मीना राजेश्वर लिल्हारे सरपंच बिरनपुर, सोहन नागपुरे पूर्व सरपंच बिरनपुर, गीता श्रावण दशरिया पूर्व सरपंच सावरी खुर्द, मानिकलाल पांचे पूर्व सरपंच व ग्राम के गणमान्य नागरिकों के आतिथ्य में होगा। इस समारोह में ग्राम पंचायत सावरी खुर्द, बोथीटोला, आसोलीटोला और टेकरीटोला के करीब 30 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। ये वे विद्यार्थी हैं जिन्होंने वर्ष 2024-25, 2025-26 में कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर गांव का गौरव बढ़ाया है। इसके साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों, सीमाओं पर तैनात सैनिकों के परिवारों तथा हाल ही में चयनित नवागत कर्मियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

बच्चे देंगे भक्ति गीतों पर प्रस्तुति

उक्त कार्यक्रम के दौरान ग्राम के नन्हें बच्चे भी भक्ति गीतों पर प्रस्तुति देकर समां बांधेंगे। उक्त

आयोजन में समीति के अध्यक्ष ईनुज लिल्हारे, उपाध्यक्ष तुषार लिल्हारे, सचिव सनम दशरिया, सदस्य अजय लिल्हारे, दीपक मस्करे, सुशांत लिल्हारे, यश फुल्हारे के अलावा अन्य ग्रामीणजनों ने शामिल होने की अपील किए हैं।

बाइक चोरी गिरोह का पर्दाफाश, पांच मोटरसाइकिलें जब्त

स्थानीय अपराध शाखा की कार्रवाई - बालाघाट जिले के दो आरोपी गिरफ्तार, तीसरे की तलाश

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में बढ़ती मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए स्थानीय अपराध शाखा ने कार्रवाई करते हुए बाइक चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने बालाघाट जिले के दो आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से कुल 2 लाख 17 हजार 500 रु. कीमत की पांच मोटरसाइकिलें जब्त की हैं. आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रावणवाड़ी पुलिस सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार, दासगांव बुजुर्ग निवासी सुखदेव कडू खरे ने 7 जुलाई 2026 रावणवाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया था कि 6 जुलाई की रात उनके घर के सामने पोर्च में खड़ी काले रंग की होंडा साइन मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया. इस मामले में रावणवाड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया था. मोटरसाइकिल चोरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के निर्देश तथा स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में टीम जांच और गश्त कर रही थी. इसी दौरान गुप्त सूचना व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जानकारी मिली कि बालाघाट जिले के फुटारा और शिवनघाट क्षेत्र के कुछ युवक गोंदिया जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मोटरसाइकिल चोरी में शामिल हैं. जिसके आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर बालाघाट जिले खैरलांजी तहसील के फुटारा निवासी वरुण जागेश खुलसाम (21) को हिरासत में लिया. पूछताछ में उसने बल्लारपुर निवासी नयन भानुप्रसाद ठाकरे (19) व शिवनघाट निवासी निखिल सुंदरलाल राहांगडाले (20) के साथ मिलकर दासगांव, रतनारा, दवनीवाड़ा, धामनेवाड़ा और गोरेगांव से पांच मोटरसाइकिल चोरी करने की जानकारी दी. जानकारी के आधार पर 2 लाख 17 हजार रु. कीमत की 5 मोटरसाइकिल जब्त की गई. आरोपी वरुण व नयन को जब्त मोटरसाइकिलों सहित आगे की कार्रवाई के लिए रावणवाड़ी पुलिस को सौंप दिया गया. मामले में तीसरे आरोपी की तलाश जारी है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे व स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद

बंद मकान का ताला तोड़कर 40 हजार की चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर के कुड़वा स्थित शारदा चौक परिसर में बंद मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने नकदी और सोने के आभूषण सहित करीब 40 हजार रु. का माल चोरी कर लिया. घटना की जानकारी 17 सितंबर को सामने आई. इस मामले में रामनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, कुड़वा निवासी फिर्यादी युगलकिशोर रुपचंद ठाकरे (49) ने बताया कि उनकी बड़ी बहन रामेश्वरी मुन्नालाल कटरे अपने परिवार के साथ बड़ी बेटी से मिलने पुणे गई थीं. इसी बीच 17 सितंबर को पड़ोसी सरिता धपाड़े ने रामेश्वरी को फोन कर बताया कि उनके घर का दरवाजा खुला दिखाई दे रहा है. जानकारी मिलने पर युगलकिशोर ठाकरे बहन के घर पहुंचे. वहां मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था. अंदर जाकर देखने पर बेडरूम में रखी लोहे की अलमारी का लॉक भी टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था.युगलकिशोर ने बहन से फोन पर घर में रखे सामान के बारे में जानकारी ली. रामेश्वरी ने बताया कि अलमारी के लॉकर में करीब 15 हजार रु. नकद, 3 ग्राम वजन के सोने के झुमके तथा 5 ग्राम वजन का सोने का हार रखा था. जांच करने पर नकदी और आभूषण गायब मिले. अज्ञात व्यक्ति ने 15 हजार रु. नकद, करीब 5 हजार रु. कीमत के सोने के झुमके और करीब 20 हजार रु. कीमत का सोने का हार ऐसा कुल 40 हजार रु. का माल चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस मामला दर्ज किया है।

बाघ के हमले में मृत राऊत के परिजनों से विधायक बडोले ने की मुलाकात

नरभक्षी बाघ को तत्काल खोजकर पिंजरे में कैद करने की मांग

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के वन विकास महामंडल क्षेत्र में बाघ के हमले में 72 वर्षीय वातू बकाराम राऊत की मौत के बाद क्षेत्र में शोक और भय का माहौल है. घटना के मद्देनजर अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा पूर्व मंत्री इंजि. राजकुमार बड़ोले ने बुधवार को झुरकुटोला स्थित मृतक राऊत के निवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और सांत्वना दी।

सड़क अर्जुनी तहसील के वन विकास महामंडल क्षेत्र के कंपार्टमेंट क्र. 524, जांभली-दोड के परिसर में मंगलवार को बाघ ने वातू बकाराम राऊत पर जानलेवा हमला किया था. इस हमले में उनकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक झुरकुटोला निवासी थे. घटना के बाद गांव सहित आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है. वन क्षेत्र से सटे गांवों में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा भी गंभीर हो गया है. घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक बड़ोले ने राऊत परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की. उन्होंने कहा कि अचानक हुई इस घटना से परिवार पर बड़ा संकट आया है. शासन के माध्यम से परिवार को तत्काल आवश्यक सहायता दिलाने के लिए वे प्रयास करेंगे. इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बताया कि मृतक के परिवार को शासन की ओर से 25 लाख रु. की सहायता मिलने वाली है. विधायक बड़ोले ने इस सहायता राशि को परिवार तक जल्द पहुंचाने के लिए गंभीरता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए. विधायक बड़ोले ने वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी उपाययोजना करने को कहा. इस अवसर पर पंस सभापति चेतन वडगाये, जिप सदस्य डा. भुमेश्वर पटले, काटेकुर्रा के सरपंच प्रशांत बालसनवार, विलास चव्हाण, रुपविलास कुरसुंगे, वन विभाग के कर्मचारी सूर्यवंशी, चव्हाण, राऊत परिवार के सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कनिष्ठ सहायक 4 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

गोंदिया पंचायत समिति में एसीबी की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पेंशन में हुई कटौती की राशि दिलाने और संशोधित पेंशन बिल मंजूर कराने के लिए रिश्वत मांगने वाले गोंदिया पंचायत समिति के कनिष्ठ सहायक संदीप शाहूराव सानप (31) को लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग (एसीबी) ने 17 सितंबर को रंगेहाथ गिरफ्तार किया. आरोपी ने शिकायतकर्ता से 5 हजार रु. की रिश्वत मांगी थी. इसमें से 1 हजार रु. पहले ही लेने के बाद शेष 4 हजार रु. लेते समय एसीबी ने उसे गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता जिला परिषद केंद्रीय प्राथमिक स्कूल दवनीवाड़ा से मुख्याध्यापिका पद से दिसंबर 2020 में सेवानिवृत्त हुई थीं. सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पंचायत समिति के शिक्षा विभाग से पेंशन मिल रही थी. पेंशन की राशि कम मिलने का पता चलने पर उन्होंने इसमें सुधार कर कटौती की राशि दिलाने के लिए पंचायत समिति शिक्षा विभाग में आवेदन किया था. इस काम के संबंध में वह पंचायत समिति के स्थापना विभाग में कार्यरत कनिष्ठ सहायक संदीप सानप से मिलीं. आरोप है कि सानप ने बताया कि उनका बिल 5 लाख रु. से अधिक का है और उसे मंजूर कराने के लिए 5 हजार रु. देने होंगे. उस समय शिकायतकर्ता के पास मौजूद 1 हजार रु. उसने ले लिए और शेष 4 हजार रु. चेक तैयार होने के बाद देने को कहा. रिश्वत देने की इच्छा नहीं होने के कारण शिकायतकर्ता ने 17 सितंबर को गोंदिया एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पंच और वॉइस रिकॉर्डर के साथ पंचायत समिति के स्थापना विभाग में रिश्वत मांगने की पुष्टि के लिए कार्रवाई की गई. इस दौरान सानप ने संशोधित पेंशन बिल का काम कर चेक देने के लिए शेष 4 हजार रु. की मांग की और रकम स्वीकार करने की तैयारी दर्शाई. इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया. शिकायतकर्ता को पंच के साथ रिश्वत की रकम देकर आरोपी के पास भेजा गया. सानप ने जैसे ही 4 हजार रु. स्वीकार किए, एसीबी टीम ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया. आरोपी के खिलाफ शहर थाने में मामला दर्ज किया गया. यह कार्रवाई एसीबी पुलिस निरीक्षक अरविंद राऊत के नेतृत्व व पर्यवेक्षक पुलिस उपअधीक्षक निलेश लोधी के मार्गदर्शन में एसीबी टीम ने की।

मासुलकसा जिप स्कूल की छत का स्लैब गिरा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी पंचायत समिति के अंतर्गत मासुलकसा स्थित जिला परिषद प्राथमिक स्कूल की एक कक्षा की छत का स्लैब गुरुवार, 17 सितंबर की दोपहर अचानक गिर गया. गनीमत रही कि स्कूल की इमारत जर्जर हालत को देखते हुए विद्यार्थी कक्षा के बाहर पेड़ के नीचे अथवा बरामदे में पढ़ रहे थे. इसके चलते बड़ा हादसा टल गया. घटना के बाद जिला परिषद स्कूलों की बदहाल इमारतों और विद्यार्थियों की सुरक्षा का मुद्दा फिर सामने आया है.

जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर स्कूल शुरू था. कुछ शिक्षक प्रशासनिक कार्य के लिए कक्षा में बैठे थे. इसी दौरान अचानक छत का स्लैब नीचे आ गिरा. सौभाग्य से किसी शिक्षक को चोट नहीं आई. यदि विद्यार्थी रोज की तरह कक्षा के अंदर बैठे होते और उसी समय स्लैब गिरता, तो बड़ी जनहानि हो सकती थी. इस आशंका से अभिभावकों और ग्रामीणों में चिंता के साथ आक्रोश है. मासुलकसा स्कूल में कक्षा पहली से चौथी तक पढ़ाई होती है. यहां करीब 40 विद्यार्थी और दो शिक्षक कार्यरत हैं. स्कूल की इमारत जर्जर स्थिति को लेकर ग्रामीणों और अभिभावकों द्वारा पहले भी शिक्षा विभाग तथा पंचायत समिति को कई बार जानकारी और शिकायतें दी गई थीं. इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है. ग्रामीणों का सवाल है कि क्या प्रशासनिक आश्वासन केवल कागजों तक सीमित रहेंगे और बच्चों की सुरक्षा इसी तरह खतरे में बनी रहेगी? ग्रामीणों ने कहा कि बच्चों के सिर पर सुरक्षित छत उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है. किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन जागेगा क्या?

सुरक्षित भवन नहीं मिला तो आंदोलन

मासुलकसा के ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक विद्यार्थियों के लिए नए और सुरक्षित भवन की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक तीव्र आंदोलन किया जाएगा. ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल स्कूल भवन का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

खेत से देशी शराब जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत शहारवानी-धानुटोला मार्ग पर स्थित खेत परिसर में पुलिस ने छापा मारकर 40 लीटर देशी शराब को जब्त किया. जब्त की गई शराब की कीमत 16 हजार रु. बताई गई है. हवलदार सोमेंद्रसिंह तुरकर पुलिस टीम के साथ अवैध व्यवसाय पर अंकुश लगाने के लिए गश्त कर रहे थे. तब शहारवानी निवासी उमेश मोतीराम मौजे (32) उन्हें शराब निकालते हुए मिला।

शराबी चालक पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत कोहमारा-गोंदिया टी-पाईंट में भजेपार निवासी आरोपी अर्जुन हरिभाउ चुटे मोटरसाइकिल को आड़ा-तिरछा चला रहा था. पुलिस ने उसे रोककर उसकी ब्रिथ एनालायजर से जांच की तो वह अल्कोहल युक्त पाया गया. फिर्यादी पुलिस उपनिरीक्षक रंजित मट्टामी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार उईके कर रहे हैं।

डोह में डूबने से 12वीं के छात्र की मौत

अस्थि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान नहाने के लिए पानी में उतरा था मयूर

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के पिंपलगांव-खांबी निवासी 12वीं कक्षा के छात्र मयूर युवराज ब्राम्हणकर (17) की साकोली तहसील के गडकुंभली स्थित डोह में डूबने से मौत हो गई. यह दर्दनाक घटना बुधवार, 17 सितंबर को हुई. मयूर के आकस्मिक निधन से पिंपलगांव-खांबी सहित पूरे परिसर में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, पिंपलगांव-खांबी के एक नागरिक के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मयूर गडकुंभली के डोह पर गया था. अस्थि विसर्जन का कार्यक्रम चल रहा था. इसी दौरान मयूर नहाने के लिए डोह के पानी में उतर गया. पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगने से वह अचानक डूब गया. मयूर के डूबने की जानकारी मिलते ही साथ मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया. घटना की सूचना संबंधित प्रशासन को दी गई, जिसके बाद खोज अभियान शुरू किया गया. काफी प्रयासों के बाद मयूर का शव डोह से बाहर निकाला गया. मयूर 12वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा था और अपने भविष्य को लेकर सपने संजोए हुए था. उसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. दोस्तों, शिक्षकों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

किसानों के लिए सहकार क्षेत्र को आधुनिक व मजबूत बनाने का प्रयास करूंगा - सांसद राजेंद्र जैन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आज वैभव लॉन, गोंदिया में गोंदिया सहकारी शेतकी खरेदी-विक्री समिति लिमिटेड, गोंदिया की आयोजित आमसभा में सांसद श्री राजेंद्र जैन ने उपस्थित होकर संचालक मंडल, पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संबोधित किया. इस अवसर पर सांसद राजेंद्र जैन ने कहा कि आने वाले वर्षों में जिले के किसानों के व सामान्य नागरिकों के हित में सहकार क्षेत्र को अधिक मजबूत, आधुनिक एवं आदर्श बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे. सहकारी संस्थाएं किसानों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए उन्हें समय के अनुरूप सक्षम एवं सुदृढ़ बनाना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि संचालक मंडल एवं पदाधिकारियों के प्रति सदस्यों द्वारा व्यक्त किया गया विश्वास उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है. इस विश्वास को कायम रखते हुए संस्था को प्रगति के पथ पर आगे ले जाना सभी संचालक मंडल की सामूहिक जिम्मेदारी है. आमसभा में अध्यक्ष कैलासचंद्र हरिणखेडे, उपाध्यक्ष पन्नालाल सहारे, दीपक कदम, केतन तुरकर, संजय टेंभरे, संचालक चैनलाल धामडे, संचालक उमेंद्र भेलावे, संचालक राहुल यादव, संचालक मंगल ठाकरे, संचालक योगेश तुरकर, संचालक महेंद्र कटारे, संचालक वजीर बिसेन, संचालक रामराज खरे सहित संचालक मंडल व सभासद बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वन वासियों को मिलेगा आजीविका का अधिकार

प्रशिक्षण के लिए 21 को कार्यशाला

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जंगल क्षेत्र के गांवों में निवास करने वाले वन निवासी तथा सामूहिक वन अधिकार ग्रामों में वहां के निवासियों को जंगलों पर आधारित आजीविका तथा प्राकृतिक संवर्धन करने का अधिकार मिलेगा. इसके लिए शासन ने परिपत्रक जारी कर संबंधित सामुहिक वन अधिकार समिति के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने की योजना तैयार की है. संबंधित समिति के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी 21 सितंबर को किया गया है. इस तरह का पत्र भी एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प गोंदिया की ओर से निकाला गया है। उल्लेखनीय है कि गोंदिया जिला वन संपदा से संपन्न है. जिले के अधिकांश गांव घने जंगलों में बसे हुए है. इतना ही नहीं तो नवेगांव-नागझिरा अभयारण्य तथा बफर जोन क्षेत्र में सैकड़ों ग्रामों का समावेश है. यहां के निवासी अधिकतर जंगलों पर अपनी आजीविका चलाते है. जैसे सामूहिक वन अधिकार समिति के माध्यम से तेंदूपत्ता संकलन, गोंद, महुआ फुल, वन औषधी, गौण खनिज आदि का संकलन कर अपनी आजीविका चलाते हैं. शासन ने अनुसूचित जनजाति तथा पारंपारिक वन निवासियों को अधिकार देने के लिए सामूहिक वन अधिकार समितियों की स्थापना की है. इन समितियों के माध्यम से अनेक अधिकार दिए जा रहे है. इसी कड़ी में प्रशासन ने अनुसूचित जनजाति तथा पारंपारिक वन निवासियों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए शाश्वत आजीविका साधन, प्राकृतिक साधन संपत्ति का संवर्धन, संरक्षण तथा शाश्वत उपाय योजना के लिए प्रारूप नियोजन करने का प्रस्ताव पारित किया है. इसके लिए संबंधित ग्रामों के वन अधिकार समिति, सामूहिक प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष व खजिनादार को प्रशिक्षण देने का नियोजन तैयार किया गया है. 21 सितंबर को उपरोक्त सभी पदाधिकारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

एसपी कार्यालय में प्रबोधनकार ठाकरे की जयंती मनाई

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार वर्ष 2026 में राष्ट्रपुरुषों, महान व्यक्तियों, संतों व समाज सुधारकों की जयंती शासकीय कार्यालयों में मनाई जा रही है. इसी क्रम में 17 सितंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय गोंदिया में केशव सीताराम ठाकरे उर्फ प्रबोधनकार ठाकरे की जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोंदिया गोरख भामरे ने प्रबोधनकार ठाकरे की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया. कार्यक्रम में प्रभारी पुलिस उपअधीक्षक (मुख्यालय) सुनील दरेकर सहित गोंदिया पुलिस विभाग के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व मंत्रालयीन कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में मासूम बच्ची समेत तीन घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी-आमगांव मार्ग पर त्रिमूर्तीनगर बस स्टैंड के पास गुरुवार, 17 सितंबर की शाम करीब 4 बजे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई. दुर्घटना में तीन वर्षीय मासूम बच्ची समेत तीन लोग घायल हो गए. घायलों को जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य महाराज की एंबुलेंस की मदद से देवरी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया.

जानकारी के अनुसार, सावली निवासी महेंद्र किसन नागोसे (40), कांता सुखदेव राऊत (60) व तीन वर्षीय कानिका सतीश राऊत मोटरसाइकिल क्र. एमएच 40 - एजे 8861 से देवरी से अपने गांव जा रहे थे. इसी दौरान त्रिमूर्तीनगर बस स्टैंड के पास चालक का दुचाकी से नियंत्रण छूट गया और वाहन सड़क के डिवाइडर से जा टकराया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सवार तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए. हादसे में मासूम बच्ची के घायल होने से मौके पर मौजूद लोगों में चिंता फैल गई. तीनों को तत्काल देवरी ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है. देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

कैश लाओ, फिर सामान ले जाओ

यूपीआई भुगतान पर शुल्क की नई व्यवस्था से दुकानों से हटने लगे क्यूआर कोड, चाय-फल विक्रेताओं तक ने यूपीआई लेने से किया इनकार

नई दिल्ली/भोपाल। केंद्र सरकार ने आगामी 15 अक्टूबर से दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की व्यवस्था की घोषणा की है। लेकिन इससे पहले ही देशभर में इसका असर दिखने लगा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हो या रा`यों की राजधानी या अन्य शहर लगभग हर जगह यूपीआई भुगतान पर शुल्क की नई व्यवस्था का असर बाजारों में दिखाई देने लगा है। गुरूवार को बाजारों में कई दुकानदार क्यूआर कोड हटाने और नकद भुगतान पर जोर देने की बात कहते मिले। एक किराना दुकानदार ने यहां तक कहा दिया कि कैश लाओ, फिर सामान ले जाना। इसी तरह के हालात चाय स्टॉल और फल विक्रेताओं के यहां भी दिखाई दिए जिन्होंने यूपीआई से भुगतान लेने से इन्कार कर दिया। दरअसल केंद्र सरकार ने आगामी 15 अक्तूबर से दो हजार रुपये तक के व्यक्ति से व्यापारी को होने वाले यूपीआई भुगतान को शुल्क मुक्त रखने और इससे अधिक के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की व्यवस्था की घोषणा की है। इसकी अधिकतम सीमा ×00 रुपये होगी। महीने में एक लाख रुपये से कम यूपीआई भुगतान लेने वाले कारोबारियों को इससे बाहर रखा गया है, लेकिन अलीगढ़ के दुकानदारों ने इस पर नाराजगी जताई है। कई शहरों में तो उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने आपात बैठक में आंदोलन करने का फैसला तक ले लिया। यह जानकारी कुछ ही देर में शहर के लगभग सभी बाजारों तक पहुंच गई जिसके बाद दुकानों से क्यूआर कोड हटने का सिलसिला शुरू हुआ। व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन भुगतान के कारण पहले ही कारोबार प्रभावित हो रहा है। अगर कोई ग्राहक पांच हजार रुपये की खरीदारी करता है तो उस पर एमडीआर का भार भी व्यापारी पर आएगा। इसी तरह किराना कारोबारी पवन सोनी ने कहा कि व्यापारी थोक बाजार से माल खरीदने में भी ऑनलाइन भुगतान करते हैं। त्योहार का सीजन शुरू होने वाला है, ऐसे में नई व्यवस्था से परेशानी बढ़ सकती है। भोपाल में कचौड़ी विक्रेता सुरेश ने यहां तक कहा कि उनके यहां नकद से ज्यादा ऑनलाइन भुगतान आता है। ग्राहक जेब में ज्यादा नकद लेकर बाजार नहीं आते। ऐसे में क्यूआर कोड हटने पर ग्राहक और दुकानदार दोनों के लिए भुगतान का तरीका बदल जाएगा।

मेरी आदत बन गई यूपीआई, अब रखना पड़ेगा पर्स

इंदौर में एक दुकान से दवाएं खरीद रहे राजेंद्र कुमार ने कहा कि यूपीआई पेमेंट उनकी आदत बन गया है। वे घर से बिना पर्स निकलते हैं और उन्हें पर्स चोरी या गिरने का डर नहीं रहता है। दिल्ली में सरकार ने फैसला लिया है और एक ही दिन में अंतर देखिए कि दुकानों से लौटा रहे हैं। अब मुझे रोजाना घर से निकलते समय पर्स रखने का तनाव रहेगा। इसी तरह भोपाल निवासी पंकज ने कहा कि अब जेब में `यादा नकद रखने की जरूरत नहीं पड़ती। छोटी से लेकर बड़ी खरीदारी तक मोबाइल से भुगतान हो जाता है, लेकिन अब उन जैसे सभी ग्राहकों को नकद का इंतजाम भी करना पड़ेगा।

व्यापारियों का कहना है कि यूपीआई से भुगतान ने खरीदारी आसान कर दी है। कई ग्राहक बिना नकद के बाजार पहुंचते हैं और मोबाइल से भुगतान कर देते हैं।

एशियाई खेलों से वरुण चक्रवर्ती बाहर, विप्रज निगम शामिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने से एशियाई खेलों और जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 मैच के लिए टीम में युवा स्पिन ऑलराउंडर विप्रज निगम को शामिल किया है। विप्रज का पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। वरुण खिंचाव की समस्या से जूझ रहे थे, इस चोट के कारण वह जापान दौरे और आगामी एशियाई खेलों, दोनों से बाहर हो गए हैं। उनकी अनुपस्थिति टीम के लिए एक झटका है, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में उनकी अनुभव और विविधताओं को देखते हुए। हालांकि यह विप्रज के लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले

24 वर्षीय विप्रज एक प्रभावी स्पिन ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने अपनी गेंदबाजी से विकेट निकालने और निचले क्रम में तेजी से रन बनाने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स का भी हिस्सा हैं, जहां वह 2025 में टीम से जुड़े थे। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम में जगह मिली है। वहीं, तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी, जिन्हें पहले 2023 एशियाई खेलों के लिए भारत की टी20 टीम में शामिल किया गया था, को अब इस स्क्वॉड से मुक्त कर दिया गया है। इसका कारण है कि नितीश को 27 सितंबर से शुरू होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। यह निर्णय उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग प्रारूप में अपनी क्षमताओं को साबित करने का मौका देगा और संभवतः उनके भविष्य के लिए एक रणनीतिक कदम है, जहां बोर्ड उन्हें 50 ओवर के क्रिकेट में आज़माना चाहता है। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। पिछले एशियाई खेलों में बोर्ड ने एक दूसरे दर्जे की टीम भेजी थी पर इस बार, बोर्ड ने मुख्य खिलाड़ियों को ही मौका देकर इस टूर्नामेंट के प्रति अपनी गंभीरता का प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों के लिए टीम इंडिया का अपडेटेड स्क्वॉड

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, विप्रज निगम।

भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी स्थल बदलने की पाकिस्तान की मांग ठुकरायी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कहा है कि 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के स्थल में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और ये टूर्नामेंट भारत में ही खेला जाएगा। हॉकी इंडिया का ये बयान पाकिस्तान को लेकर है जिससे सुरक्षा कारणों से उसके मैचों को भारत से बाहर रखने की मांग की है। मैच स्थल बदलने को लेकर पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के अध्यक्ष मोहउद्दीन अहमद ने एशियन हॉकी फेडरेशन (एएचएफ) में भी अपील की है। उनकी मांग है कि या तो पूरे टूर्नामेंट को भारत से बाहर किसी अन्य देश में स्थानांतरित कर दिया जाए, या कम से कम पाकिस्तानी टीम के मैचों को किसी तटस्थ स्थान पर आयोजित किया जाए। अहमद ने भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्तों को देखते हुए पाक पाकिस्तानी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थीं और स्थल बदलने की मांग भी रखी थी।

हॉकी इंडिया के सचिव भोलानाथ सिंह ने पाकिस्तान की इन मांगों को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने साफ कहा कि स्थल में कोई बदलाव नहीं होगा। भोलानाथ ने कहा, अगर पाक को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना है, तो उन्हें भारत आकर ही खेलना होगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान टीम भारत आने से इनकार करती है, तो ओमान और बांग्लादेश जैसे देश उसकी जगह लेने के लिए तैयार हैं। यह भारत का स्पष्ट संदेश है कि टूर्नामेंट के कार्यक्रम और स्थान में कोई हेरफेर नहीं किया जाएगा।

यह मामला इससे पहले भी उठा था। तब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि पाकिस्तान की टीम इस टूर्नामेंट में भाग लेगी। हालांकि, एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के एक अधिकारी ने हाल ही में कहा है कि उनकी टीम को भारत जाने के लिए, अभी तक अपनी सरकार से अनुमति नहीं मिली है, जिससे उनकी भागीदारी पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं।

पाकिस्तान का यह रवैया नया नहीं है। पिछले साल, उसने तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में भाग लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद, उसने इसी तरह के बहाने बनाकर एशिया कप से भी अपना नाम वापस ले लिया था।

पंड्या को फिटनेस और वर्कलोड के कारण नहीं मिली भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को उस समय झटका लगा जब वेस्टइंडीज के खिलाफ इस माह के अंत में शुरु हो रही एकदिवसीय और टी20 टी20 सीरीज के लिए, भारतीय टीम में अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली जबकि लंबे समय से चोटों और फिटनेस संबंधी चिंताओं से जूझ रहे हार्दिक की इस सीरीज के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीद थी पर चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में शामिल नहीं किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी फिटनेस और गेंदबाजी के वर्कलोड से जुड़ी सीमाएं ही उनके बाहर रहने की सबसे बड़ी वजह हैं।

यह वेस्टइंडीज दौरा भारत के लिए तीन एकदिवसीय और पांच टी20इ मैचों का होगा, जो भारतीय चयनकर्ताओं के लिए 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों और खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगी, जिसके बाद मुकाबले गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। वहीं, टी20 सीरीज 6 अक्टूबर को लखनऊ में होगा। हार्दिक का चयन न होने पर उनके प्रशंसकों में सवाल उठने लगे थे, क्योंकि बीसीसीआई की ओर से उनके बाहर रहने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई थी, जिससे कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार, हार्दिक अभी एक मुकाबले में छह ओवर से ज्यादा गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। उनकी यह शारीरिक सीमा टीम चयन में एक बड़ी बाधा बनकर सामने आई है। भारतीय टीम में हार्दिक सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर की अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर एकदिवसीय क्रिकेट में उनसे पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने और पूरे 50 ओवर तक मैदान पर उपस्थित रहने की उम्मीद की जाती है। चयनकर्ता चाहते हैं कि हार्दिक वरिष्ठ टीम में वापसी से पहले इस वर्कलोड को आराम से संभालने में सक्षम हों, ताकि उनकी वापसी दीर्घकालिक और प्रभावी हो सके। उनकी लगातार चोटों का इतिहास देखते हुए, चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।

वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर होने के बावजूद, हार्दिक पंड्या को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अक्टूबर में शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला उनके वर्कलोड और फिटनेस पर करीब से नजर रखने के उद्देश्य से लिया गया है। इस दौरे के दौरान चयनकर्ता यह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि हार्दिक बिना किसी परेशानी के पूरे 10 ओवर गेंदबाजी कर सकें और पूरे 50 ओवर तक फील्डिंग की चुनौतियों का सामना कर सकें। एक बार जब वह इन मानदंडों को पूरा कर लेंगे, तभी उन्हें भारतीय टीम में दोबारा शामिल करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। यह कदम उनके करियर को देखते हुए एक सतर्क और रणनीतिक फैसला प्रतीत होता है, ताकि वह भविष्य में टीम के लिए पूरी क्षमता से योगदान दे सकें और एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में अपनी जगह फिर से मजबूत कर सकें।

निशानेबाज अनीश को एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज अनीश भानवाला को 19 सितंबर से जापान में शुरू होने वाले एशियाई खेलों में अपने बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय खेल प्रतियोगिता के पिछले दो संस्करणों में मिले अनुभव के बाद, वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। अनीश ने साल 2018 के एशियाई खेलों के टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था। अनीश ने कहा कि वह मेरे लगातार तीसरे एशियाई खेल होंगे, और उन सभी अनुभवों के साथ, मैं इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। अनीश ने कहा कि हालांकि वह अभी 24 साल के हैं, लेकिन अभी उनका खेल जीवन काफी लंबा है। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों ट्रेनिंग कैंप पूरे हो चुके हैं और सब कुछ तैयार है। वहीं शूटिंग के दिग्गज और कई बार कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले निशानेबाज जसपाल राणा पर लिखी किताब को लेकर उन्होंने कहा कि आज जसपाल की किताब मैवरिक जसपाल का लॉन्च एक बहुत ही भावुक पल था।

वाराणसी में भी होंगे डब्ल्यूपीएल के लीग मुकाबले

वाराणसी। आने वाले समय में वाराणसी में भी महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले हो सकते हैं। इसके अलावा आईपीएल मुकाबले होने की भी संभावना बन सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार कलात्मक थीम पर बने वाराणसी के अत्याधुनिक स्टेडियम में इन मैचों का आयोजन होगा। इससे उत्तर प्रदेश की उभरती प्रतिभाओं को लाभ मिलने के साथ ही यहां तेजी से खेल का विकास होगा।

डब्ल्यूपीएल संचालन परिषद की हाल में हुई बैठक में मुंबई (सीसीआई) और वडोदरा के साथ वाराणसी को भी लीग के आगामी सत्र के लिए संभावित आयोजन स्थलों के रूप में रखा गया है। ये मैच अगले साल जनवरी और फरवरी में आयोजित होने हैं, जबकि आईपीएल का आयोजन मार्च से मई तक होता है। मुंबई और वडोदरा को 2027 में होने वाली आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबलों की मेजबानी भी करनी है, ऐसे में संभावना है कि वाराणसी को लीग के अधिक मैचों की मेजबानी मिल सकती है। यह वाराणसी के गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो अभी अपने अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही क्रिकेट के रोमांच के लिए तैयार माना जा रहा है।

बीसीसीआई की योजना के अनुसार, इस नए नये स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मैचों की शुरुआत से पहले, सबसे पहले घरेलू स्तर पर रणजी ट्रॉफी के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। यह अक्टूबर-नवंबर के आसपास हो सकता है, जिससे नई पिच और मैदान की गुणवत्ता तथा तैयारियों का गहराई से आकलन किया जा सके। रणजी ट्रॉफी के आयोजन से स्टेडियम की सुविधाओं और संचालन की दक्षता का भी अंदाजा हो जाएगा।

रणजी ट्रॉफी के सफल आयोजन के बाद ही, वाराणसी को इन मैचों की मेजबानी सौंपी जाएगी। डब्ल्यूपीएल को रणजी ट्रॉफी से अधिक महत्व इसलिए दी दिया जा रहा है क्योंकि इसमें देश और विदेश की शीर्ष महिला क्रिकेटर हिस्सा लेती हैं, जो दर्शकों के लिए एक बड़ा आकर्षण होती हैं। लीग के मुकाबलों का सफल आयोजन होने से वाराणसी के स्टेडियम को आईपीएल जैसे बड़े और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए अवसर मिलेगा। अगर सब कुछ उम्मीद के मुताबिक रहा तो वाराणसी में बनकर तैयार हो चुके इस स्टेडियम में अगले साल जनवरी से मार्च के बीच आयोजित होने वाले लीग के मुकाबले खेले जा सकते हैं।

सोनल दिनुशा बने आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के उभरते हुए ऑलराउंडर सोनल दिनुशा को अगस्त महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना है। सोनल ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को हार से बचाया था। भारत के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज (डब्ल्यूटीसी) से पहले श्रीलंका के लिए, केवल तीन टेस्ट मैच खेलने वाले इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने दो मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाए। दिनुशा ने सीरीज में 140 की बेमिसाल औसत से 420 रन बनाये थे जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा था। आईसीसी अवार्ड मिलने से उत्साहित दिनुशा ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है, खासकर मेरे करियर की शुरुआत में ही, और मैं इस सम्मान के लिए आईसीसी का सचमुच आभारी हूं। भले ही भारत के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हार का सामना करना पड़ा था पर दिनुशा ने पहली पारी में 100 और दूसरी पारी में 84 रन बनाए थे।

वहीं, दूसरे टेस्ट में जब मेजबान टीम सीरीज में क्लीन स्वीप से बचने के लिए संघर्ष कर रही थी, तब दिनुशा ने दोनों पारियों में शतक 103 और नाबाद 133 लगाकर मैच को ड्रॉ करा दिया। दिनुशा ने आगे कहा, भारत के खिलाफ खेली गई सीरीज मेरे दिल में हमेशा एक खास जगह रखेगी। तीन शतक लगाना एक सपना सच होने जैसा था, और कोलंबो और गाले में अपने घरेलू दर्शकों के सामने इन्हें बनाना इसे और भी खास बनाता है। हालांकि, हमें वह परिणाम नहीं मिला जिसकी हमें उम्मीद थी, लेकिन दूसरे मैच में हमारी टीम ने जिस तरह से वापसी की, उससे हमारी टीम का जज्बा, भरोसा और दृढ़ संकल्प दिखाई दिया। मुझे गर्व है कि मैंने अपने साथियों के साथ मिलकर वह संघर्ष किया। दिनुशा ने पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ हुई घरेलू सीरीज में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। इस ऑलराउंडर ने बहुत कम समय में ही टेस्ट क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनायी है। उन्होंने कहा, श्रीलंका का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए, एक सम्मान की बात है जिसे मैं कभी हल्के में नहीं लेता, और यह पहचान मुझे सीखते रहने, बेहतर बनने और टीम में योगदान देने के लिए और भी ज्यादा प्रेरित करती है। मैं आने वाले महीनों और वर्षों में श्रीलंका के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहूंगा।

डेविस कप 2026 के फाइनल 8 में पहुंचने भारत को दक्षिण कोरिया पर दर्ज करनी होगी जीत

सियोल। भारतीय टेनिस टीम इस सप्ताह के अंत में डेविस कप 2026 क्वालिफायर के दूसरे दौर में दक्षिण कोरिया का सामना करेगी। शुक्रवार और शनिवार को सियोल के ओलंपिक टेनिस सेंटर में हार्ड कोर्ट पर होने वाले इस मुकाबले में जीत के आधार पर ही उसे विश्व कप फाइनल 8 में जगह मिलेगी। फाइनल नवंबर में इटली के बोलोग्ना में रखा गया है। इस दौरान डेविस कप रैंकिंग में 19वें स्थान पर कायम भारतीय टीम 16वें नंबर की दक्षिण कोरियाई टीम को टक्कर देगी। इससे भारतीय टीम के पास पहली बार फाइनल 8 में पहुंचने का यह एक शानदार अवसर है। इस मुकाबले की शुरुआत शुक्रवार को एकल स्पर्धाओं से होगी। इसके 367 वें रैंकिंग वाले दक्षिणेश्वर सुरेश का मुकाबला दक्षिण कोरिया के क्वोन सून-वू से होगा। इसके बाद 247 वीं रैंकिंग वाले भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त एकल खिलाड़ी सुमित नागल का सामना पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनलिस्ट चुंग ह्योन से होगा। ये दोनों मैच भारत के लिए शुरुआती बढ़त बनाने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होंगे। शनिवार की शुरुआत युगल मैच से होगी, जिसमें भारत की एन. श्रीराम बालाजी और निकी कल्याड़ा पूनाचा की जोड़ी दक्षिण कोरिया के नाम जी-सुंग और पार्क उई-सुंग की जोड़ी से खेलेगी। भारतीय जोड़ी में श्रीराम बालाजी विश्व रैंकिंग में 49वें और पूनाचा 89वें स्थान पर हैं। टीम को हालांकि शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी की कमी खलेगी, जो जांघ की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह पूनाचा को टीम में शामिल किया गया है। यदि मुकाबला निर्णायक स्थिति तक पहुंचता है, तो रविवार को दो रिवर्स एकल मैच खेले जाएंगे। इनमें सुमित नागल पहले रिवर्स एकल मैच में क्वोन सून-वू के खिलाफ अपना कौशल दिखाएंगे, जिसके बाद पांचवें और आखिरी मैच में दक्षिणेश्वर सुरेश का सामना चुंग ह्योन से होगा। भारत ने इससे पहले क्वालिफायर में अपनी जगह फरवरी में बेंगलुरु में नीदरलैंड्स को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर बनाई थी।

एशियाई खेलों में भारत को कई स्वर्ण पदक मिलन की उम्मीदें

नई दिल्ली। 19 सितंबर से जापान में शुरु होने जा रहे एशियाई खेलों में भारत को भी काफी पदकों की उम्मीद है। उसके कई खिलाड़ी स्वर्ण के भी दावेदार हैं। एशियाई खेलों में साल 2022 में भारत ने 28 स्वर्ण सहित कुल 106 पदक जीते। इस बार, भारतीय दल का लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय दल पिछली उपलब्धियों को दोहराते हुए अपने स्वर्ण पदकों की संख्या को भी बढ़ाना चाहता है। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें इस बार भी अपने खिताब बचाये रखन चाहेंगी। इसी प्रकार भारतीय कबड्डी टीम भी विजेत न होने के कारण स्वर्ण पदक बरकरार रखने की पूरी उम्मीद करेंगी। इसे अलावा कई व्यक्तिगत एथलीट भी हैं जिनसे स्वर्ण पदक की उम्मीदें हैं।

कंपाउंड तीरंदाजी में भारत की सबसे मजबूत दावेदार ज्योति सुरेखा वेन्नम हैं, जिन्होंने 2022 हांगझोऊ गेम्स में तीन स्वर्ण पदक जीते थे। उनके साथ, धीरज बोम्मादेवरा ने तीरंदाजी विश्व कप जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बनकर इतिहास रचा है, और 2026 अंताल्या विश्वकप में भी स्वर्ण पदक जीता है। इससे वह पुरुष रिकर्व तीरंदाज के तौर पर एक प्रमुख दावेदार बन जाते हैं। वहीं बैडमिंटन में, पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं और कई पदक जीते हैं, और अब एशियन गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सूची में अगला लक्ष्य होगा। पुरुषों के एकल में लक्ष्य सेन भी स्वर्ण के मजबूत उम्मीद हैं। उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक पदक जीता था और उसी साल थॉमस कप जीतने में भी अहम भूमिका निभाई थी।

वहीं निशानेबाज में, मनु भाकर से भी स्वर्ण की उम्मीदें हैं। वह भारत की एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। उनके साथ, ईशा सिंह भी अच्छी फॉर्म में हैं। ईशा महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में दुनिया की नंबर 1 और 10 मीटर एयर पिस्टल में नंबर 2 खिलाड़ी हैं। उन्होंने हांगझोऊ में दो व्यक्तिगत रजत पदक और एक टीम स्वर्ण पदक भी जीता था। वेटलिफ्टिंग में, मीराबाई चानू, 49 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण की प्रबल दावेदार हैं। कुश्ती में, सुजीत कलकल 65 किलोग्राम वर्ग, और अमन सेहरावत, 57 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक के दावेदार हैं।

एथलेटिक्स में, अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेजर में पदक प्रबल दावेदार हैं। इससे साफ है कि भारत को इन खेलों में कई पदक मिल सकते हैं।

साई ने भारतीय जुडोकाओं के लिए विदेशी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया

नई दिल्ली। भारतीय जुडोकाओं के लिए जापान में प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने की है। इससे उन्हें एशियाई खेलों के साथ ही बाकू में होने वाली विश्व जूडो चैंपियनशिप की तैयारियों में भी सहायता मिलेगी। भारतीय सीनियर जूडो टीम के लिए जापान की त्सुकुबा यूनिवर्सिटी में विदेशी प्रशिक्षण शिविर की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। 14 सदस्यों का एक भारतीय दल 2 अक्टूबर तक सुकुबा यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल ट्रेनिंग (प्री-गेम्स) प्रोग्राम में हिस्सा ले रहा है, जिसमें 11 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 10 महिला एथलीट) और 3 कोच शामिल हैं। इन 11 जूडो खिलाड़ियों में से तीन, अस्मिता डे (महिला -48 किग्रा), यामिनी मौर्य (महिला -57 किग्रा) और तखेलंबम इनुंगनबी (महिला -70 किग्रा) एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा हैं। अस्मिता 30 सितंबर को मुकाबला करेंगी, जबकि यामिनी और इनुंगनबी 1 अक्टूबर को नागोया के आइची इंटरनेशनल एरिना (आईजी एरिना) में मैट पर उतरेंगी।

विदेश में ट्रेनिंग का यह कैंप इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एशियाई खेलों के बाद 4 से 11 अक्टूबर तक बाकू में विश्व जूडो चैंपियनशिप होगी। बाकू टूर्नामेंट में कुल 10 जूडो खिलाड़ी (1 पुरुष और 9 महिलाएं) हिस्सा ले रहे हैं।

सुकुबा यूनिवर्सिटी में फिलहाल ट्रेनिंग लेने वालों में पुरुषों में हर्ष सिंह (60 किग्रा) शामिल हैं, जबकि महिला स्क्वाड में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट अस्मिता डे (48 किग्रा), श्रद्धा चोपड़े (52 किग्रा), एल. नुंगशिथोई चानू (52 किग्रा), यामिनी मौर्य (57 किग्रा), लिंथोई चानंबम (63 किग्रा), ऊन्नति शर्मा (63 किग्रा), हिमांशी टोकस (63 किग्रा), तखेलंबम इनुंगनबी (70 किग्रा), केएच ताइबंगनबी (70 किग्रा) और इशरूप नारंग (78 किग्रा) शामिल हैं।

एशिया कप बार बार बेइज्जत हुए नकवी के समर्थन में आये पूर्व पाक क्रिकेटर

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख मोहसिन नकवी को बार-बार बेइज्जत होने की आदत सी पड़ गयी है। पिछले एक साल में ही दो बार भारतीय टीम ने उनसे ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया पर वह अभी तक सुधरने का नाम नहीं ले रहे। वहां तक की वह जानते थे कि उनसे ट्रॉफी नहीं ली जाएगी फिर उन्होंने ये जिम्मेदारी किसी और को नहीं दी। वहीं पाक के मीडिया और दिग्गज क्रिकेटरों ने नकवी का समर्थन करते हुए कहा कि उनका ही ट्रॉफी देने का अधिकार है। साथ ही भारतीय बोर्ड के उन्हीें घमंडी कहा है।

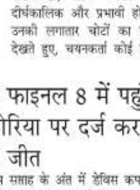

भारतीय महिला टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से करारी शिकस्त देकर रिकॉर्ड आठवीं बार यह खिताब अपने नाम किया। मैच समाप्त होने के बाद जब पुरस्कार वितरण समारोह का समय आया, तो उपविजेता श्रीलंका को उनके पदक और पुरस्कार राशि प्रदान की गई। लेकिन जब विजेता टीम भारत की बारी आई, तो भारतीय खिलाड़ियों ने मंच पर जाने से साफ इनकार कर दिया। लंबे इंतजार और असमंजस की स्थिति के बाद नकवी बिना ट्रॉफी प्रदान किए ही स्टेडियम से बाहर चले गए, और भारतीय टीम बिना स्टेज पर एए वापस लौट गई।

वहीं एक साल पहले पिछले पुरुष एशिया कप में भी भारतीय टीम ने उनके हाथों से ट्रॉफी लेने से हंकार किया था। किसी संस्था के प्रमुख के हाथों से ट्रॉफी न लेना एक बड़ी बेइज्जती मानी जाती है। वहीं इस घटना पर पाकिस्तानी मीडिया और कुछ पूर्व क्रिकेटरों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं, जो पाकिस्तान की रही-सही इज्जत भी उतारती नजर आईं। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए नकवी की तारीफ की और भारतीय टीम को घमंडी बताया। यूसुफ ने मोहसिन नकवी के नाम का सहारा लेकर भारत के खिलाफ जहर उगलने का कोई मौका नहीं छोड़ा, जो कि उनकी पुरानी आदत रही है। ये वही मोहम्मद यूसुफ हैं, जिनका असली नाम यूसुफ योहाना था और वे ईसाई धर्म का पालन करते थे पर उन्होंने पाकिस्तान की कप्तानी पाने की चाहत में उन्होंने अपना धर्म तक बदल लिया था पर फिर भी उन्हें कप्तानी नहीं मिली।

भुवनेश्वर बोले, अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने का अंदेशा पहले ही हो गया था

मुम्बई । अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा है कि उन्हें अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के समाप्त होने का पहले ही अंदाजा हो गया था। इसी कारण अब वह चयनसमिति के फैसलों से वह दुखी नहीं होते। भुवनेश्वर लंबे समय से भारतीय टीम से दूर हैं और घरेलू व लीग क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि उनके मन में अभी भी देश के लिए दोबारा खेलने की तीव्र इच्छा है पर अब वह चयनकर्ताओं के फैसलों से वह दुखी नहीं होते। वहीं पहले टीम में जगह नहीं मिलने पर झटका लगता था। भुवनेश्वर ने साल 2026 आईपीएल सत्र के बाद भारतीय टीम में वापसी के प्रयासों को और तेज कर दिया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दो आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जहां 2025 की खिताबी जीत में उन्होंने 17 विकेट लिए और 2026 सीज़न में 28 विकेट लिए। आईपीएल के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए यूपी टी20 लीग में लखनऊ फाल्कन्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाया और सेमीफाइनल में केवल 10 रन देकर चार विकेट लेकर अपनी अच्छी लय साबित कर दी। उनके इन प्रदर्शनों से यह साबित होता है कि उनमें अब भी बड़े स्तर पर प्रभाव छोड़ने की क्षमता है। भुवनेश्वर ने नवंबर 2022 के बाद टीम इंडिया से बाहर होने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि टीम प्रबंधन के साथ हुई कुछ निजी बातचीत के आधार पर उन्हें लगा था कि अब भी भारत के लिए कुछ और मौके मिलेंगे।

मंत्री उदय प्रताप सिंह को तिरंगा अपमान केस में राहत

एमपी एमएलए कोर्ट ने खारिज किया परिवाद; कहा-प्रमाण नहीं कि तिरंगा मंत्री के निर्देश पर लगा

भोपाल। एमपी के परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट से राहत मिल गई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट डीपी सूत्रकार की कोर्ट ने परिवाद खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से पेश साक्ष्य पर्याप्त नहीं हैं। फोटो में वाहन नंबर भी स्पष्ट नहीं है और यह प्रमाण नहीं मिला कि तिरंगा मंत्री के निर्देश पर लगाया गया था।

मामला 11 अगस्त 2024 को नरसिंहपुर के गाडरवारा में निकाली गई तिरंगा यात्रा से जुड़ा है। गोटेगांव निवासी कौशल सिलावट ने परिवाद दायर कर आरोप लगाया था कि यात्रा के दौरान मंत्री खुली जीप में सवार थे और जीप के बोनट पर रखा राष्ट्रीय ध्वज उनके पैरों को छू रहा था। इसी आधार पर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत कार्रवाई की मांग की गई थी। इस अधिनियम की धारा 2 में स्पष्ट उल्लंघन है कि वाहन के बोनट, छत या किसी अन्य भाग पर राष्ट्रीय ध्वज को ढकना या इस प्रकार रखना गलत है। यह कृत्य तिरंगे झंडे की गरिमा को प्रभावित करता है। यह अपराध है, जिसमें तीन वर्ष तक का कारावास का प्रावधान है।

मार्च में कोर्ट ने जारी किया था नोटिस

परिवादी ने ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2014) के सर्वोच्च न्यायालय के उस अभिनिर्णय का हवाला दिया, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि संज्ञेय अपराध की सूचना पर प्राथमिकी दर्ज करना पुलिस का अनिवार्य कर्तव्य है। इस परिवाद पर मार्च 2026 में एमपी-एमएलए कोर्ट ने मंत्री को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। कोर्ट ने पूछा था कि राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश क्यों न दिया जाए। परिवादी ने फोटो, मीडिया रिपोर्ट और अधिकारियों को दी गई शिकायतों की प्रतियां भी पेश की थीं।

कोर्ट ने साक्ष्यों को पर्याप्त नहीं माना

सुनवाई में कोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद परिवाद खारिज कर दिया। आदेश में कहा गया कि पेश फोटो में वाहन का नंबर दिखाई नहीं देता। साथ ही यह प्रमाण भी नहीं मिला कि जिस वाहन पर तिरंगा लगाया गया था, वह सरकारी या मंत्री का निजी वाहन था अथवा तिरंगा मंत्री के निर्देश पर लगाया गया था। ऐसे में परिवाद के आधार पर आगे कार्रवाई का पर्याप्त आधार नहीं पाया गया।

थाना प्रभारी ने शिकायत लेने से इंकार किया

परिवादी ने कोर्ट को बताया कि इस घटना की शिकायत थाना गाडरवारा में की है, लेकिन पुलिस ने मंत्री के पद होने के कारण एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके बाद पुलिस अधीक्षक, नरसिंहपुर को भी कई बार लिखित शिकायतें भेजी गईं, किन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई और जब पंजीकृत डाक से पुलिस थाना प्रभारी गाडरवारा को शिकायत भेजी गई तो उन्होंने लेने से अस्वीकार कर दिया जो कि उनके वैधानिक कर्तव्यों के विपरीत है।

जल संसाधन विभाग ने मैदानी अधिकारियों-कर्मचारियों को लिखा पत्र...

मंत्री सिलावट से बगैर अनुमति मिलने आए तो होगी कार्यवाही

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से विभाग के अधिकारी और कर्मचारी अब बिना अनुमति मुलाकात नहीं कर सकेंगे। मंत्री की आपत्ति के बाद जल संसाधन विभाग ने सभी मुख्य अभियंताओं और परियोजना संचालकों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में बिना अनुमति मंत्री से मुलाकात को शिष्टाचार के विरुद्ध बताते हुए भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं करने की हिदायत दी गई है। जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय के अधीक्षण यंत्री (प्रशासन) आशीष महाजन ने यह निर्देश जारी किया। इसमें बताया गया कि मंत्री सिलावट ने 15 सितंबर को पत्र लिखकर बिना अनुमति उनसे मिलने पहुंचने वाले विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों पर आपत्ति जताई थी। मंत्री ने ऐसी मुलाकातों की व्यवस्था नियंत्रित करने के निर्देश दिए। निर्देश में कहा गया है कि सभी मुख्य अभियंता और परियोजना संचालक अपने अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को इसकी सूचना दें। अब मंत्री से मिलने के लिए पहले अनुमति लेना जरूरी होगा। निर्देश का पालन नहीं करने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इसके पहले प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा ने सभी मुख्य अभियंताओं को पत्र लिखकर विभाग में प्रशासकीय नियंत्रण की बात कही थी। 12 सितंबर को लिखे पत्र में देवड़ा ने कहा कि कई अधिकारी, कर्मचारी मुख्यालय पर नहीं रहते हैं जो मुख्य अभियंता के नियंत्रण में लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में यह भी देखा गया है कि अधिकारी कर्मचारी मुख्य अभियंता के संज्ञान में लाए बिना अनुमति बगैर भोपाल या अन्य स्थानों पर प्रवास पर रहते हैं जो सर्वथा अनुचित है। भविष्य में अधीनस्थों को लेकर कोई शिकायत मिलती है तो इसकी जिम्मेदारी मुख्य अभियंता की होगी।

समस्या बताने के लिए भी मंत्री तक नहीं पहुंच पाएंगे

मंत्री के निर्देश को लेकर कर्मचारी नेताओं ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि कर्मचारी आमतौर पर तभी मंत्री से मिलने जाते हैं, जब विभागीय स्तर पर उनकी समस्या का निराकरण नहीं हो पाता। ऐसे में मंत्री से मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी कर्मचारियों के लिए समस्या खड़ी कर सकती है। कर्मचारी नेताओं ने इसे 'तुगलकी फरमान' बताते हुए सवाल उठाया कि यदि कर्मचारी अपनी विभागीय समस्या बताने के लिए मंत्री तक ही नहीं पहुंच पाएंगे, तो उनकी शिकायतों का समाधान कैसे होगा।

प्रमोशन तैयार, पोस्टिंग पर पेंच

खाद्य-औषधि प्रशासन के 99 अफसर दो महीने से इंतजार में

भोपाल। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं औषधि प्रशासन में पदोन्नति का रास्ता खुलने के बाद अब मामला पोस्टिंग की पसंद पर आकर अटक गया है। करीब दो महीने पहले खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के 93 पदों के लिए डीपीसी हो चुकी है, लेकिन पदोन्नति आदेश जारी नहीं हो पाए हैं। इसी तरह छह औषधि निरीक्षकों को वरिष्ठ औषधि निरीक्षक बनाने की प्रक्रिया भी पदोन्नति के बाद की पदस्थापना को लेकर खींचतान में फंसी हुई है। यानी विभाग में 99 अधिकारियों की पदोन्नति का रास्ता डीपीसी से तो निकल गया, लेकिन अगला कद-कहां पदस्थापित किया जाए पूरी प्रक्रिया पर भारी पड़ रहा है।

विभाग के प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह चाहते हैं कि पदोन्नति के बाद पदस्थापना तय करते समय एक ही स्थान पर सबसे ज्यादा समय से पदस्थ अधिकारियों को पहले स्थानांतरित किया जाए। इसके पीछे विभाग में लंबे समय से एक ही जगह जमे अधिकारियों की संख्या को वजह माना जा रहा है। विभागीय व्यवस्था के मुताबिक एक ही पदस्थापना स्थल पर तीन साल से अधिक समय होने पर स्थानांतरण का प्रावधान है। लेकिन खाद्य एवं औषधि प्रशासन में कुछ निरीक्षक ऐसे हैं, जो एक ही जिले में 10 साल से अधिक समय से पदस्थ बताए जा रहे हैं। यहीं से प्रमोशन की फाइल में नया पेंच पैदा हो गया है।

शिकायत के बाद बदले, फिर पुराने जिले में लौटे

विभाग में कुछ अधिकारियों के तबादले शिकायतों के बाद किए गए, लेकिन कुछ मामलों में उन्हें पास के जिले में कुछ समय के लिए भेजने के बाद फिर पुराने जिले में पदस्थ किया गया। अब पदोन्नति के साथ दोबारा तबादले की स्थिति बनने पर ऐसे अधिकारी अपनी मौजूदा पदस्थापना बनाए रखने के लिए प्रयास कर रहे हैं। नतीजा यह है कि पदोन्नति से ज्यादा मुश्किल अब पोस्टिंग तय करना बन गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की डीपीसी जुलाई में हो चुकी है, लेकिन अभी तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं हुए हैं। औषधि निरीक्षकों के मामले में भी वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति के बाद पदस्थापना को लेकर निर्णय नहीं हो पाया है।

विभाग के सामने अब दो सवाल

इस पूरे मामले में विभाग के सामने मूल सवाल दो हैं-पहला, पदोन्नति आदेश कब जारी हों? दूसरा, पदोन्नति के बाद नई पदस्थापना का आधार क्या हो? अगर केवल प्रशासनिक जरूरत के आधार पर पोस्टिंग की जाती है तो लंबे समय से एक ही जगह जमे अधिकारियों के तबादले का सवाल उठेगा। वहीं, यदि वरिष्ठता या मौजूदा पदस्थापना को प्राथमिकता दी जाती है तो तीन साल से अधिक समय से एक ही जगह पदस्थ अधिकारियों के स्थानांतरण के प्रावधान का पालन कैसे होगा, यह भी सवाल रहेगा।

अब कहां पोस्टिंग मिलेगी पर टिकी नजर

विभाग में चर्चा है कि पदोन्नति के साथ ही लंबे समय से एक ही जगह पदस्थ अधिकारियों की सूची को आधार बनाया जा सकता है। इससे उन अधिकारियों का तबादला पहले हो सकता है, जिनका कार्यकाल किसी जिले या स्थान पर सबसे लंबा है। फिलहाल विभागीय स्तर पर मंथन जारी है और अगले करीब एक सप्ताह में पदस्थापना आदेश जारी होने की संभावना बताई जा रही है। दस साल तक एक ही जिले में जमे रहने वाले निरीक्षकों से लेकर पदोन्नति का इंतजार कर रहे 99 अधिकारियों तक, अब सबकी नजर एक ही फाइल पर है-प्रमोशन की मुहर के साथ पोस्टिंग का ठिकाना आखिर तय कैसे होता है।

पहले डिजिटल भुगतान की डाली आदत, अब यूपीआईसे होगी परेशानी

भोपाल । मोबाइल से कुछ सेकंड में भुगतान करने की आदत अब छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक की रोजमर्रा की व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी है। लेकिन 2000 रूपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क ने भोपाल के व्यापारियों के बीच नई चिंता पैदा कर दी है। व्यापारियों का कहना है कि शुल्क का असर केवल उनके कारोबार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी अतिरिक्त लागत अंततः ग्राहक तक पहुंच सकती है। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने कहा कि छोटे और मध्यम कारोबारियों का मार्जिन पहले ही सीमित रहता है। ऐसे में प्रत्येक बड़े डिजिटल लेनदेन पर शुल्क लगने से व्यापार की लागत बढ़ेगी। उन्होंने इस मुद्दे पर वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र लिखने की बात कही है।

व्यापारियों की चिंता का बड़ा हिस्सा भुगतान के तरीके में संभावित बदलाव को लेकर है। उनका कहना है कि यदि बड़े यूपीआई भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क देना पड़ा तो कुछ दुकानदार ग्राहकों को नकद भुगतान करने के लिए कह सकते हैं। वहीं कुछ मामलों में भुगतान को अलग-अलग हिस्सों में करने की स्थिति भी बन सकती है। इसका असर खासकर उन कारोबारों में ज्यादा महसूस होने की बात कही जा रही है, जहां बिक्री का मार्जिन कम है।

फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह के मामले की जॉच कर रहे पुलिस कर्मियो पर गिरी गाज

भोपाल। फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह के खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी के मामले की जांच कर रहे बाग सेवनिया थाने के एएसआई मनोज शर्मा और हवलदार सुनील राठौर खुद ही जांच के घेरे में आ गए हैं। दोनों पर धोखाधड़ी के मामलों में कार्रवाई और जांच के नाम पर फरियादियों व आरोपियों से रुपए मांगने के आरोप लगे हैं। तृप्ति सिंह केस में भी रुपए मांगने की शिकायत सामने आने के बाद डीसीपी जोन-2 विकास शहवाल ने दोनों को लाइन अटैच कर दिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक एएसआई मनोज शर्मा बाग सेवनिया थाने में दर्ज धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उनके और हवलदार सुनील राठौर के खिलाफ शिकायतें वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचीं। आरोप था कि दोनों पुलिसकर्मी जांच में कार्रवाई का दबाव बनाकर फरियादियों और आरोपियों से रुपए मांगते थे। शिकायतों की जांच के दौरान फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह से जुड़े मामले में भी दोनों पर रुपए मांगने के आरोप सामने आए। डीसीपी को लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को थाने से हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया।

रीवा में उपचार संबंधी लापरवाही पर कार्रवाई, डॉक्टर की सेवाएं समाप्त

भोपाल। रीवा में मरीज के उपचार में लापरवाही और अनियमितताओं के मामलों में जांच के बाद कार्रवाई की गई है। श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय, रीवा के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सोनल अग्रवाल की सेवाएं 16 सितंबर की दोपहर से समाप्त कर दी गई हैं। मरीजों को नर्सिंग होम जाने के लिए बाध्य करने की शिकायत पर गठित उच्चस्तरीय समिति ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। जांच प्रतिवेदन और डॉ. अग्रवाल के स्पष्टीकरण के परीक्षण के बाद यह कार्रवाई की गई। आदेश के अनुसार वे भविष्य में किसी भी शासकीय अथवा स्वशासी सेवा के लिए अनर्ह होंगी।

रीवा में प्रसव के दौरान कल्पना मिश्रा की मृत्यु के मामले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जांच समिति की कार्रवाई के आधार पर औषधि निरीक्षक राधेश्याम बट्टी को भी निलंबित किया गया है। उन पर गंभीर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और अनुशासनहीनता के आरोपों के आधार पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम, 1966 के नियम 9 के तहत कार्रवाई की गई। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला शहडोल कार्यालय निर्धारित किया गया है।

वहीं अथर्व ब्लड सेंटर, रीवा में सामने आई अनियमितताओं के संबंध में संबंधित अधीनस्थ औषधि निरीक्षक के माध्यम से आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी खजाने से 4000 करोड़ में बने 9 मेडिकल कॉलेज

निजी हाथों में सौंपने की तैयारी -बिना खर्च किए बनेंगे मेडिकल कॉलेज के मालिक -पीपीपी मॉडल का बड़ा खेल

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार राज्य के 9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित सूची में नीमच, सिंगरौली और श्योपुर समेत वे मेडिकल कॉलेज भी शामिल हैं, जिनके निर्माण और सुविधाओं पर सरकार ने बड़ी रकम खर्च की है। इसे लेकर अब सरकारी निवेश और भविष्य में निजी संचालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इन कॉलेजों के निर्माण पर करीब 4000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इनमें कई कॉलेजों के भवन निर्माण में केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी रही है। कुछ कॉलेजों में भवन के अलावा मशीनों, फर्नीचर और अन्य सुविधाओं पर भी बड़ी राशि खर्च की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, उज्जैन मेडिकल कॉलेज को लेकर वर्ष 2021 में पीपीपी मॉडल के विरोध में आंदोलन भी हुआ था। इसके बावजूद अब इसे फिर निजी भागीदारी के दायरे में लाने की तैयारी की जा रही है।

सरकार का तर्क है कि पीपीपी मॉडल के जरिए मेडिकल कॉलेजों का संचालन बेहतर तरीके से किया जा सकता है और चिकित्सा शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। वहीं, सवाल यह है कि सरकारी धन से तैयार किए गए संस्थानों का संचालन निजी कंपनियों को देने पर आम मरीजों और छात्रों को इसका क्या लाभ मिलेगा।

सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि जिस बुनियादी ढांचे पर जनता के पैसे से हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए, उसके संचालन और आर्थिक लाभ में निजी भागीदार की भूमिका कितनी होगी।

अतिक्रमण पर अफसरों की तय होगी जवाबदेही

भोपाल। भोज वेटलैंड और भोपाल के जल निकायों में अतिक्रमण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त टिप्पणी की। अधिकरण ने कहा कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण गंभीर मामला है और केवल अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। जिन अधिकारियों की लापरवाही या निष्क्रियता से अवैध निर्माण और कब्जे की स्थिति बनी, उनकी जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। यह सुनवाई आर्या श्रीवास्तव बनाम भारत संघ एवं अन्य और राशिद नूर खान बनाम कलेक्टर, भोपाल एवं अन्य मामलों में हुई। राशिद नूर खान की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पक्ष रखा। एनजीटी ने कहा कि सरकारी जमीन की सुरक्षा संबंधित अधिकारियों और प्रशासनिक तंत्र की जिम्मेदारी है। अधिकारियों की निष्क्रियता से अवैध निर्माण और अतिक्रमण को बढ़ावा मिल सकता है। अधिकरण ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन किसी व्यक्ति या अधिकारी की पैतृक संपत्ति नहीं है, जिस पर अवैध बस्तियों या निर्माण को मनमाने तरीके से अनुमति दी जा सके।

पीएम और सीएम से मांगी इच्छामृत्यु

7 दिन से निर्जला अनशन कर रहे अभ्यर्थी ने खून से लिखा पत्र

भोपाल। मप्र में वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन 28वें दिन भी जारी है। डीपीई के सामने पिछले तीन दिन से प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों में राजगढ़ के ब्यावरा निवासी नरेंद्र राजपूत सात दिन से निर्जला भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। अभ्यर्थियों के मुताबिक, बुधवार रात नरेंद्र कई बार बेहोश भी हुए। इसी बीच आंदोलनकारियों ने खून से पत्र लिखकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राज्यपाल और राष्ट्रपति से इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी है।

नरेंद्र राजपूत का कहना है कि सात दिन से उन्होंने पानी की एक बूंद तक नहीं पी है। उन्हें हार्ट में दर्द हो रहा है और बीपी बढ़ रहा है। उनका आरोप है कि तबीयत बिगडने के बावजूद गुरुवार सुबह तक डॉक्टर उनकी जांच के लिए नहीं पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से डॉक्टर बुलाने की मांग भी की, लेकिन उनके अनुसार कोई सुनवाई नहीं हुई। आंदोलनकारियों ने खून से जो पत्र लिखा है, उसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और राष्ट्रपति से इच्छामृत्यु की मांग की गई है। पत्र में शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग पूरी नहीं होने और लंबे समय से चल रहे आंदोलन का उल्लेख किया गया है। नरेंद्र राजपूत ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन का जिक्र करते हुए कहा कि अभ्यर्थियों की इतनी क्षमता नहीं है कि वे उन्हें कोई उपहार दे सकें। उनके मुताबिक, वे प्रधानमंत्री से उपहार के रूप में अपनी मौत मांग रहे हैं।

नरेंद्र राजपूत ने कहा कि इससे पहले भूख हड़ताल खत्म कराई गई थी। उस समय पद बढ़ाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उनके अनुसार वादा पूरा नहीं हुआ। इसी वजह से उन्हें दोबारा भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा।

टीईटी के आवेदन अब 5 अक्टूबर तक होंगे

दिसंबर में हो सकता है एग्जाम; अब तक 19100 शिक्षकों ने फॉर्म भरे

भोपाल। एमपी में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के आवेदन की तारीख गुरुवार को बढ़ाकर 5 अक्टूबर कर दी गई। माध्यमिक शिक्षा मंडल को परीक्षा एजेंसी बनाए जाने के बाद गुरुवार को आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय और माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों की बैठक में ये निर्णय किया गया। संभावना है कि परीक्षा दिसंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में कराई जाएगी। अब तक 19100 शिक्षकों ने आवेदन किए हैं। स्कूल शिक्षा और ट्राइबल विभाग के करीब डेढ़ लाख शिक्षक इसके दायरे में आते हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की पात्रता परीक्षा लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एमपी बोर्ड को एजेंसी बनाया है। एमपी ऑनलाइन के माध्यम से जमा होने वाले आवेदनों के लिए 18 सितंबर अंतिम तिथि थी। गुरुवार को बैठक में यह भी तय किया गया है कि सभी 55 जिलों के जिला मुख्यालय में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। एमपी बोर्ड, कर्मचारी चयन मंडल के पैटर्न पर ही परीक्षा लेगा। फर्क सिर्फ यह होगा कि कर्मचारी चयन मंडल ऑनलाइन एग्जाम लेता और माध्यमिक शिक्षा मंडल ऑफलाइन लेगा।

परीक्षा कराने में दो महीने का समय लग सकता है

माशिमं अफसरों के अनुसार मंडल का पहला फोकस परीक्षा देने वाले शिक्षकों की संख्या पर है। इस परीक्षा के लिए जितने शिक्षक आवेदन करेंगे, उसके आधार पर ही व्यवस्थाएं करेंगे। संख्या तय होने के बाद परीक्षा कराने में दो महीने का समय लग जाता है। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तारीख का ऐलान किया जाएगा।

उच्च पद प्रभार वाले शिक्षक भी चिंतित

शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से उच्च पद का प्रभार संभालकर कार्य कर रहे शिक्षकों के बीच पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर भी चिंता बनी हुई है। शिक्षक चाहते हैं कि पदोन्नति की प्रक्रिया को लेकर विभाग स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करे, जिससे वर्षों से प्रतीक्षारत शिक्षकों को आगे की स्थिति स्पष्ट हो सके। वहीं पदोन्नति प्राप्त कर चुके शिक्षकों के लिए पदस्थापना आदेश जारी नहीं होने से भी असमंजस की स्थिति है।

तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के वेतन को लेकर सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

भोपाल। तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के वेतन को लेकर मध्यप्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मामला वर्ष 2019 से लागू वेतन व्यवस्था से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए सरकार को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार वेतन देने के निर्देश दिए थे।

मामले के अनुसार, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को नियुक्ति में 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था लागू थी। कर्मचारियों ने इस व्यवस्था को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था। हाईकोर्ट ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए नियुक्ति की तारीख से 100 प्रतिशत वेतन देने का आदेश दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। सरकार का कहना है कि 2019 से अब तक कर्मचारियों को अलग-अलग चरणों में वेतन देने की व्यवस्था लागू रही है। यदि नियुक्ति की तारीख से ही पूरा वेतन देने का आदेश लागू किया जाता है तो सरकारी खजाने पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। इसका असर अन्य विभागों की वित्तीय योजनाओं और बजट प्रबंधन पर भी पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी अपील के साथ हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की है।

विश्वकर्मा जयंती पर बोले मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री मोदी को बताया भगवान विश्वकर्मा का अनुयायी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्वकर्मा जयंती पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने अपनी सृजनशीलता और कौशल से सृष्टि को सुंदर स्वरूप दिया। प्रधानमंत्री मोदी भी राष्ट्र निर्माण के प्रति कर्मठता और सृजनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की प्रतिभा, सामर्थ्य और शक्ति को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया है। गरीबों के आवास से लेकर भोजन तक की व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया गया है और आज विश्व भारत की ओर उम्मीद और विश्वास से देख रहा है। उन्होंने कहा कि सच्चे अर्थों में प्रधानमंत्री भगवान विश्वकर्मा के अनुयायी हैं और उनकी कर्मठता सभी के लिए प्रेरणादायी है।

डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर प्रदेश के हर घर में दीप प्रज्वलित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि उज्जैन में भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम होगा। वहीं इंदौर से प्रदेश के 50 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों के लिए आवासों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने संबंधी स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के प्रदेश आगमन की जानकारी भी दी।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

मनेरी समिति प्रबंधक के घर ईओडब्ल्यु की छापामार कार्यवाही

अनुपातहीन सम्पत्ति उजागर, लग्जरी स्लीपर बसों, मकान, वाहन और घरेलू सामान की कीमत करीब 3 करोड़ आंकी; 8 बैंक खाते व बीमा पॉलिसियों की भी जांच

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा सहकारी समिति मर्यादित मनेरी के प्रबंधक विलास चौरे के लांजी स्थित आवास पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW), जबलपुर ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। ईओडब्ल्यू की टीम ने सुबह करीब 6 बजे चौरे के आवास पर पहुंचकर आय से अधिक संपत्ति के मामले में सर्च कार्रवाई शुरू की। देर शाम तक चली जांच में चौरे और उनके परिजनों के नाम पर अब तक करीब 3 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्ति सामने आने की जानकारी ईओडब्ल्यू ने जारी की है। अधिकारियों के अनुसार अन्य संपत्तियों, बैंक खातों और लॉकरों की जांच जारी है तथा आगे की जांच में और संपत्तियों का खुलासा होने की संभावना है। ईओडब्ल्यू के अनुसार विलास चौरे पिता स्वर्गीय मानिकचंद चौरे, सेवा सहकारी समिति मर्यादित मनेरी, जिला बालाघाट में प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार के माध्यम से करोड़ों रुपये की अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के सत्यापन में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, जबलपुर द्वारा अपराध क्रमांक 0/26 दर्ज किया गया है। प्रकरण में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

70 लाख की भूमि, प्लाट और मकान

ईओडब्ल्यू द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सर्च के दौरान आरोपी और उसके परिजनों के नाम पर भूमि, प्लाट एवं मकान की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये पाई गई है। टीम द्वारा संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज, खरीद-बिक्री और भुगतान के स्रोत की जानकारी जुटाई जा रही है।

घर के सामान की इन्वेंट्री भी करीब 70 लाख

जांच के दौरान आवास में मौजूद घरेलू सामान की भी इन्वेंट्री तैयार की गई है। ईओडब्ल्यू के अनुसार घरेलू सामान की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये आंकी गई है। इसमें घर में उपलब्ध विभिन्न महंगे सामान एवं अन्य सामग्री का मूल्यांकन शामिल है।

पांच लग्जरी स्लीपर बसें, कीमत करीब 1 करोड़

सर्च कार्रवाई में पांच लग्जरी स्लीपर बसों की जानकारी सामने आई है। ईओडब्ल्यू के अनुसार इन पांच बसों की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपये है। बसों के स्वामित्व, खरीद और संचालन से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

स्कॉर्पियो, ग्रैंड विटारा और दो बोलेरो भी मिलीं

जांच के दौरान कई चार पहिया वाहन भी सामने आए हैं। इनमें महिंद्रा न्यू स्कॉर्पियो करीब

15 लाख रुपये, सुजुकी ग्रैंड विटारा करीब 12 लाख रुपये तथा दो बोलेरो एक्सेल करीब 15 लाख रुपये कीमत की बताई गई हैं। इसके अलावा तीन दोपहिया वाहन भी मिले हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये बताई गई है। इस तरह केवल वाहनों में ही बड़ी राशि की संपत्ति सामने आई है। ईओडब्ल्यू द्वारा सभी वाहनों के दस्तावेज, स्वामित्व और खरीद में खर्च हुई राशि का सत्यापन किया जा रहा है।

8 बैंक खाते और बीमा पॉलिसियां जांच के दायरे में

ईओडब्ल्यू की जांच में आरोपी और उसके परिजनों के नाम से विभिन्न बैंक शाखाओं में 8 बैंक खाते संचालित होने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा बीमा पॉलिसियां भी मिली हैं। इन खातों और पॉलिसियों में जमा राशि तथा निवेश की वास्तविक जानकारी संबंधित बैंकों एवं संस्थानों से प्राप्त की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार बैंक खातों, लॉकरों और अन्य वित्तीय निवेशों की जांच पूरी होने के बाद अनुपातहीन संपत्ति का वास्तविक आंकड़ा और बढ़ सकता है।

पत्नी के नाम यात्रा व्यवसाय की भी जांच

प्रारंभिक जांच में चौरे के परिवार से जुड़े यात्रा व्यवसाय की जानकारी भी सामने आई है। पहले की जांच में पत्नी के नाम %मातोश्री% नाम से बालाघाट से हैदराबाद मार्ग पर बसों के संचालन की जानकारी सामने आई थी। ईओडब्ल्यू टीम इस व्यवसाय से होने वाली आय और उससे संबंधित संपत्तियों का भी मिलान कर रही है।

2014 में दैनिक वेतनभोगी से शुरू की थी नौकरी

ईओडब्ल्यू के अनुसार विलास चौरे वर्ष 2014 में सेवा सहकारी समिति में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में पदस्थ हुए थे। वर्तमान में वे सेवा सहकारी समिति मनेरी में प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। करीब 12 वर्ष की सेवा अवधि में उनकी ज्ञात आय और वर्तमान में सामने आई संपत्तियों के बीच अनुपात का परीक्षण जांच एजेंसी द्वारा किया जा रहा है।

जांच जारी, और संपत्तियों के खुलासे की संभावना

ईओडब्ल्यू ने स्पष्ट किया है कि 17 सितंबर को सुबह 6 बजे से शुरू हुई सर्च कार्रवाई अभी जारी है। अब तक करीब 3 करोड़ रुपये की अनुमानित अनुपातहीन संपत्ति सामने आई है। अधिकारियों द्वारा अन्य संपत्तियों, बैंक खातों, लॉकरों, निवेश और वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद संपत्ति और आय के बीच वास्तविक अंतर स्पष्ट होगा तथा आगे और संपत्तियों के सामने आने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

चौरे बोले-शिकायत जलन की भावना से की गई

कार्रवाई को लेकर विलास चौरे ने कहा कि ईओडब्ल्यू की टीम ने उनके निवास पर जांच की और उन्होंने कार्रवाई में पूरा सहयोग किया। उनका कहना है कि शिकायत जलन की भावना से की गई है और उनकी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से शिकायत की गई। चौरे ने कहा कि यदि जांच में वे दोषी पाए जाते हैं तो वे कार्रवाई के लिए तैयार हैं।

ईओडब्ल्यू टीम में ये अधिकारी रहे शामिल

कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक मनजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक स्वर्णजीत सिंह धामी, निरीक्षक प्रेरणा पाण्डेय, कोमेन्द कुमार, अभिनव ठाकुर, कयुम खान, शेख नदीम, सगीर खान, कमलीन कौर और डॉ. लक्ष्य वर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। कार्रवाई में बालाघाट पुलिस बल एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की भी मौजूदगी रही।

और खुलासे की संभावना है-मंजीत सिंह

विलास चौरे के विरुद्ध शिकायत के सत्यापन में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर अपराध क्रमांक 0/26 अंतर्गत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(बी), 13(2) में प्रकरण दर्ज किया गया है। 17 सितंबर को सुबह 6 बजे से सर्च कार्रवाई जारी है। अब तक आरोपी एवं उसके परिजनों के नाम पर करीब 3 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्ति सामने आई है। अन्य संपत्तियों, बैंक खातों और लॉकरों की जांच जारी है। आगे की जांच में अन्य संपत्तियों के खुलासे की संभावना है।

जिले में बढ़ रहे ऑनलाइन ठगी के मामले दो लोगों से 72900 रुपये की साइबर धोखाधड़ी

मलाजखंड में सिक्योरिटी गार्ड के खाते से 32900 तो किरनापुर में क्यूआर कोड स्कैन कराकर 40 हजार रुपये निकाले

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों को झांसे में लेकर उनके बैंक खातों से रकम निकाल रहे हैं। हाल ही में मलाजखंड और किरनापुर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन ठगी के दो मामले सामने आए हैं। जिनमें पीड़ितों से कुल 72900 रुपये की राशि धोखाधड़ी कर निकाले जाने की शिकायत सामने आई है। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम चारटोला निवासी रामजी मरकाम मलाजखंड माइंस में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत हैं। उनका भारतीय स्टेट बैंक की मोहगांव शाखा में खाता है। उनके बैंक खाते से मोबाइल नंबर लिंक है और वे इसी नंबर से फोन-पे का इस्तेमाल करते हैं। जानकारी केअनुसार 12 सितंबर को रामजी मरकाम ने अपने फोन-पे की ट्रांजैक्शन हिस्ट्री चेक की। इस दौरान उन्हें पता चला कि उसी दिन शाम करीब 5 बजकर 54 मिनट पर उनके फोन-पे से 32900 रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ है। रामजी मरकाम ने उन्होंने स्वयं यह लेन-देन नहीं किया था। शिकायत में उन्होंने अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल अथवा सिम से छेड़छाड़ कर खाते से राशि निकालने की आशंका जताई है।घटना के बाद रामजी मरकाम ने मलाजखंड थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस द्वारा शिकायत को सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से 1930 साइबर हेल्पलाइन और साइबर पुलिस पोर्टल पर प्रेषित कर जिला साइबर सेल एवं साइबर थाना को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा गया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय सँहिता की धारा 318(4) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत अपराध 16 सितम्बर को दर्ज किया है।

किरनापुर में बैंक अधिकारी बनकर फोन

दूसरा मामला किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कैशा निवासी जितेश पांचे के साथ सामने आया है। जितेश नागपुर की एक सोलर कंपनी में काम करते हैं और उनका खाता एचडीएफसी बैंक में है।पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार 9 सितंबर को जितेश के मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। उसने स्वयं को एचडीएफसी बैंक का कर्मचारी बताते हुए जितेश से उनकी समस्या पूछी। जितेश ने उसे बताया कि उनके बैंक खाते का बैलेंस माइनस में जा रहा है। फोन करने वाले व्यक्ति ने जितेश को बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड का सर्विस चार्ज बैंक से कट रहा है और राशि को दूसरे क्रेडिट कार्ड में ट्रांसफर करना पड़ेगा इसके बाद कथित बैंक कर्मचारी ने जितेश के मोबाइल नंबर पर दो क्यूआर कोड भेजे और उन्हें स्कैन करने के लिए कहा। जितेश ने दोनों क्यूआर कोड स्कैन कर दिए। इसके बाद उनके एचडीएफसी बैंक खाते से दो अलग-अलग ट्रांजैक्शन के माध्यम से 20-20 हजार रुपये निकल गए। इस तरह कुल 40 हजार रुपये की राशि खाते से ट्रांसफर हो गई।राशि निकलने की जानकारी मिलने के बाद जितेश ने तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। किरनापुर पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी किए जाने की बात सामने आने पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत अपराध 14 सितम्बर को दर्ज किया है। मामले की विवेचना जारी है।

लगातार सामने आ रहे साइबर ठगी के मामले

जिले में ऑनलाइन ठगी के इन मामलों के अलावा पूर्व में भी अलग-अलग थाना क्षेत्रों में साइबर अपराध से संबंधित शिकायतें और अपराध दर्ज हो चुके हैं। साइबर अपराधी कभी बैंक अधिकारी बनकर, कभी केवाईसी अपडेट के नाम पर तो कभी क्यूआर कोड अथवा अन्य डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं।पुलिस द्वारा लोगों से अपील की जाती है कि बैंक अधिकारी बनकर फोन करने वाले किसी भी अनजान व्यक्ति को बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय जानकारी न दें। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर क्यूआर कोड स्कैन करने से भी बचें। ऑनलाइन ठगी होने की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने से कार्रवाई में मदद मिल सकती है।

चलती ट्रेन से उतरते समय गिरा यात्री

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-गोंदिया रेलवे लाइन पर स्थित हट्टा रेलवे स्टेशन में चलती ट्रेन से उतरते समय एक व्यक्ति असंतुलित होकर गिर गया। हादसे में उसके सिर में चोट आई है। घायल शिवकुमार कावरे पिता ज्ञानेश्वर कावरे 45 वर्ष ग्राम मुरझड़ थाना वारासिवनी निवासी है जिसे तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मुरझड़, थाना वारासिवनी निवासी शिवकुमार कावरे कृषि विभाग में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हैं। बताया गया कि 17 सितंबर को शिवकुमार अपनी पत्नी संतोषी कावरे के साथ ट्रेन से ग्राम हट्टा स्थित रिश्तेदारी में जा रहे थे।हट्टा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर ट्रेन के पहुंचने के दौरान शिवकुमार चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। हादसे में उनके सिर में चोट लग गई। परिजनों एवं आसपास मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया जहां उन्हें भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है।

देर से कार्यालय पहुंचना कर्मचारियों को पड़ा भारी

चार कर्मचारियों का वेतन काटने के SDM ने दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बुधवार को तहसील कार्यालय में एसडीएम विजय सिंह यादव ने सुबह 11 बजे कर्मचारियों की उपस्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान तहसील कार्यालय में पदस्थ चार कर्मचारी आशुतोष पटले, राजेंद्र डेहरवाल (सहायक ग्रेड-3), संदीप मिश्रा (जूनियर डाटा एंट्री ऑपरेटर) एवं ज्योति नागपुरे (खंड लेखक) अनुपस्थित पाए गए। एसडीएम द्वारा कर्मचारियों की अनुपस्थिति के संबंध में जानकारी लेने पर तहसीलदार कटंगी ने बताया कि चारों कर्मचारियों के संबंध में उन्हें कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इस पर एसडीएम ने बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। ज्योति नागपुरे 10 सितंबर 2026 से बिना सूचना के अनुपस्थित थीं, जिसके चलते उनके छह दिवस का वेतन सितंबर माह के वेतन से काटने के निर्देश दिए गए। वहीं अन्य तीनों कर्मचारियों के एक-एक अनुपस्थिति दिवस का वेतन काटने के निर्देश तहसीलदार कटंगी को दिए गए। कार्रवाई के बाद एसडीएम विजय सिंह यादव ने सभी अनुभाग स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालयों में कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित हों और निर्धारित समय पर ही कार्यालय छोड़ें। उन्होंने कहा कि कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। बिना सूचना अनुपस्थित पाए जाने वाले एवं लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन राजसात करने सहित अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डीजल चोरी के मामले का 24 घंटे में खुलासा

5 आरोपी गिरफ्तार, 560 लीटर डीजल और चोरी में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार जप्त, 5.56 लाख रुपए का मशरूका बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं चोरी की घटनाओं के त्वरित निराकरण के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में चांगोटोला पुलिस ने डीजल चोरी के मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया 560 लीटर डीजल तथा घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। जप्त मशरूके की कुल कीमत 5 लाख 56 हजार रुपए बताई गई है।

डीजल चोरी की घटना का विवरण

लामता पुलिस के अनुसार ग्राम पचपेढ़ी निवासी विनोद पटले ने 16 सितंबर को थाना चांगोटोला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसका वाहन रिपेयरिंग वर्कशॉप में प्लास्टिक के डिब्बों में करीब 560 लीटर डीजल रखा हुआ था। 15 सितंबर की रात करीब 1 से 2 बजे के बीच अज्ञात व्यक्तियों ने वर्कशॉप में रखे डीजल के डिब्बे चोरी कर लिए।विनोद पटले की रिपोर्ट पर थाना चांगोटोला में अपराध क्रमांक 92/2026, धारा 331(4), 305(ए), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र से मिली जानकारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चांगोटोला के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र के माध्यम से आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी।जांच के दौरान आरोपियों के मंडला की ओर जाने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ग्राम पादरीगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास घेराबंदी की। यहां स्विफ्ट डिजायर कार सहित अमन उर्फ कालू मानकर, ओमकार दास उर्फ बाबू और राहुल यादव को पकड़ा गया। पूछताछ एवं आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किया गया डीजल और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया।

फरार अन्य दो आरोपी भी गिरफ्तार

पुलिस टीम ने पूछताछ के आधार पर थाना परसवाड़ा क्षेत्र में अन्य आरोपियों की तलाश की। कार्रवाई के दौरान सतीश चौधरी एवं आशू साहू को गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर क्रमशः 220 लीटर एवं 170 लीटर डीजल बरामद किया गया।इस प्रकार मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया कुल 560 लीटर डीजल, जिसकी कीमत 56 हजार रुपए है तथा घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक इल 04 ॥ 2821 जप्त की गई।जिसकी कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई गई है। कुल जप्त मशरूके की कीमत 5 लाख 56 हजार रुपए है।

गिरफ्तार आरोपी

अमन उर्फ कालू 22 वर्ष ग्राम गोपीनंद मोहल्ला पुरानी भट्टी तहसील के पास, नैनपुर।जिला मंडला निवासी। ओमकार दास उर्फ बाबू 18 वर्ष राधाकृष्ण मंदिर के पास नैनपुर, जिला मंडला निवासी। राहुल 19 वर्ष ग्राम पुरानी बस्ती, राधाकृष्ण मंदिर के पास, नैनपुर, जिला मंडला निवासी आशू साहू 28 वर्ष ग्राम चंदना थाना परसवाड़ा जिला बालाघाट निवासी। सतीश चौधरी23 वर्ष ग्राम कोसमी, थाना परसवाड़ा जिला बालाघाट निवासी है।

लामता -ढूटी रोड पर दर्दनाक हादसा दो मोटरसाइकिल की आपस मे जोरदार भिड़ंत

तीन युवती सहित सात घायल, पांच घायल को जिला अस्पताल भर्ती, तीन घायल की हालत गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के ढूटी रोड पर गुरुवार को दोपहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवतियों समेत सात लोग घायल हो गए। ढूटी गांव के समीप सड़क की गोलाई में दो मोटरसाइकिलों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मोटरसाइकिल पर सवार युवक युवतिया सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पांच घायलों को लामता से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 सितम्बर को साहिल सोनवाने ग्राम सिलंगी निवासी अपनी दोनों बहनों गौरी सोनवाने और साधना सोनवाने तथा उनकी सहेली दीक्षा परवार के साथ एक मोटरसाइकिल से परसवाड़ा से ढूटी बांध घूमने के लिए निकले थे। साथ में अन्य लोग भी मोटरसाइकिल से आ रहे थे ।साहिल मोटरसाइकिल चला रहा था। वहीं दूसरी ओर विकास मर्सकोले अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल से ढूटी बांध घूमने के बाद अपने गांव बटुआ लौट रहे थे। इनके साथ भी अन्य मोटरसाइकिल में उसके साथी युवक थे।बताया जा रहा है कि करीब दोपहर 4 बजे ढूटी गांव के पास सड़क की गोलाई में दोनों मोटरसाइकिलें आमने सामने टकरा गईं। अचानक हुई इस भीषण टक्कर से दोनों मोटरसाइकिल पर सवार सातों लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल लामता अस्पताल पहुंचाया गया।लामता अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दीक्षा परवार, गौरी सोनवाने, साधना सोनवाने, साहिल सोनवाने और विकास मर्सकोले को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। इनमें तीन घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिला अस्पताल में सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है।जबकि दो घायलों का इलाज लामता अस्पताल में जारी है।जिला अस्पताल में भर्ती घायलों में दीक्षा पिता संतोष परवार 17 वर्ष ग्राम कुमनगांव थाना परसवाड़ा निवासी,साहिल पिता चंद्रदास सोनवाने 18 वर्ष गौरी पिता चंद्रदास सोनवाने 21 वर्ष और साधना पिता चंद्रदास सोनवाने 20 वर्ष, तीनों ग्राम सिलगी थाना परसवाड़ा निवासी तथा विकास पिता बिहारीलाल मर्सकोले 22 वर्ष ग्राम बटुआ थाना चांगोटोला निवासी शामिल हैं। यह दुर्घटना में साहिल सोनवाने उसकी एक बहन साधना सोनवाने और विकास मर्सकोले हालत गंभीर बताई गई है।दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद लामता पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट